PRESS राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, मंगलवार
05.11.2024
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 11, अंक : 271

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

RNI : JHAHIN/2014/54374

www.rashtriyamukhyadhara.com

अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

झारखंड की जनता अब इंडी अलायंस की सरकार को उखाड़कर कमल खिलाने को आतुर : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि झारखंड की जनता अब इंडी अलायंस की सरकार को उखाड़कर कमल खिलाने को आतुर है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में हर तरफ एक ही गूंज है, 'रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-एनडीए की सरकार। प्रधानमंत्री ने झारखंड के गढ़वा में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते कहा कि जनता ने कुछ महीने पहले दिल्ली में लगातार तीसरी बार भाजपा-एनडीए सरकार बनाई। अब झारखंड में विधानसभा का चुनाव है, हम सभी को मिलकर यहां भाजपा-एनडीए के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि वह यहां जनता का आशीर्वाद मांगने आये हैं। जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी पर परिवारवाद को लेकर हमला करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि परिवारवाद झारखंड का एक बहुत बड़ा दुश्मन है। उन्होंने कहा कि ये तीनों दल घोर परिवारवादी हैं। ये चाहते हैं कि सत्ता की चाबी केवल इन्हीं के परिवार के पास रहे। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं का सामर्थ्य बढ़े, उन्हें नए अवसर मिलें ये सरकार की जिम्मेदारी होती है, लेकिन जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी ने झारखंड के युवाओं के साथ धोखा ही किया है। इन्होंने (जेएमएम-कांग्रेस) झारखंड के नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया। भर्तियों में धांधली, पेपर लीक जैसे यहां का उद्योग बन गया है। सिपाही भर्ती के दौरान जेएमएम सरकार की लापरवाही के कारण कई नौजवाओं की दुखद मृत्यु हो गई। अब झारखंड भाजपा ने इस स्थिति को बदलने का निर्णय लिया है। प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद करीब 3 लाख सरकारी पदों को पारदर्शी तरीके से भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके साथी जहां-जहां भी झूठ बोलकर सत्ता में आए हैं, उस राज्य को उन्होंने बर्बाद कर दिया है। कांग्रेस के अध्यक्ष (मल्लिकार्जुन खरगे) ने भी मान लिया है कि कांग्रेस झूठी गारंटी देती है। उनके मुंह से भी जाने-अनजाने में सच निकल गया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की जो ये अनाप-शनाप घोषणाएं हैं, ये राज्यों को दिवालिया कर देंगी। प्रधानमंत्री ने छठ के उत्साह का जिक्र करते हुए छठी मैया की उपासना करने वालों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि झारखंड में ये चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं, जब पूरा देश 'विकसित भारत' के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है यानी आने वाले 25 वर्ष देश और झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे और झारखंड भी तब 50 वर्ष का होने वाला होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा, झारखंड की सुविधा, सुरक्षा, स्थिरता व समृद्धि की गारंटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। प्रधानमंत्री ने झारखंड भाजपा को शानदार संकल्प पत्र जारी करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये संकल्प पत्र रोटी-बेटी-माटी के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित है। माताओं, बहनों, बेटियों के कल्याण के लिए झारखंड भाजपा के संकल्प पत्र में अनेक संकल्प लिए गए हैं। 'गोगो दीदी योजना' के तहत हर महीने माताओं-बहनों को 2,100 रुपये दिए जाएंगे। गरीब परिवार की माताओं-बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत पहले गैस कनेक्शन दिए गए, अब झारखंड में बनने जा रही भाजपा सरकार 500 रुपये में गैस सिलेंडर देगी इसके साथ अगले साल दीपावली और रक्षाबंधन पर दो मुफ्त सिलेंडर भी देगी।

प्रधानमंत्री ने अल्मोड़ा बस हादसे पर जताया दुख, मुआवजे की घोषणा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए बस हादसे पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में लिखा, "उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हरसंभव प्रयास में जुटा है। एक अन्य पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री ने अल्मोड़ा हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

अल्मोड़ाः खाई में गिरी यात्रियों से खचाखच भरी बस, 20 की मौत?

एजेंसी। अल्मोड़ा

उत्तराखंड में सोमवार सुबह बड़ा बस हादसा हुआ। अल्मोड़ा जिले में सल्ट तहसील के मारचूला स्थित कूपी गांव के पास रानीखेत जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिस खाई बस गिरी है, लगभग उसकी गहराई 100 मीटर से अधिक है। घटना में करीब 20 से अधिक लोगों के मौत की सूचना मिल रही है। बस में कुल 40 यात्री सवार थे। पुलिस, प्रशासन ने रेस्क्यू का काम तेज कर दिया है। रामनगर और अल्मोड़ा से एंबुलेंस मौके पर रवाना हो गई है। रामनगर और सुशीला तिवारी अस्पताल में घायलों के उपचार के लिए तैयारी की जा रही है। सोमवार की सुबह रामनगर से एक बस रानीखेत की ओर को जा रही थी। मारचुला के पास पहुंचने पर बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे ने बताया एंबुलेंस भेज दी गयी है। एसडीएम व पुलिस के जवान मौके पर पहुंच गए हैं। राहत बचाव का तेजी से किया जा रहा है।

राष्ट्रपति और केंद्रीय गृह मंत्री ने अल्मोड़ा बस हादसे पर जताया दुख

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए बस हादसे पर दुख जताया है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया एक्स पर अपना शोक संदेश साझा करते हुए कहा, "अल्मोड़ा, उत्तराखंड में एक सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों की मृत्यु का समाचार हृदय विदारक है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं तथा घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अल्मोड़ा बस हादसे पर दुख जताते हुए एक्स पर पोस्ट किया, "उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुई बस दुर्घटना अत्यंत दुःखद है। इस हादसे में अपना जीवन गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन द्वारा घायलों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

संक्षिप्त समाचार

अब्दुल रहीम राथर जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के वरिष्ठ नेता और चरार-ए-शरीफ से सात बार के विधायक अब्दुल रहीम राथर को सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की विधानसभा का पहला अध्यक्ष चुन लिया गया है। राथर (80) को ध्वनिमत से अध्यक्ष चुना गया, जिसका कारण विपक्षी दलों द्वारा इस पद के लिए चुनाव न लड़ने का फैसला करना था। चुनाव की प्रक्रिया का संचालन प्रोटेम स्पीकर मुबारक गुल ने किया। कृषि मंत्री जावेद अहमद डार ने विधानसभा के पांच दिवसीय सत्र के पहले दिन राथर को अध्यक्ष पद के लिए नामित करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसका समर्थन नेकां के विधायक रामबन अर्जुन सिंह राजू ने किया। इसके बाद सदन के नेता उमर अब्दुल्ला और विपक्ष के नेता सुनील शर्मा (भाजपा) ने राथर को अध्यक्ष की कुर्सी तक लेकर गए। अब्दुल रहीम राथर इससे पहले पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में अध्यक्ष का पद संभाल चुके हैं। उन्होंने 2002 से 2008 तक विपक्ष के नेता के रूप में भी कार्य किया, जब पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी)-कांग्रेस गठबंधन की सरकार थी।

केरल, पंजाब और उप्र में उपचुनाव की तारीख बदली, अब 13 की बजाय 20 नवंबर को होगा मतदान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने तीन राज्यों की 14 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से जुड़ी मतदान तारीखों में बदलाव किया है। अब इन सीटों पर 13 नवंबर की बजाय 20 नवंबर को मतदान होगा। जिन सीटों पर उपचुनाव की तारीख बदली गई हैं, वे इस प्रकार हैं – केरल की पलक्कड़। पंजाब की डेरा बाबा नानक, छब्बेवाल (एससी), गिद्दड़बाहा, बरनाला। उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर (एससी), करहल, शीशामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझवां। चुनाव आयोग ने बताया कि उसे विभिन्न मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों (जिनमें भाजपा, कांग्रेस, बसपा, रालोद शामिल हैं) और कुछ सामाजिक संगठनों से 13 नवंबर को उपचुनाव वाले कुछ विधानसभा क्षेत्रों में मतदान की तारीख बदलने के लिए अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। उस दिन बड़े पैमाने पर सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम होंगे। इससे बड़ी संख्या में लोगों को असुविधा हो सकती है, विभिन्न व्यवस्था संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं और मतदान के दौरान मतदाताओं की भागीदारी कम हो सकती है। आयोग ने इन कारकों और अभ्यावेदनों पर विचार करने के बाद 14 सीटों पर मतदान की तिथि 13 नवंबर (बुधवार) से बदलकर 20 नवंबर करने का निर्णय लिया है।

कनाडा में खालिस्तानियों ने हिंदुओं पर किया लाठी डंडों से हमला

एजेंसी। ओटावा

खालिस्तानियों के चक्कर में कनाडा और भारत के बीच चल रही तनतनी के साथ अब हिंदुओं पर हमले होना शुरु हो गए हैं। ब्रैम्पटन शहर में एक हिंदू मंदिर को कथित तौर पर खालिस्तानियों ने निशाना बनाया है। रविवार को ये घटना हुई है, जब एक समूह ने यहां पूजा पाठ के लिए आए लोगों पर हमला किया। इस घटना की जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, उसमें हिंदू सभा मंदिर के बाहर कुछ लोगों को लाठी-डंडों से हमला करते हुए देखा जा सकता है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, विपक्षी नेता पोइलिवरे और सांसद चंद्र आर्य ने इस घटना की निंदा की है। कनाडा के सीएम जस्टिन ट्रूडो ने एक्स पर लिखा, ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसा की घटनाएं अस्वीकार्य हैं। प्रत्येक कनाडाई को अपने विश्वास का स्वतंत्र रूप से और सुरक्षित रूप से पालन करने का अधिकार है। समुदाय की सुरक्षा और इस घटना की जांच के लिए त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए पील क्षेत्रीय पुलिस को धन्यवाद। भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हिंसा की वीडियो शेयर करते हुए कहा, कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों ने रेड लाइन को पार किया है। ये हमला दिखाती है कि कनाडा में खालिस्तानी हिंसक उग्रवाद कितना गहरा और निर्लज्ज हो गया है। मुझे लगने लगा है कि इसमें सच्चाई है कि कनाडा के राजनीतिक तंत्र के अलावा, खालिस्तानियों ने हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों में भी प्रभावी ढंग से घुसपैठ कर ली है।सांसद चंद्र आर्य ने आगे कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम तहत खालिस्तानी चरमपंथियों को कनाडा में खुली छूट मिल रही है। मैं लंबे समय से कहता रहा हूं कि हिन्दू समुदाय की सुरक्षा के लिए हिंदू-कनाडाई लोगों को आगे आकर अपने अधिकारों का दावा करना होगा और राजनेताओं को जवाबदेह बनाना होगा। कनाडा में विपक्ष के नेता पियरे पोलीवरे ने हिंदू सभा मंदिर पर हमले की निंदा करते हुए कहा कि सभी कनाडाई लोगों को शांति से अपने धर्म का पालन करने का पूरा अधिकार है।

ब्रैम्पटन में मंदिर पर हमले की भारत ने की निंदा, कनाडा सरकार से पूजा स्थलों की सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली। भारत ने ओंटारियो (कनाडा) के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में रविवार को खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा की और उम्मीद जताई है कि हिंसा करने वालों पर कार्रवाई होगी। भारत ने कनाडा में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है और कनाडा सरकार से सभी के पूजा स्थलों के हमलों से बचाने का आह्वान किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मीडिया के प्रश्नों पर कहा कि हम कल ओंटारियो के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करते हैं। हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में शामिल लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। हम कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं। भारतीयों और कनाडाई नागरिकों को समान रूप से सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारे कांसुलर अधिकारियों की पहुंच को धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से रोका नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के साथ मिलकर आयोजित वाणिज्य दूतावास शिविर के बाहर भारत विरोधी तत्वों ने रविवार (3 नवंबर) को हिंसक व्यवधान पैदा किया था। 2-3 नवंबर को वैंकूवर और सरे में आयोजित इसी तरह के शिविरों को भी बाधित करने का भी प्रयास किया गया था।

झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठः सुप्रीम कोर्ट में नई बहस की शुरुआत

बोकारो : झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ की जांच को लेकर हाल ही में दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की झारखंड सरकार की याचिका पर सुनवाई की गई। इस मामले की सुनवाई सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस ए अमानुल्ला की पीठ द्वारा की गई। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 8 नवंबर की तिथि निर्धारित की है।

इस याचिका में झारखंड सरकार ने हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें अदालत ने बांग्लादेशी घुसपैठ की जांच के लिए केंद्र और राज्य सरकार से फैक्ट फाइंडिंग कमिटी गठित करने का निर्देश दिया था। इस कमिटी के लिए दो अधिकारियों का नाम 30 सितंबर से पूर्व अदालत को बताने का भी निर्देश दिया गया था।

समस्या की गंभीरता- झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ एक गंभीर और संवेदनशील मुद्दा बनता जा रहा है। यह न केवल राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि यह स्थानीय समुदायों के सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने को भी प्रभावित करता है। सरकार की प्राथमिकता इस मुद्दे पर सही और प्रभावी कार्रवाई करने की होनी चाहिए।

इससे पहले, राज्य में राजनीतिक दलों के बीच यह मुद्दा हमेशा से विवाद का विषय रहा है। सरकार के खिलाफ घुसपैठियों को लेकर जो आरोप लगते हैं, उनका असर स्थानीय निवासियों के मन में असुरक्षा और तनाव का कारण बनता है।

कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता-सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि इससे न केवल घुसपैठ की समस्या की गंभीरता को उजागर किया जा सकेगा, बल्कि यह भी स्पष्ट होगा कि राज्य सरकार इस मुद्दे को लेकर कितनी गंभीर है। यदि यह मामला सही दिशा में बढ़ता है, तो यह एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनेगा कि कैसे कानूनी तंत्र का उपयोग कर स्थानीय मुद्दों का समाधान किया जा सकता है।

हालांकि, यह भी आवश्यक है कि राज्य सरकार इस समस्या के प्रति अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करे। क्या वह बांग्लादेशी घुसपैठ को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने के लिए तैयार है, या वह केवल कानूनी कार्रवाई में उलझकर रह जाएगी?

स्थानीय राजनीति का असर- झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा केवल कानूनी और सुरक्षा के दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि राजनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। आगामी विधानसभा चुनावों में यह मुद्दा प्रमुखता से उभर सकता है। राजनीतिक दलों को इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने से बचना चाहिए और एक ठोस समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

अंततः, यह महत्वपूर्ण है कि झारखंड सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले और इसे एक सशक्त नीति के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करे। यदि ऐसा नहीं होता है, तो इससे न केवल सुरक्षा के मामले में खामिया रह सकती हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों के बीच असुरक्षा और तनाव भी बढ़ सकता है।

झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या केवल एक कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों का भी समावेश करती है। सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान, यह आवश्यक है कि सरकार गंभीरता से इस मुद्दे को ले और प्रभावी कदम उठाए।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का इंतजार है, जो न केवल राज्य की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति को प्रभावित करेगा, बल्कि यह देखना भी दिलचस्प होगा कि क्या झारखंड सरकार इस दिशा में सार्थक कदम उठाने के लिए तैयार है या नहीं।

देश की आर्थिक स्थिति बहुत खराब, पीएम मोदी जनता को बरगला रहेः खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर हमला बोला उन्होंने कहा कि इस सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को हर स्तर पर गिरा दिया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी आंकड़ों में फर्जीवाड़ा कर देश की जनता को बरगला रहे हैं, जबकि वास्तविकता में आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है। खड़गे ने आगे कहा कि नरेंद्र मोदी जी, नकली आख्यान वास्तविक कल्याण का विकल्प नहीं हो सकते हैं। आम लोगों का पैसा लूटकर आपने जो आर्थिक उथल-पुथल पैदा की है, उससे त्यौहारी खुशियां भी कम हुई हैं। उच्च मुद्रास्फीति से असमानता बढ़ी है, निवेश में कमी आई है और अर्थव्यवस्था स्थिरता के संकट से जूझ रही है। आपकी सरकार ने गरीबों और मध्यम वर्ग पर महंगाई का बोझ डालकर और बिना सोचे-समझे कराधान के जरिए से उनकी बचत को खत्म कर दिया है।

केंद्र के प्रयासों से बड़ी संख्या में महिलाएं विमानन को करियर के रूप में चुन रहीं : द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार के समावेशी प्रयासों से नागरिक उड्डयन क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि अब अधिक से अधिक महिलाएं विमानन को अपने करियर के रूप में चुन रही हैं। राष्ट्रपति मुर्मु आज राष्ट्रपति भवन में भारतीय विमानन क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं के एक समूह के साथ बातचीत कर रही थीं। यह बैठक "द प्रेसिडेंट विद द पीपल" पहल के तहत हुई, जिसका उद्देश्य लोगों के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित करना और उनके योगदान को मान्यता देना है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार के समावेशी प्रयासों से नागरिक उड्डयन क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा मिला है। अब अधिक से अधिक महिलाएं विमानन को अपने करियर के रूप में चुन रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विमानन उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर भी आवश्यक हैं।

स्कूल बंद करने का फैसला, योगी सरकार गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा नहीं देना चाहती : प्रियंका गांधी वाड्रा

लखनऊ। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में 27,764 प्राइमरी और जूनियर स्कूलों के बंद होने की चर्चा पर योगी सरकार पर कड़ा हमला किया है। उन्होंने निर्णय को शिक्षा के क्षेत्र में असमानता बढ़ाने और दलित, पिछड़े, गरीब तथा वंचित तबकों के बच्चों के खिलाफ बताया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा, योगी सरकार ने 27,764 प्राइमरी और जूनियर स्कूलों को बंद करने का फैसला लिया है। यह कदम शिक्षा के साथ-साथ समाज के कमजोर वर्गों के खिलाफ है। यूपीए सरकार ने शिक्षा के अधिकार का कानून लाई थी, जिसके तहत हर एक किलोमीटर की परिधि में एक प्राइमरी स्कूल की व्यवस्था की गई थी, ताकि सभी तबके के बच्चों के लिए शिक्षा सुलभ हो सके।

छठ पर रेलयात्रियों के लिए आज चलाई जा रही हैं 185 विशेष ट्रेन

नई दिल्ली। छठ के अवसर पर रेल से यात्रा करने वालों की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे आज 185 विशेष रेलगाड़ियां चला रही है। यात्रियों की भीड़ के मद्देनजर रेलवे ने महत्वपूर्ण स्टेशनों पर विशेष व्यवस्था की है। भारतीय रेल इस वर्ष लगभग 7,500 विशेष रेलगाड़ियां चला रही है, जबकि पिछले साल 4,500 विशेष गाड़ियां चलाई गई थीं। 3 नवंबर को रेलवे ने 188 से अधिक विशेष गाड़ियां चलाईं। रेल मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 4 नवंबर को चलाई जा रही कुछ महत्वपूर्ण विशेष रेलगाड़ियों में रेलगाड़ी संख्या 04078 आनंद विहार पटना एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 04032 आनंद विहार सहरसा एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 04058 आनंद विहार मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, 02246 निज़ामुद्दीन पटना एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 04526 सरहिन्द सहरसा एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 02270 लखनऊ छपरा एक्सप्रेस, 01009 लोकमान्य तिलक दनापुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 01205 पुणे दानापुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी

संख्या 02832 भुबनेस्वर धनबाद एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 08520 विशाखापट्टनम दानापुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 01481 पुणे दानापुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 01143 लोकमान्य तिलक टर्मिनल दानापुर, रेलगाड़ी संख्या 01025 दादर बॉलिय एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 02398 आनंदविहार गया एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 02394 नई दिल्ली पटना एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03256 आनंद विहार पटना एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03258 आनंद विहार दानापुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05220 आनंद विहार मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05290 पुणे मुज़फ़्फ़रपुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05284 आनंदविहार मुज़फ़्फ़रपुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03131 सियालदह गोरखपुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03414 नई दिल्ली मालदा एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03502 कटिहार आसनसोल एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03504 पटना आसनसोल एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03045 हावड़ा रक्सौल एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03511 आसनसोल पटना एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05186 यसवंतपुर छपरा एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05114 लोकमान्य तिलक टर्मिनल छपरा, रेलगाड़ी संख्या 05194 एम सी तुसार महाजन छपरा एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05194 लोकमान्य तिलक टर्मिनल छपरा, रेलगाड़ी संख्या 05284 आनंदविहार मुज़फ़्फ़रपुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05743 कटिहार छपरा एक्सप्रेस और रेलगाड़ी संख्या 05744 छपरा कटिहार एक्सप्रेस शामिल हैं।

राष्ट्रीय मुख्यधारा की नई परिशिष्ट पत्रिका

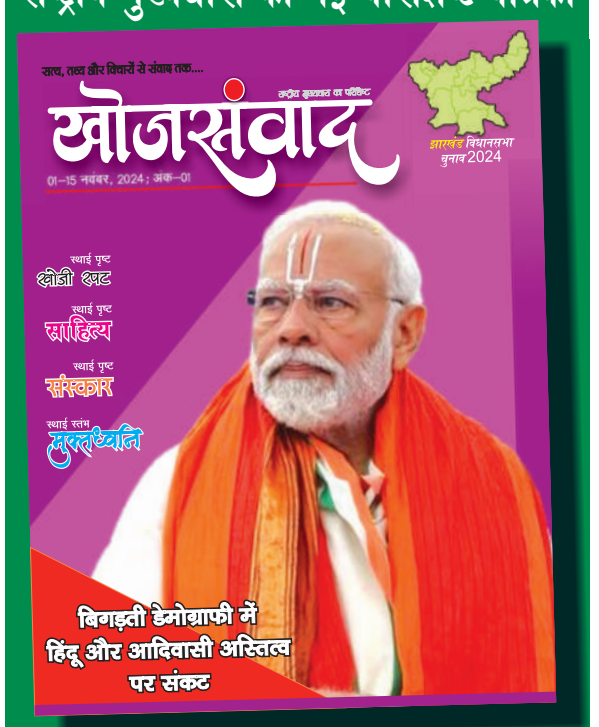

'खोज संवाद' में अपने प्रबुद्ध आलेख, विश्लेषण, विचार, साक्षात्कार प्रकाशित करवाने के लिए हमें 8873319159 पर संपर्क करें – संपादक

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावक मंडल मुर्मू भाजपा में शामिल

रांचीः झारखंड की राजनीति में दल-बदल का सिलसिला जारी है, और इस बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को बड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावक और सिद्धू-कान्हू के छठे पीढ़ी के वंशज मंडल मुर्मू ने भाजपा का दामन थाम लिया है। मंडल मुर्मू का संबंध संथाल हूल के महानायक सिद्धू-कान्हू से है, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया था। साहिबगंज के भोगनाडीह से ताल्लुक रखने वाले मंडल मुर्मू के भाजपा में शामिल होने से भाजपा ने राजनीतिक तौर पर संथाल परगना में अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास किया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मंडल मुर्मू का स्वागत करते हुए कहा कि वे केवल साधारण व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि एक क्रांतिकारी परिवार के वंशज हैं। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री के प्रस्तावक ही भाजपा में शामिल हो रहे हैं, तो झामुमो पर इसका मानसिक दबाव पड़ना तय है। इससे भाजपा एक मजबूत संदेश देने की कोशिश करेगी कि झारखंड का क्रांतिकारी समाज उनके साथ है। हालांकि, झामुमो ने मंडल मुर्मू के भाजपा में शामिल होने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडे ने आरोप लगाया कि भाजपा इलेक्टोरल बांड के माध्यम से लोगों को पार्टी बदलने के लिए धन का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि मंडल मुर्मू का भाजपा में शामिल होना इसी रणनीति का हिस्सा है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि संथाल परगना में मंडल मुर्मू का भाजपा में शामिल होना भाजपा के लिए एक मानसिक बढ़त साबित हो सकता है। हालांकि, मंडल मुर्मू सक्रिय राजनीति में बहुत अधिक सक्रिय नहीं थे, इसलिए यह दल-बदल का फैसला वोट बैंक पर सीधा प्रभाव नहीं डाल सकता है। गौरतलब है कि मंडल मुर्मू ने सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है और वे सिद्धू-कान्हू के वंशज हैं, जिनके परिवार में कुल 87 सदस्य हैं।

बोकारो विधानसभा के सैकड़ों युवा त्रिवेणी महथा के नेतृत्व में कॉंग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल

बोकारो। बोकारो विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों युवा कॉंग्रेस पार्टी और हेमंत सरकार की नीतियों से निराश होकर भाजपा में शामिल हो गए। त्रिवेणी महथा के नेतृत्व में भाजपा का दामन थामने वाले इन युवाओं का स्वागत भाजपा प्रत्याशी और वर्तमान विधायक बिरंची नारायण ने किया। उन्होंने सभी नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए भाजपा परिवार में शामिल होने के प्रतीक पट्टा पहनाया। इस अवसर पर स्थानीय युवाओं ने अपने प्रत्याशी बिरंची नारायण का ढोल-ताशों के साथ स्वागत किया।

बिरंची नारायण ने इस अवसर पर कहा, "यह एकजुटता ही बदलाव का संकेत है। हम सभी मिलकर बोकारो विधानसभा को विकास के नए रास्ते पर लेकर जाएंगे। भाजपा विकास और सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है, और हम इस विश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे कि हमारे साथ जुड़ने वाले सभी लोग हमारी योजनाओं को धरातल पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।"

त्रिवेणी महथा के साथ सैकड़ों युवाओं के भाजपा में शामिल होने से साफ है कि स्थानीय जनता बदलाव की ओर अग्रसर है और भाजपा के नेतृत्व में एक नई शुरुआत करने के लिए उत्सुक है। भाजपा ने बोकारो विधानसभा में विकास की नई दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प लिया है और सभी से सहयोग की अपेक्षा की है। इस कार्यक्रम में संजय त्यागी, विधानसभा संयोजक कमलेश राय, मुकेश राय, विक्की राय, सुनील मोहन ठाकुर, और ब्रज दुबे जैसे भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे।

शामिल होने वाले प्रमुख सदस्यों में त्रिवेणी महथा, मिथुन महथा, शेखर महथा, सदानंद महथा, पंकज महथा, अरविन्द महथा, गौतम महथा, उत्तम महथा, सुबोध महथा, जयदेव महथा, माणिक महथा, रूपनाथ महथा, शुबल महथा, सुशांत चंद्रा, बाणेश्वर सेन, विशाल रजवार, विक्की रजवार, गौरीनाथ रजवार, विश्वनाथ रजवार सहित कई अन्य युवा शामिल हैं।

भाजपा का फोन टैपिंग आरोपः चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

रांचीः भाजपा ने झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पुलिस के उच्च पदाधिकारियों के माध्यम से पार्टी के नेताओं के फोन टैप किए जा रहे हैं। पार्टी के विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग पहुंचा और इस मुद्दे पर ज्ञापन सौंपा।

सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि सरकार के इशारे पर भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों की निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा, "केवल फोन टैपिंग ही नहीं, बल्कि भाजपा नेताओं की रेकी भी की जा रही है। साथ ही, उनके आवास और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की योजना बनाई जा रही है।" श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि इस प्रकार के पुलिस कार्यवाही से यह संकेत मिलता है कि चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं की हत्या कराए जाने की संभावना है।

भाजपा के नेता ने आरोप लगाया कि पार्टी के पास इस बात के ठोस सबूत हैं कि कैसे उनके नेताओं के फोन टैप हो रहे हैं। उन्होंने कहा, "चुनाव के दौरान किसी व्यक्ति का फोन टैप करना आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है और आरपी एक्ट की धारा 123(7) के तहत अपराध भी है।" इसके अलावा, यह भारतीय टेलीग्राफ एक्ट की धारा 5(2) का भी उल्लंघन है।

सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि बिना पुलिस के उच्च अधिकारियों की संलिप्तता के यह फोन टैपिंग संभव नहीं है और इसमें राज्य के आला अधिकारी भी शामिल हैं।

इस मामले में मुख्य चुनाव पदाधिकारी ने जांच के आदेश दिए हैं। भाजपा के प्रतिनिधिमंडल में पुष्कर तिवारी भी शामिल थे, जिन्होंने आरोपों की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे कृत्य चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकते हैं।

भाजपा का यह आरोप राजनीतिक माहौल में ताजगी लाने वाला है, क्योंकि यह झारखंड की चुनावी प्रक्रिया में संभावित दखलंदाजी का संकेत देता है। ऐसे आरोप चुनावी माहौल को गरमाते हैं और राज्य में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को और अधिक बढ़ा सकते हैं। चुनाव आयोग की कार्रवाई और इस मुद्दे की जांच का परिणाम आगामी चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इस प्रकार के आरोप और उनका समय पर समाधान यह तय करेंगे कि झारखंड में चुनावी प्रक्रिया कितनी निष्पक्ष और पारदर्शी रहती है। भाजपा की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट होता है कि पार्टी अपने नेताओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर है और चुनावी आचार संहिता के उल्लंघन के खिलाफ ठोस कदम उठाने के लिए तैयार है।

जनता मन बना चुकी हैः झारखंड में बनेगी भाजपा सरकार

बिरंची नारायण

बोकारोः एनडीए प्रत्याशी और बोकारो के विधायक बिरंची नारायण ने चास नगर निगम के विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क अभियान के तहत डोर-टू-डोर संपर्क कर जनता से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। उन्होंने चेक पोस्ट, मेन रोड, इस्पात कॉलोनी, और कुँवर सिंह कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्रों में जाकर भाजपा के विकास कार्यों को गिनाया। बिरंची नारायण ने कहा कि केंद्र और पूर्व भाजपा सरकार की योजनाओं से हर गांव और मोहल्ले को लाभ हुआ है, और हर घर नल योजना के तहत चास नगर निगम के लोगों को जल उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। उनके अनुसार, झारखंड में भ्रष्टाचार चरम पर है और सरकार की वादाखिलाफी से जनता में निराशा और आक्रोश है। बिरंची नारायण ने कहा कि "दिन प्रतिदिन भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है, और मंत्री से लेकर अधिकारी तक जेल जा चुके हैं। राज्य की खनिज संपदा की लूट में सरकार के परिवार के लोग भी शामिल हैं।"

बोकारो विधानसभा के लोगों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि जनता अब भाजपा की सरकार बनाना चाहती है ताकि राज्य में फिर से जनहित कार्य शुरू हो सके और जरूरतमंदों को उनका हक मिल सके। उन्होंने अपने 10 साल के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह आगे भी इसी प्रतिबद्धता से काम करेंगे। बिरंची नारायण ने जनता से अपील की कि 20 नवंबर को "पहले मतदान, फिर जलपान" के सिद्धांत का पालन करते हुए ईवीएम में क्रमांक संख्या 1 पर कमल का बटन दबाकर भाजपा की सरकार बनाने में योगदान दें और हेमंत सोरेन की वर्तमान सरकार को सत्ता से हटाएं। इस जनसंपर्क अभियान में भाजपा जिला महामंत्री संजय त्यागी, मंडल अध्यक्ष अमर स्वर्णकार, निवर्तमान अध्यक्ष पन्नालाल कान्दु, अर्चना सिंह, मनराज सिंह, संतोष बरनवाल, बुद्धेश्वर घोषाल, सुबोध कुमार, विनोद सिंह, लीला देवी, अरविंद राय, राजेश घोषाल, रणजीत बरनवाल, झन्तु दे, हरेकृष्ण, राज सिंह, उदय सिंह, पप्पू चौरसिया, दिलीप पाल, अजित बाउरी, दीपक चंद्र बाउरी, विमल कुमार, दिनेश महतो, और अन्य प्रमुख कार्यकर्ता भी शामिल थे।

प्रदेश के सभी जिलों में 5 नवंबर को संकल्प पत्र को लेकर BJP करेगी प्रेस कॉन्फ्रेंस

बोकारो : भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के सभी जिलों में संकल्प पत्र को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी. प्रेस कॉन्फ्रेंस में संकल्प पत्र के प्रमुख बिंदुओं को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। 5 नवंबर को आयोजित प्रेस वार्ता में : गिरिडीह में प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, बोकारो के चंदनकियारी में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, जमशेदपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, सरायकेला में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, देवघर में सांसद निशिकांत दुबे, पलामू में सांसद वीडी राम, हजारीबाग में सांसद मनीष जायसवाल, धनबाद में सांसद डॉ प्रदीप वर्मा और अग्निमित्र पाल, गुमला में केदार कश्यप और विमला प्रधान, लोहरदगा में मनीर उरांव, सिमडेगा में विनय लाल और सुदर्शन भगत, खूंटी में नीलकंठ सिंह मुंडा और चंद्रशेखर गुप्ता, लातेहार में प्रतुल शाहदेव, गढ़वा में विकास प्रीतम , रामगढ़ में ओपी चौधरी, चतरा में टोखन साहू, कोडरमा में नीरा यादव, दुमका में सुनील सोरेन, जामताड़ा में वीरेंद्र मंडल और सत्यानंद झा बाटुल, साहिबगंज में अनंत ओझा और गोड्डा में अमित मंडल। शेष जिलों में भी प्रमुख नेताओं के द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस किया जाएगा।

देवोत्थान एकादशी सह स्थापना दिवस 12 को

रांची। बाबा विद्यापति स्मारक समिति की ओर से सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समिति के कार्यालय में देवोत्थान एकादशी सह स्थापना दिवस धूमधाम से 12 नवंबर को मनाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष जयंत झा ने सोमवार को बताया कि देवोत्थान एकादशी सह स्थापना दिवस को धूमधाम से मनाने के लिए तैयारियां जोर जोर से की जा रही है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने तीन नेताओं को पार्टी से छह वर्षों के लिए किया निष्कासित

रांची। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने निर्देशानुसार देवेन्द्र सिंह बिट्टू, मुनेश्वर उरांव, इसराफिल अंसारी को कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्षों के लिए निष्कासित किया है। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने सोमवार को बताया कि विधानसभा चुनाव 2024 में मनिका विधानसभा क्षेत्र से मुनेश्वर उरांव, गोमिया विधानसभा क्षेत्र इसराफिल अंसारी और पांकी विधानसभा क्षेत्र से देवेन्द्र सिंह बिट्टू ने कांग्रेस पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संविधान के अनुशासनात्मक नियम के क्रमांक 04 के कण्डिका क, ख एवं ड का प्रत्यक्ष रूप से उल्लंघन है।

तैयारी चुनाव की - पंद्रह

डॉ प्रशान्त करण

रवि बाबू ने अगले दिन रामलाल से पूछ लिया - राजेंद्र और धर्मेश दोनों निर्दलीय क्यों खड़े हैं ? वे तो सत्तारूढ़ भैया जी के दल के दमदार पदाधिकारी रहे , टिकट के गंभीर दावेदार भी नहीं थे . पार्टी में उनकी पकड़ भी थी . सत्ता की मदद से बहुत ही अच्छा खा - पी रहे थे . अचानक क्या हुआ की एकदम से भैया जी के विरुद्ध निर्दलीय के रूप में चुनाव में खड़े हो गए ? रामलाल ने अगल - बगल देखकर धीरे से कहा - राजनीति आप समझते भी हैं ? रवि बाबू निरुत्तर हो गए .

अकेले में रामलाल ने रवि बाबू को समझाया - राजनीति असल में अर्थशास्त्र माता की कोख से जन्म लेती है . किसी भी संशय में विषयवस्तु की जड़ में जाना चाहिए .आपके मन में आज संशय उत्पन्न हुआ तो आप राजनीति की जड़ में जाइए . जड़ में अर्थशास्त्र है . दोनों निर्दलीय उम्मीदवार की माँग वोट के बदले नोट की भैया जी से थी . दोनों के पास क्रमशः सात और नौ हजार मत हैं . सात वाले सत्तर लाख और नौ वाले नब्बे लाख मांग रहे थे . भैया जी चालीस पर अड़े थे और अपने गुर्गों द्वारा देख लेने की धमकी देने लगे थे . वे नहीं माने तो उनका जोरदार अपमान भी किया . फिर वे निर्दलीय खड़े हुए . बैठने के जुगाड़ में भी चुपचाप लग गए . दोनों बारी - बारी से रघुवंशी जी से अकेले में चुपचाप मिले . दोनों की माँगें बिना कटौती किये मान ली गयी और पीठ ठोका गया कि पट्ठों चुनाव लड़ लो . वोट तो भैया जी का ही कटेगा . फिर क्या ? दोनों डटे हैं और अंदर - अंदर रघुवंशी जी का प्रचार कर रहे थे . करें भी क्यों नहीं ? रघुवंशी जी ने अपने शूटर भी उनपर लगा रखे हैं ताकि धोखा न हो . मामला फिट हो चुका है .क्या समझे ?

रवि बाबू बोले - ओ त्तेरी ! ससुरी राजनीति तो शतरंज को मात दे गयी . चुनाव की तैयारी अब गति पकड़ चुकी है !

संस्थानों में कार्यरत सभी कर्मियों को मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश का प्रावधान : सीईओ

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी औद्योगिक व वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों तथा अन्य सभी संस्थानों के नियोजकों को कहा है कि वे अपने संस्थान में कार्यरत सभी कर्मियों को मतदान के दिन 13 और 20 नवंबर को मतदान करने के लिए सवैतनिक अवकाश दें। उन कर्मियों में दैनिक मजदूर भी शामिल हैं, जो राज्य के पंजीकृत मतदाता हैं। वह सोमवार को श्रम विभाग के पदाधिकारियों के साथ निर्वाचन सदन में बैठक कर रहे थे। कुमार ने कहा है कि श्रम विभाग द्वारा इस बात का वृहत प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही उन्हें मतदान के लिए जागरूक एवं प्रेरित भी करें ताकि ऐसे मतदाताओं का उनके मतदान के अधिकार का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135-ख के प्रावधानानुसार निर्वाचन के दौरान मतदान दिवस को किसी भी करोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम अथवा अन्य किसी संस्थान में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश प्रदान करने का प्रावधान है। इस प्रावधान के अंतर्गत दैनिक श्रमिक भी मतदान दिवस पर मजदूरी सहित अवकाश के हकदार होंगे। इस प्रावधान का उल्लंघन करने वाले नियोजकों के विरुद्ध दण्ड का भी प्रावधान है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने इसके लिए राज्य अंतर्गत समस्त कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम या अन्य किसी संस्थान में कार्यरत कामगारों को मतदान के लिए सुविधा देने की दृष्टि से नियोजकों, प्रबंधकों से आग्रह किया है।

झारखण्ड विधानसभा चुनाव 2024 पर एकांकी -1

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'

पात्रः सीमा (एक सरकारी कर्मचारी, झारखंड की निवासी)

पंखुड़ी (गृहिणी, झारखंड की निवासी)

नीता (एक सामाजिक कार्यकर्ता, झारखंड की निवासी)

(स्थानः सिटी पार्क में, तीनों बेंच पर बैठी हैं और बातचीत कर रही हैं)

सीमाः (चिंतित स्वर में) अरे, पंखुड़ी और नीता, नमस्ते! क्या तुम लोगों ने हाल ही में सोरेन सरकार की नई माइयाँ योजना के बारे में सुना?

पंखुड़ीः (हंसते हुए) नमस्ते सीमा! हां, सुना तो है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक छलावा है। पिछले सभी योजनाओं में भी सरकार ने ढिलाई दी है। चुनाव के बाद तो यह योजना बंद भी हो सकती है।

नीताः (सहमति में) सही कहा, पंखुड़ी! यह तो सिर्फ एक राजनीतिक दांव है। जब से सोरेन सरकार आई है, झारखंड में आदिवासियों के प्रति अत्याचार बढ़ गए हैं। सरकार कुछ नहीं कर रही है!

सीमाः (गंभीरता से) और सोचो, बांग्लादेशी घुसपैठियों के संरक्षण की बात भी है। यह राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा है। यह सब वोट बैंक के लिए नाजायज तरीके से किया जा रहा है, और सोरेन सरकार इसे समझ नहीं रही है।

पंखुड़ीः (निराश होकर) बिल्कुल! इस प्रकार की नीतियों से राज्य का हर प्रकार का संतुलन बिगड़ जाएगा। और ये लोग सत्ता में रहकर हमारे अधिकारों से भी खिलवाड़ कर रहे हैं।

नीताः (गंभीरता से) और देखो, राज्य में बढ़ते बलात्कार और भ्रष्टाचार की घटनाएं भी तो हैं। लोग तो अब सड़कों पर निकलने से डरते हैं। क्या यह सही है कि हमारे प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं?

सीमाः (सहमति में सिर हिलाते हुए) बिल्कुल! यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन मुद्दों को उठाएं और अपने गांव और मोहल्ले में लोगों को जागरूक करें।

पंखुड़ीः (उत्साहित होकर) हां, इस बार हमें सिर्फ एक पार्टी के नाम पर वोट नहीं देना चाहिए। हमें उनके कामों को देखना चाहिए। अगर हम सोरेन सरकार को इसी तरह से चलते रहने देंगे, तो हमारा भविष्य क्या होगा?

नीताः (गंभीरता से) और इस बार हम अपने अधिकारों के लिए खड़े होंगे। हमें सरकार से सवाल पूछने होंगे। क्या सरकार हमारे साथ है, या केवल अपने स्वार्थों के लिए काम कर रही है?

सीमाः (निर्धारित स्वर में) सही कहा, नीता! हमें इस बार अपने वोट का सही इस्तेमाल करना होगा। हमें सही नेताओं को चुनना चाहिए जो हमारी भलाई के लिए काम करें।

पंखुड़ीः (जोश में) चलो, हम इस बार मिलकर लोगों को जागरूक करेंगे, उन्हें सही मुद्दों पर सोचने के लिए प्रेरित करेंगे। हमें अपने हक के लिए लड़ना होगा!

नीताः (हंसते हुए) यही तो असली लोकतंत्र है! चलो, मिलकर एक मजबूत आवाज बनते हैं और झारखंड के बेहतर भविष्य के लिए सही चुनाव करें।

(तीनों मुस्कुराते हैं और एक-दूसरे से विदा लेते हैं)

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

बेरमो बीडीओ ने छठ घाटों का निरीक्षण कर जताया संतोष

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित कोनार नदी के दोनों छठ घाटों का सोमवार की शाम को बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार ने निरीक्षण किया। बेरमो बीडीओ के साथ गोविंदपुर सी पंचायत के मुखिया विकास सिंह, पंचायत सेवक मिथिलेश पांडेय भी थे। बेरमो बीडीओ ने रेलवे गेट स्थित छठ पूजा कमेटी के सदस्यों एवं मुखिया के द्वारा कोनार नदी छठ घाट पर की जा रही साफ-सफाई, वाहनों के लिए पार्किंग, व्रतियों के कपड़े आदि बदलने के लिए टेंट, पुलिस एवं मेडिकल सहायता आदि केंद्र को देखा तथा की गई तैयारियों पर संतोष प्रकट किया। बेरमो बीडीओ ने पूछे जाने पर कहा कि बोकारो थर्मल के छठ घाट पर काफी अच्छी व्यवस्था कमेटी, डीवीसी प्रबंधन एवं भरत जी पटेल कंपनी के द्वारा की जा रही है। कहा कि छठ के दिन दोनों ही समय घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम डीवीसी प्रबंधन को करने होंगे, जिसमें लाइट, गोताखोर, मेडिकल चिकित्सा एवं दमकल वाहन शामिल होंगे। मौके पर राजेश सिंह, नंद किशोर सिंह, संतोष सिंह, सुनील पांडेय, राजू शर्मा, गिरिडीह के सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव सहित कई लोग थे।

इंडिया गठबंधन प्रत्याशी योगेंद्र प्रसाद ने किया चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया : इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी योगेंद्र प्रसाद ने सोमवार को जनसंपर्क किया। इस दौरान स्वांग उत्तरी पंचायत में झामुमो नेता मुमताज आलम के नेतृत्व में ग्रामीणों ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि इस बार झारखंड में पुनः इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार द्वारा राज्य के लोगों के हित में काफी कार्य किया गया है और माताओं एवं बहनों को सम्मान दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मईया सम्मान योजना के तहत प्रत्येक बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए उनके अकाउंट में भेजा जा रहा है और दिसंबर माह से बहनों के खाते में पच्चीस सौ रुपए भेजा जाएगा। इसी प्रकार राज्य में गरीबों के लिए दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है। इसके बाद उन्होंने स्वांग मार्केट में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन भी किया। मौके पर मुखिया धनंजय सिंह, झामुमो प्रखंड सचिव सह- मुखिया बंटी उरांव, प्रखंड उपाध्यक्ष अमित पासवान, मो सफदर, ललन केवट, कृष्ण दयाल सिंह, विशाल कुमार, कोपेश्वर यादव, मंजूर इलाही सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जेएलकेएम प्रत्याशी पूजा महतो ने किया कसमार प्रखंड का दौरा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) की गोमिया विधानसभा प्रत्याशी पूजा महतो ने सोमवार को कसमार प्रखंड के बगदा, खैराचातर, सिंहपुर, हिसीम व मुरहुलसूदी पंचायत के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कैंची छाप पर वोट देकर भारी मतों से विजय बनाने की अपील की। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जयराम महतो ही झारखंड की दशा दिशा बदल सकते हैं। इसलिए उनके हाथों को मजबूत करें। कहा कि अभी तक सभी दलों के नेताओं ने झारखंड को लूटने का का काम किया है। यही कारण है कि राज्य बनने के 24 साल बाद भी झारखंड का आपेक्षिक विकास नहीं हो पाया है। अगर जेएलकेएम मजबूती के साथ उभरा तो झारखंडियों के सारे अरमान पूरे होंगे। दौरा में जिलाध्यक्ष सह दुर्गापुर मुखिया अमरेश महतो, प्रखंड अध्यक्ष प्रशांत महतो, भुवनेश्वर महतो, सावन हांसदा, सुकदेव महतो, राजेश मुंडा, अयूब अंसारी, यूनुस अंसारी, ताराचंद महतो आदि शामिल थे।

आदिवासी विरोधी है झारखंड की हेमंत सरकार : अमर बाउरी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः चंदनकियारी : झारखंड विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता और चंदनकियारी से भारतीय जनता पार्टी (एनडीए) के उम्मीदवार अमर कुमार बाउरी ने सोमवार को चंदनकियारी के फुसरो (लंका) सहित कुर्रा मंडल क्षेत्र के पुंडरू, पुरनाडीह सहित कई अन्य गांवों में जनसंपर्क अभियान के तहत लोगों से भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने झारखंड में झामुमो-कांग्रेस व राजद गठजोड़ की वर्तमान हेमंत सोरेन को आदिवासियों का विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि यहां झूठ और लूट के सहारे चलने वाली सरकार है। यह चुनाव उसे उखाड़ कर सत्ता से बाहर करने के लिए है। श्री बाउरी ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने झारखंड की खनिज सम्पदा को जमकर लूटा है और सरकार के नुमाइंदों ने अपनी तिजोरी भरी है। यहां आदिवासियों का अस्तित्व खतरे में है। लेकिन, तुष्टीकरण और वोटबैंक की राजनीति करने वाली राज्य की हेमंत सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है। इस जन-विरोधी सरकार का जाना तय है। भाजपा की सरकार बनी तो कानून बनाकर घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव झारखंड को लुटेरों से बचाने और राज्य की तकदीर व तस्वीर बदलने का चुनाव है। जनसंपर्क अभियान के तहत उनके साथ भाजपा के कई प्रमुख नेता व कार्यकर्ता शामिल थे।

कायस्थ महापरिवार बोकारो जिला के क्षेत्रीय समिति का सामूहिक प्रतिमा विसर्जन संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः कायस्थ महापरिवार बोकारो जिला की क्षेत्रीय समिति के तत्वावधान में विभिन्न समितियों, जैसे श्री चित्रगुप्त सेवा समिति (सेक्टर 2), श्री चित्रगुप्त समिति (सेक्टर 12), श्री चित्रगुप्त महापरिवार कल्याण समिति (सेक्टर 8, 9, 11), श्री चित्रगुप्त परिवार (सेक्टर 4G, 5, 6) और श्री श्री चित्रगुप्त महापरिवार कल्याण समिति (चास) द्वारा पूजित चित्रगुप्त महाराज की प्रतिमाओं का सामूहिक विसर्जन संपन्न हुआ।

सभी प्रतिमाओं को ADM बिल्डिंग के पास डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा के निकट एकत्रित किया गया, जहां पहले सभी ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद कायस्थ महापरिवार बोकारो जिला के अध्यक्ष श्री गोरख प्रसाद सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को सामूहिक विसर्जन के लिए रवाना किया।

विसर्जन यात्रा बैंड-बाजों और चित्रगुप्त महाराज के जयकारों के साथ पूरे उत्साह से संपन्न हुई, जिसमें शोभायात्रा का मार्ग सेक्टर 1 के राम मंदिर, कैंप 1, गरगा पुल, धर्मशाला मोड़, महावीर चौक और जोधाजी मोड़ से होकर सोलागीडीह तालाब तक पहुँचा, जहां प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। पिछले 35 वर्षों से बोकारो में यह सामूहिक विसर्जन की परंपरा रही है। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं, जो इसकी विशेषता रही।

कार्यक्रम में कायस्थ महापरिवार के प्रमुख पदाधिकारी, जिनमें वी.वी.एल. श्रीवास्तव, अशोक कुमार सिन्हा, मुरारी प्रसाद, अनिल श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार सिन्हा, जय शंकर प्रसाद, शशि भूषण प्रसाद, मृत्युंजय कुमार सिन्हा, नवीन कुमार सिन्हा, अरविंद सिन्हा, मिथलेश अंबष्ठा, दीना नाथ शरण, संजय कुमार, कपूर रंजन, विश्वजीत आनंद, दिवाकर शरण, अगम प्रसाद, शम्भू शरण श्रीवास्तव, एस.जी. के. सिन्हा, पंकज कुमार, आर.के. श्रीवास्तव, राहुल सिन्हा, संचित अनल कुमार, मनीष सिन्हा, सुरेश सिन्हा और कुमार वैभव आदि उपस्थित रहे।

विसर्जन के उपरांत श्री श्री चित्रगुप्त कल्याण समिति, चास द्वारा भोजन का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण किया।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह के समापन पर पुरस्कार वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : डीवीसी मुख्यालय कोलकाता के निर्देश पर बोकारो थर्मल में प्रबंधन द्वारा आयोजित सतर्कता जागरुकता सप्ताह का समापन सह- पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम सोमवार को पावर प्लांट स्थित तकनीकी भवन के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। सतर्कता जागरुकता सप्ताह के तहत पूरे सप्ताह विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था, जिसमें डीवीसी के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समापन समारोह सह- पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डीवीसी के एचओपी आनंद मोहन प्रसाद मौजूद थे। समारोह में एफजीडी के वरिष्ठ जीएम एसएन प्रसाद, जीएम ओएंडएम सुदीप्तो भट्टाचार्य तथा डीजीएम सौविक धारा, अजय केस, राजीव सील, सौमेन मंडल, अखिलेश सिंह, एसपी महापात्रा, बीजी होलकर एवं डीजीएम हेल्थ डॉ. संगीता रानी भी मौजूद थे। सभी वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा बारी-बारी से सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण सतर्कता के प्रबंधक मो तारिक सईद ने किया। जबकि, कार्यक्रम का संचालन दीनानाथ शर्मा व धन्यवाद ज्ञापन डीजीएम बीजी होलकर ने किया।

ऊपरघाट में आजसू की बैठक में यशोदा देवी को जीत दिलाने को लेकर बनी रणनीति

राष्ट्रीय मुख्यधाराः

बोकारो थर्मल : डुमरी विधानसभा अंतर्गत नावाडीह प्रखंड की ऊपरघाट स्थित नौ पंचायतों में सोमवार को आजसू पार्टी के सभी पंचायत अध्यक्ष, पंचायत प्रभारी एवं ग्राम प्रभारियों की बैठक गोनियाटो फुटबॉल मैदान में की गई। बैठक में डुमरी से एनडीए उम्मीदवार यशोदा देवी की जीत को सुनिश्चित करने हेतु रणनीति तैयार की गई। बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के बोकारो जिलाध्यक्ष सचिन कुमार महतो एवं युवा आजसू राज्य संयोजक टिकैत कुमार महतो शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मिश्रीलाल महतो ने की तथा संचालन प्रखंड कार्यकारिणी अध्यक्ष रामकुमार मरांडी ने किया। बैठक में जिलाध्यक्ष ने कहा कि राज्य में एनडीए की सरकार बनेगी और जनता खुलकर एनडीए को समर्थन करे। टिकैत महतो ने कहा कि यशोदा देवी संघर्षशील महिला हैं और वे चुनाव में डुमरी की विधायक बनकर जनता एवं क्षेत्र का चौतरफा विकास कार्यों को करने का काम करेंगी। मौके पर सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवाल, सीताराम महतो, नागेश्वर सिंह, जगरनाथ महतो, सीताराम सोरेन, जलेश्वर महतो, बासुदेव महतो, दिनेश मरांडी, महिला प्रखंड अध्यक्ष साजिया अंजुम, उर्मिला कुमारी, जितेंद्र महतो, चिंतामन महतो, गणपत महतो, विश्वनाथ महतो, विनोद महतो, सुनील मरांडी, राजेश मुर्मू, वीरेंद्र महतो, संतोष उजागर, दयाल महतो, विनोद मुर्मू, शैलेश कुमार, मुकेश नायक, दिनेश नायक, ऋतिक नायक, रामू तुरी, महेंद्र महतो, संतोष महतो, विजय महतो, परमेश्वर महतो, मीना देवी, अनीता, गुड़िया देवी आदि लोग थे।

मतदान दिवस पर कामगारों को मिलेगा सवैतनिक अवकाश : डीडीसी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह- उपायुक्त के निर्देशानुसार सोमवार को उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद ने जिले के निजी एवं सार्वजनिक उपक्रमों/कंपनियों के प्रबंधकों/प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में उप विकास आयुक्त ने सभी उपक्रमों/कंपनियों के प्रतिनिधियों को बताया कि कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखंड द्वारा जारी अधिसूचना के आलोक में विधानसभा आम चुनाव 2024 में मतदान की तिथि को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1961 की धारा-135 ख के तहत किसी कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य स्थापन में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को, जो लोकसभा या किसी राज्य की विधानसभा के लिए निर्वाचन में मतदान करने का हकदार हैं, मतदान के दिन अवकाश मंजूर किया जाएगा। उप विकास आयुक्त ने कहा कि उपधारा (1) के अनुसार अवकाश मंजूर किये जाने के कारण किसी व्यक्ति की मजदूरी से कोई कटौती या उसमें कोई कमी नहीं की जाएगी। यदि कोई नियोजक उपधारा (1) और उपधारा (2) के उपबंधों का उल्लंघन करेगा, वो ऐसा नियोजक दंडित होगा। उक्त प्रावधानों के अनुसार सभी निर्वाचक, जो प्रतिष्ठानों और दुकानों के कर्मचारी हैं, जिनमें शिफ्ट के आधार पर काम करने वाले लोग भी शामिल हैं, उन्हें उस निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के दिन सवेतन अवकाश दिया जाएगा। दैनिक वेतनभोगी/अनौपचारिक कर्मचारी भी मतदान के दिन अवकाश और वेतन के हकदार होंगे। उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी निजी औद्योगिक संस्थानों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के मतदाताओं को मतदान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से अवगत करा दिया गया है। राज्य में 13 एवं 20 नवंबर को मतदान दिवस है। सभी इसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। बैठक में बोकारो स्टील लिमिटेड, सीसीएल, आईओसीएल, बीपीसीएल, सीटीपीएस, ओएनजीसी, डीवीसी आदि कंपनियों के प्रतिनिधि, जिला उद्योग केंद्र के प्रबंधक व मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

सेल ने अकादमिक सहयोग के लिए एएससीआई से किया समझौता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई), हैदराबाद के बीच सोमवार को को कंपनी के नई दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट ऑफिस में अकादमिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। यह समझौता ज्ञापन सेल के नव-पदोन्नत अधिकारियों सहित दूसरे कार्मिकों के लिए अनुकूलित प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के संचालन की सुविधा प्रदान करेगा। इस तरह के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ साझेदारी सेल की समग्र शिक्षा और विकास रणनीति का हिस्सा है, जिससे कंपनी के अधिकारियों को और अधिक अकादमिक अनुभव मिल सकेगा और उन्हें नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार किया जा सकेगा। इस समझौता ज्ञापन पर सेल के निदेशक (कार्मिक) के के सिंह और एएससीआई, हैदराबाद के निदेशक डॉ. निर्मल्या बागची की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

डीवीसी पेंशनर समाज के पूर्व अध्यक्ष के निधन पर शोकसभा आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पेंशनर समाज के पूर्व अध्यक्ष तथा क्षेत्र के प्रसिद्ध एमडी डॉ. हेमंत कुमार के आकस्मिक निधन पर सोमवार को पेंशनर समाज के कार्यालय में एक शोकसभा का आयोजन किया गया। शोकसभा की अध्यक्षता आरएस पांडेय ने की। शोकसभा में डीवीसी के पेंशनरों ने कहा कि डॉ. कुमार का निधन पेंशनर समाज, डीवीसी और बोकारो थर्मल एवं इसके आसपास के क्षेत्रों के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। कहा कि उनका मार्गदर्शन पेंशनर समाज को हमेशा मिलता रहता था। शोकसभा में डीवीसी के सभी पेंशनरों ने दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर रमाकांत सिंह, महेंद्र सिंह, आनंद प्रकाश मेहता, शैलेंद्र सिंह, सुरेश प्रसाद, बीबी पांडेय, सुभाष चैधरी सहित कई पेंशनर मौजूद थे।

एनडीए प्रत्याशी डॉ लंबोदर महतो ने किया कसमार प्रखंड के कई गांवों का दौरा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार के मुरहुलसुदी में दौरा में शामिल कार्यकर्ता

बोकारो : गोमिया विधानसभा के निवर्तमान विधायक सह एनडीए प्रत्याशी डॉ लंबोदर महतो ने सोमवार को कसमार प्रखंड की हिसीम, मुरहुलसूदी, सिंहपुर, खैराचातर आदि पंचायतों का दौरा किया। इस दौरान डॉ लंबोदर ने उक्त पंचायतों के अंतर्गत लगभग सभी गांवों का भ्रमण कर मतदाताओं से केला छाप पर वोट देकर एक बार फिर उन्हें मौका देने की अपील की। जगह-जगह पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए डॉक्टर लंबोदर ने कहा कि पिछले 40 वर्षों से गोमिया का विकास ठहरा हुआ था, लेकिन जनता के आशीर्वाद से वे विधायक बनकर रातदिन न केवल जनता की सेवा की, वल्कि विकास योजनाओं को सरजमीं पर उतारने का एक रिकॉर्ड कायम कर दिखाया है। कहा कि जनता उन्हें एक बार फिर अवश्य मौका दें, ताकि क्षेत्र के विकास के अधूरे कार्यों को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनआकांक्षाओं के अनुरुप कार्य करना हमेशा प्राथमिकता रही है। विपक्ष में रहकर भी जितने कार्य हुए, उतने इससे पहले किसी के कार्यकाल में नहीं हुए हैं। मौके पर जिप सदस्य अमरदीप महाराज, अशोक कुमार सिंह, रामसेवक जायसवाल, महेंद्रनाथ महतो, उमेश कुमार जायसवाल, बबीता देवी, जगेश्वर मुर्मू, डॉ जीतलाल महतो, राजीव रंजन महतो, घनश्याम महतो, मनोज महतो, करण कर्मकार, जीतेश भट्टाचार्य, गुड्डू महतो, चंद्रमोहन सोरेन, चंद्रदेव चौधरी, धनलाल कपरदार, राजू महतो, मदन प्रजापति, सूरज टुडु, सोमर महतो, वरुण महतो, रूपेश महतो, दशरथ महतो, गोविंद करमाली समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

करंट लगने से बच्ची हुई घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा: साहिबगंज: राजमहल प्रखंड क्षेत्र के मनसिंघा गांव में एक बच्ची को करंट लगने से घायल हो गई। बच्ची सुल्तान खातून उसे समय घर में कोई काम कर रही थी। तभी किसी बिजली के तार के संपर्क में आ जाने के कारण बुरी तरह से घायल हो गई। जिससे परिजन ऑन ने आनंद आनंद में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा इलाज किया गया।

अनियंत्रित टोटो के पलटने से घायल हुए दंपत्ति

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजमहल/साहिबगंज: सूर्य देव घाट के पास अनियंत्रित होकर टोटो पलटने से उसमे बैठे पति-पत्नी बुरी तरह से घायल हो गए। बोरियों के रहने वाले रामधन शील उम्र 34 वर्ष और उनकी पत्नी प्रतिमा देवी उम्र 30 वर्ष छठ पूजा को लेकर गंगा स्नान के लिए राजमहल गए हुए थे। गंगा स्नान के बाद वापस लौटने पर उन्होंने टोटो लिया और अपने घर जाने लगे। इस दौरान टूट ओ अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें पति-पत्नी बुरी तरह से घायल हो गए। वहां के स्थानीय लोगों की मदद से उसे अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना में पति रामधन का हाथ टूट गया और पत्नी को गंभीर चोट लगा था इसलिए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

बेड़ो में ऑटो को पीछे से अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर दो घायल, एक रिम्स रेफर

राष्ट्रीय मुख्यधारा: बेड़ो: बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो लोहरदगा मार्ग पर तुको गांव के कब्रिस्तान के समीप सोमवार की शाम लगभग छह बजे अज्ञात वाहन ने एक सवारी ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे ऑटो में सवार एक महिला व एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में बेड़ो कुदारखो गांव निवासी 48 वर्षीय मधु केरकेट्टा पति पास्कल केरकेट्टा व दिघिया मिशन निवासी 48 वर्षीय जानसन मिंज है। जिन्हें भाजपा नेत्री अंजली कच्छप ने ग्रामीणों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया।जहां डा भावना ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल मधु केरकेट्टा को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। ऑटो सवार आशा तिर्की ने बताया कि वे लोग लोहरदगा चट्टी गांव स्थित लूथरन चर्च में शादी में गए थे वापस अपने घर आ रही थी। तभी पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने ऑटो में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो आगे जाकर पलट गई।

बेड़ो में बाइक और स्कूटी की सीधी टक्कर में चार घायल, तीन रिम्स रेफर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बेड़ो: बेड़ो थाना क्षेत्र के लोहरदगा बेड़ो मुख्य मार्ग करांजी देवी मंडप के समीप बाइक और स्कूटी की सीधी टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क दुर्घटना सोमवार 3:30 बजे के आसपास की है। इधर घटना के बाद मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने घायलों को गाड़ी की व्यवस्था कर इलाज के लिए बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां बाइक सवार प्रखंड के दिघिया गांव निवासी लगभग 27 वर्षीय मुकेश ठाकुर पिता राम प्रसाद ठाकुर और स्कूटी में सवार 45 वर्षीय सुखदेव कुजूर उसकी 40 वर्षीय पत्नी चरी कुजूर व 3 वर्षीय नाती विशाल कुजूर के रूप में हुई है। उधर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो में डॉक्टर कुसुमलता सिन्हा ने सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायलों का प्राथमिक उपचार करते हुए गंभीर रूप से घायल बाइक सवार मुकेश ठाकुर समेत स्कूटी सवार सुखदेव कुजूर व पत्नी चरी कुजूर को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। इधर सड़क दुर्घटना के बाद मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार मुकेश ठाकुर बेड़ो की ओर से अपने गांव दिघिया जा रहा थे। वही लोहरदगा की ओर से सुखदेव कुजूर अपनी अपनी पत्नी व नाती के साथ स्कूटी से अपने गांव ईटकी के गढ़गांव चचगुरा जा रहे थे। इसी दौरान करंजी देवी मंडप के समीप बाइक और स्कूटी की सीधी टक्कर हो गई। जिससे वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत के द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) साहेबगंज ने निम्नलिखित निर्देश सुदुरवर्ती क्षेत्रों में जाकर ग्रामीणों, जरूरतमंदो, विकलांग लोगों को विधिक सहायता की जानकारी प्रदान की गई ।

उन्होंने भारतीय संविधान के तहत लोगों के अधिकार के बारे में बताया। कहा कि पीएलवी को लोगों को जागरूक कर उनके अधिकार को दिलाना है। सभी पीएलवी को ईमानदारी से अपने काम को करने को कहा।

उन्होंने कहा कि गरीबों को राशन कार्ड, जॉब कार्ड बनवाने व वृद्धा पेंशन एवं विधवा पेंशन दिलाने में लोगों को मदद करें । उन्होंने डालसा के तत्वाधान में लीगल एड डिफेंस कांउसिल (न्याय रक्षक) के टीम के द्वारा मंडल कारा में बंदियों के अधिकार के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा कि वैसे सजावार बंदियों कों चिन्हित किया जाता है जिनका अपील अभी तक दायर नहीं किया गया है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 479 के परिपेक्ष में मोनिटरिंग कैम्प चलाया गया एवं सम्बन्धित बंदियों को नियमितरूप से विधिक सहायता पहुंचाई जाती है। संबंधित थाना में पीएलभी के माध्यम से विधिक सहायता पहुंचाई जा रही है साथ ही समीपवर्ती लीगल एड क्लीनिक की जानकारी भी दी जा रही है विधिक सहायता के इच्छुक व्यक्ति अपने आवेदन संबंधित लीगल एड क्लिनिक, प्राधिकार के कार्यालय और माननीय नालसा के पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं या । नालसा टोल फ्री नम्बर 15100 पर फोन कर भी विधिक सहायता ली जा सकती है ।

बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार ने छठ घाट का लिया जायजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहेट/साहिबगंजः साहिबगंज के युवा एवं कर्तव्यनिष्ठ थाना प्रभारी पवन कुमार ने छठ की तैयारी को लेकर आज छठ घाटों का निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने तैयारी को लेकर कई दिशा निर्देश दिए। क्षेत्र में विधि व्यवस्था, सामाजिक कार्यक्रम में हिस्सा लेना और चुनाव को लेकर उनकी सक्रियता को लेकर जनता के बीच में खास बने हुए हैं। मालूम हो कि बरहेट विधानसभा झारखंड का सबसे हॉट सीट माना जाता है। यहां की विधि व्यवस्था को बनाए रखना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है।

स्वीप कार्यक्रम के तहत रंगोली, चित्रांकन एवं स्लोगन लेखन का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : विधानसभा चुनाव-2024 के संदर्भ में स्वच्छ गंगा उत्सव का आयोजन स्थानीय ओझा टोली घाट, साहिबगंज में किया गया, जिसमें रंगोली, चित्रांकन और स्लोगन लेखन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन स्वीप कोषांग साहिबगंज द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में जिला के विभिन्न स्कूलों और मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज के युवा कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनके कलात्मक सृजन ने चित्रांकन, रंगोली और स्लोगन लेखन के माध्यम से सभी को आकर्षित किया।

चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक मजीद खलील अहमद डाबू और व्यय प्रेक्षक आनंदी दीक्षित ने सभी बाल एवं युवा कलाकारों की कला की प्रशंसा की। उन्होंने छात्राओं से अपने माता-पिता और परिवार को मतदान के लिए प्रेरित करने का आग्रह भी किया।

सामान्य प्रेक्षक ने गंगा किनारे डॉल्फिन और गंगा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने गंगा घाट को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक, पॉलिथिन, और थर्मोकोल मुक्त रखने के लिए सुझाव दिए और डस्टबिन लगाने तथा गंगा जल को निर्मल बनाने की दिशा में विचार रखे।

कार्यक्रम में सभी को मतदाता शपथ दिलाई गई और स्वच्छ एवं निष्पक्ष नैतिक मतदान के लिए प्रेरित किया गया।

इस आयोजन में मुख्य रूप से जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानंद झा, डॉ. रणजीत कुमार सिंह, अमृत प्रकाश और स्वीप कोषांग के सभी कर्मी उपस्थित थे।

दुग्दा थाना के बूढ़ीडीह में मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव के निर्देशानुसार एवं सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन में विधानसभा चुनाव के आलोक में जिला उत्पाद बल के सहयोग से दुग्दा थाना अंतर्गत बूढ़ीडीह क्षेत्र में छापेमारी के दौरान अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन कर वहां से भारी मात्रा में शराब निर्माण की सामग्री के साथ तैयार शराब बरामद किया गया। मामले में संलिप्त अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया जा रहा है। छापामारी दल में निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल, अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट, सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा महेश दास शामिल थे। मौके से टीम ने कुल 05 लाख 08 हजार 470 रुपये मूल्य के सामान जब्त किए हैं, जिसमें विदेशी शराब- 6 पेटी में 72 पीस कुल 54 लीटर, स्पिरिट पांच जरकिन में 225 लीटर, तैयार विदेशी शराब- 10 जरकिन में 450 लीटर, ब्लैक टाइगर व्हिस्की के लेबल का एक रोल, 111 व्हिस्की के लेबल का एक रोल, नंबर एक व्हिस्की, बी सेवन व्हिस्की, आरसी व्हिस्की एवं आइकोनिग वाइट व्हिस्की के लेबल का बंडल, झारखंड सरकार का नकली ईएएल, विभिन्न ब्रांड के ढक्कन, खाली बोतल एवं पेट बोतल इत्यादि शामिल हैं।

सड़क दुर्घटना में दो घायल, किया गया रेफर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोरियो/साहिबगंजः बोरियो थाना क्षेत्र के बोरियो-बोआरीजोर मुख्य पथ के शामपुर रंगा के समीप सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बोआरीजोर थाना क्षेत्र के जामुझरना निवासी 45 वर्षीय जाकिर अंसारी व 48 वर्षीय टंकेश्वर ठाकुर दोनों बोरियो से अपने घर जामुझरना जा रहे थे। इसी दौरान शामपुर रंगा के समीप बाईक के आगे अचानक ट्रैक्टर रोकने के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया जिससे बाइक चालक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे दोनों व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गए। वही पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही घायल दोनों व्यक्ति को एएसआई विराम मरडी सहित अन्य पुलिस बल की सहायता से बोरियो सीएचसी में भर्ती किया गया जहां सीएचसी में मौजूद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सालखु चंद्र हांसदा के द्वारा प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि टंकेश्वर ठाकुर बीजेपी कार्यकर्ता है और वो बोरियो बीजेपी कार्यालय उद्घाटन में शामिल होने बोरियो आया था। जिसके बाद वापस लौटने के क्रम में उसी गांव के जाकिर अंसारी रास्ते में मिलने उसे बैठा कर घर जा रहे थे तभी रास्ते में दुर्घटना का शिकार हो गया।

बरहरवा थाना पुलिस ने मारपीट के अभियुक्त को जेल भेजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः बरहरवा थाना पुलिस ने एक मारपीट के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसे जेल भेजने में सफलता हासिल की है।

जानकारी के अनुसार, यह मामला एक जमीन विवाद से संबंधित है, जिसमें अभियुक्त ने दो पक्षों के बीच मारपीट की थी। इस मारपीट के दौरान अभियुक्त ने दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायल पक्ष ने मामले को लेकर बरहरवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके बाद बरहरवा थाना ने कांड संख्या 60/24 के तहत मामला दर्ज किया।

रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर बरहरवा पुलिस ने दल बल के साथ सिरसिंन चौक के पास स्थित चाय की दुकान से नामजद अभियुक्त कादिर शेख को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त कादिर शेख को सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं।

आज से चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ आरंभ

व्रत की तिथियां

- **5 नवंबर :** नहाय-खाय
- **6 नवंबर :** खरना
- **7 नवंबर :** अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य
- **8 नवंबर :** उदयीमान सूर्य को अर्घ्य

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बेड़ोः सूर्य उपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ की चार दिवसीय अनुष्ठान की शुरुआत मंगलवार को नहाय-खाय के साथ शुरू होगी।पहले दिन व्रत करने वाले पुरुषों और महिला श्रद्धालुओं ने अंतःकरण की शुद्धि के लिए नदियों तालाबों व विभिन्न जलाशयों में स्नान करते हैं।इसके बाद अपने व्रत अनुष्ठान शुरू करेंगे। सोमवार को श्रद्धालुओं ने नहाय-खाय की तैयारी के लिए महावीर चौक व साप्ताहिक सोमवार पहुंच कर सुप, दौरा, लौकी, चने की दाल, अरवा चावल आदि की खरीदारी की। जहां लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। छठ महापर्व में आस्था के साथ स्वच्छता और शुद्धता का अधिक ख्याल रखा जाता है। व्रती स्नान-ध्यान के बाद चार दिवसीय व्रत का संकल्प लेंगे। इसके बाद चावल, चने की दाल,लौकी (कद्दू)की सब्जी, सेंधा नमक से तैयार कर उसका भोग लगाएंगे और प्रसाद ग्रहण करेंगे। एक समय के भोजन के बाद व्रती अगले दिन खरना के समय तक भूखे रहना होता है। व्रतियों को भूखे रहकर खरना का प्रसाद तैयार करना होता है। वहीं बुधवार को व्रती खरना करेंगे। दूध, गुड़ और चावल की खीर तैयार करेंगे। विधिवत पूजा-अर्चना के बाद भोग लगाएंगे और जल ग्रहण करेंगे। इसके बाद 36 घंटे के निरजला व्रत की शुरुआत हो जाएगी। जलाशय व तालाब के तटों पर पहुंच कर व्रती गुरुवार को पूरे परिवार के साथ भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना करेंगे और अस्ताचलगामी सूर्य को फल, पकवान आदि के साथ अर्घ्य देंगे। वही शुक्रवार की सुबह फिर घाट पहुंचकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करेंगे। छठ बिहार व झारखंड का सबसे लोकप्रिय नेम निष्ठा व लोक आस्था का सबसे बड़ा त्योहार है। यह दीवाली के चौथे दिन से शुरू होता है। इसलिए इसे छठ महापर्व कहा जाता है। छठ पर्व के पहले दिन कार्तिक शुक्ल चतुर्थी नहाय-खाय के रूप में मनाया जाता है। सबसे पहले घर की सफाई कर उसे पवित्र किया जाता है। इसके बाद छठव्रती स्नान कर पवित्र तरीके से बने शुद्ध शाकाहारी भोजन ग्रहण कर व्रत की शुरुआत करते हैं।वहीं महिलाएं छठ का प्रसाद तैयार करने के लिए गेहूं धोकर सूखाने में लगी रहीं। गेहूं सूखाती महिलाएं दिन भर बैठकर निगरानी करती रहीं। ताकि कोई पक्षी उसमें चोंच न लगा दे। वहीं प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में छठ पूजा का उल्लास और उत्साह बना हुआ है। व्रती रूबी गुप्ता,आरती गुप्ता, संगीता गुप्ता,सलोनी गुप्ता व विद्या गुप्ता बताती हैं कि यह पर्व बहुत ही पवित्र है। इसमें स्वच्छता और पवित्रता का पूरा ख्याल रखना पड़ता है। कहीं कोई चूक न हो जाए। इसको लेकर पूरा परिवार सावधान रहता है। गेहूं सूखाने के साथ ही महिलाओं ने मिट्टी के चूल्हे को भी धूप में सूखाया और इसका पूरा ख्याल रखा कि कोई उसे अपवित्र न कर दे। छठ पर्व जितना धार्मिक महत्व रखता है, उससे कम वैज्ञानिक महत्व नहीं है। खरना के प्रसाद में ईख के कच्चे रस, गुड़ के सेवन से त्वचा रोग, आंख की पीड़ा, शरीर के दाग-धब्बे समाप्त हो जाते हैं। सूर्य षष्ठी का व्रत आरोग्य की प्राप्ति, सौभाग्य व संतान के लिए रखा जाता है। राजा प्रियव्रत ने षष्ठी का व्रत रख कुष्ठ रोग से मुक्ति पाई थी। छठ महापर्व खासकर शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि का पर्व है। वैदिक मान्यता है कि नहाए-खाए से सप्तमी के पारण तक उन भक्तों पर षष्ठी माता की कृपा बरसती है, जो श्रद्धापूर्वक व्रत करते हैं। नहाय-खाए में लौकी की सब्जी और अरवा चावल के सेवन का खास महत्व है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

सेक्टर अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी बेहतर समन्वय के साथ करें कार्यः प्रेक्षक

पाकुड़ः सामान्य प्रेक्षक लिट्टीपाड़ा जितेन्द्र कुमार शुक्ला, सामान्य प्रेक्षक पाकुड़ युगल किशोर पंत, सामान्य प्रेक्षक महेशपुर ए० शंभुगा सुंदरम, पुलिस प्रेक्षक के० सत्यानारायण एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार की उपस्थिति में जिला मुख्यालय स्थित रविन्द्र भवन टाउन हॉल में सेक्टर ऑफिसर एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया।सामान्य प्रेक्षक लिट्टीपाड़ा ने कहा है कि निर्वाचन में सेक्टर अधिकारी महत्वपूर्ण कड़ी का काम करते हैं। यदि यह कड़ी कमजोर हो जाए तो पूरी निर्वाचन प्रक्रिया पर असर पड़ता है। इसलिए सभी सेक्टर अधिकारी पूरी गंभीरता से अपने दायित्वों का निर्वहन करें ताकि मजबूत लोकतंत्र की स्थापना की जा सके। सामान्य प्रेक्षक पाकुड़ ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट और सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया से संबंधित सभी पहलुओं की जानकारी दी। चुनाव से संबंधित उनके दायित्वों और कर्तव्यों के बारे में बताया गया। मतदान केंद्र पर सभी मूलभूत सुविधाएं, मतदान से पहले की प्रक्रिया, मतदान दिवस के दिन की प्रक्रिया, संवेदनशील मतदान केंद्रों, वनरेबल मैपिंग के बारे में आवश्यक जानकारी दी।सामान्य प्रेक्षक महेशपुर ने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने बूथों का निरीक्षण करते रहे, यदि बूथों पर मूलभूत सुविधायें नही है तो उसे पूर्ण करायी जाये। चुनाव में आप सबों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, सभी अपने दायित्वों को पूरी तरह से निर्वहन करें, साथ ही पोलिंग पार्टियों के दायित्वों को भी ठीक से समझें। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल पर समय से पहुँचे और ध्यान रहे कि सभी पोलिंग पार्टियाँ समय से अपने बूथों पर पहुँच जायें, साथ ही मतदान से सम्बन्धित सामग्री भी बूथों पर ठीक से पहुँच जाये। पुलिस प्रेक्षक ने कहा कि पुलिस और प्रशासन के सभी सेक्टर अधिकारी एक टीम की तरह बेहतर आपसी समन्वय में रहकर कार्य करें। उन्होंने सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कहा कि सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस

पदाधिकारी चुनाव के लिए रीढ़ की हड्डी है। पोल मेनेजमेंट में भी आपका अहम भूमिका है। सभी पदाधिकारी से बूथ से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त की। बूथ में सारी मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने हेतु निर्देशित किया।इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन संपन्न कराने में सेक्टर अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सेक्टर अधिकारियों की तत्परता व सूझ-बूझ से मतदान के दिन मतदान केंद्रों में आने वाली किसी भी तरह की समस्याओं से आसानी से निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी सेक्टर अधिकारी निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पूर्ण जानकारी रखें ताकि निर्वाचन के दौरान उनके मतदान दलों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। पोल डे के दिन ईवीएम को ठीक से मोकपाल के दौरान कोई गलतियां न हो इसका विशेष ध्यान रखें।पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार ने सभी सेक्टर अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश का पालन करते हुए टीम के रूप में कार्य करने कहा। सेक्टर पदाधिकारी को अपने सेक्टर के अधीन समस्त मतदान केन्द्रों में स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने, वेल्नेरेबिलिटी मैपिंग, उन गांव, मोहल्लों को चिह्नित करना, जिनमें डरा धमकाकर मतदान से रोका जाता है एवं विधिसम्मत क्या कार्रवाई की जा सकती है इसपर प्रकाश डाला गया।मौके पर तीनों विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार, मुख्यालय डीएसपी जितेन्द्र कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार समेत सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

व्यय प्रेक्षक ने अभ्यर्थियों का पहला व्यय लेखा का किया मिलान

पाकुड़ः विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के अभ्यर्थियों का व्यय सम्बंधी लेखा की पहली जांच व्यय प्रेक्षक संजय नरगस, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार, कोषांग के वरीय एवं प्रभारी पदाधिकारी की उपस्थिति में सूचना भवन सभागार में किया गया। इस दौरान 04- लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र, 05-पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र एवं 06 महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थी व उनके प्रतिनिधि चुनावी व्यय मिलान हेतु उपस्थित हुए। विदित हो कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनीष कुमार द्वारा सभी अभ्यर्थियों के व्यय सम्बंधी लेखा की जांच हेतु तीन तिथियां निर्धारित की गई हैं । दूसरा व्यय लेखा मिलान 11 नवंबर एवं तीसरा व्यय लेखा मिलान 18 नवंबर को किया जाएगा ।

पूर्वाह्न 10:30 से 5:00 बजे अपराह्न तक व्यय लेखा का मिलान किया जा रहा। उक्त को लेकर अभ्यर्थी को स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत चुनाव अभिकर्ता के माध्यम से लेखा जांच दल के समक्ष जांच कराने हेतु मूल व्यय पंजी के साथ उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

निर्दलीय प्रत्याशी ने चलाया जनसंपर्क अभियान

पाकुड़ः निर्दलीय प्रत्याशी मुकेश शुक्ला उर्फ पिंकू शुक्ला ने सोमवार को सदर प्रखंड के विभिन्न गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया। निर्दलीय प्रत्याशी ने गांव में ग्रामीणों के साथ बैठक पर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील वोटरों ने की। इस दौरान गांव में निर्दलीय प्रत्याशी का भव्य स्वागत किया। निर्दलीय प्रत्याशी ने शहरकोल, शमशेरा आदि जगहों का भ्रमण किया। मौक़े सोनाजोडी पंचायत की मुखिया सुसाना मरांडी, कार्तिक कुमार सिंह, पंचानंद सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

अफवाह पर ना दे ध्यान, पुलिस को दे अपराधियों की सूचनाःथानेदार

पाकुड़ः आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार को पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर नगर थाना पुलिस ने फ्लैग मार्च निकली गई। जिसके नेतृत्व पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी हरिदेव प्रसाद ने किया। थाना प्रभारी ने कहा कि अफवाह पर ध्यान ना दें। अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चुनाव को लेकर पुलिस पूरी तरह से सख्त है। किसी भी घटना एंव दुर्घटना की जानकारी पुलिस को दें। मामले की जांच कर त्वरित कारवाई की जाएगी। काननू हाथ मे लेने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नही जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने आगामी विधानसभा चुनाव में भयमुक्त वातावरण में वोट देकर अपनी सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाए। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने शहर के विभिन्न चौक चोहराये का भ्रमण किया। मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार सहित अन्य जवान मौजूद थे।

डीसी ने किया मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

पाकुड़ः जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने सोमवार को संयुक्त रूप से विधानसभा आम चुनाव 2024 के निमित पाकुड़ जिला में होने वाले मतदान की तैयारियों को लेकर पाकुड प्रखंड स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने पाकुड प्रखंड के चांचकी स्थित बूथ संख्या 241,242,243,244 एवं 245 मतदान केंद्र एवं अंजना में मतदान केंद्र संख्या 246, 247 एवं 248 मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। जिसमें उपायुक्त द्वारा मतदाताओं के लिए उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं का अवलोकन किया। इन सुविधाओं में दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैम्प, मतदाताओं के लिए पीने के पानी की व्यवस्था, शौचालय, आवश्यक बेंच, कुर्सी व टेबल की व्यवस्था, महिला व पुरुष मतदाताओं के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था आदि शामिल हैं।मौके पर अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी एवं पाकुड़ बीडीओ समेत अन्य उपस्थित थे।

बूथों पर पर लाईटिंग, साफ-सुथरे शौचालय की करें उचित व्यवस्थाः डीसी

पाकुड़ः विधानसभा आम चुनाव 2024 के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में पाकुड़ प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी के साथ एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मतदान केंद्र स्तर पर न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं (एएमएफ) की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मियों को दिशा निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी मतदान केंद्रों पर निम्नलिखित मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

प्रत्येक मतदान केंद्र में दिव्यांगजन की सुविधा हेतु रैंप की उचित मरम्मती। सभी मतदान केंद्रों पर लाईटिंग, साफ-सुथरे शौचालय की व्यवस्था। सभी केंद्रों पर बिजली और पानी की निर्बाध उपलब्धता। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ये सभी व्यवस्थाएं जल्द से जल्द भारत निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुसार पूरी की जाएं। मौके पर पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, एसडीपीओ डीएन आजाद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार, पाकुड़ बीडीओ अल्फ्रेड मुर्मू समेत अन्य उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने के लिए अलर्ट रहे थानेदारः एसडीपीओ

पाकुड़ः अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय में सोमवार को मासिक अपराधगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दयानंद आजाद ने की। एसडीपीओ ने पिछले अक्टूबर महीने में जिले के विभिन्न थानों में दर्ज मामलों की बारी-बारी से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान दर्ज मामलों को जल्द निष्पादन, फरार अभिकुक्तों की गिरफ्तारी, कुर्की जब्ती सहित अन्य को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। एसडीपीओ ने कहा कि आगामी 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव है। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर थानेदार अपने अपने अपने क्षेत्र में अलर्ट रहे। सूचना तंत्र को मजबूत करें। किसी भी घटना अथवा दुर्घटना की सूचना मिलने पर मामले की जांच कर त्वरित कार्रवाई करें। चुनाव में अपने अपने बूथ पर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम करें। अफवाह उड़ाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। मौके पर पुलिस निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, अनिल गुप्ता, थाना प्रभारी संजीव कुमार, नवीन कुमार, बिनोद कुमार, रंजन कुमार सिंह, अंशु कुमार उपाध्याय सहित अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने डाक विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ किया वोटर आईडी कार्ड वितरण की समीक्षा

पाकुड़ः सोमवार को समाहरणालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में डाक विभाग के पदाधिकारियों के साथ वोटर आईडी कार्ड वितरण की समीक्षा की।बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि विधानसभा आम चुनाव 2024 को लेकर नये वोटर आईडी कार्ड पोस्ट आफिस में प्रत्येक दिन आ रहें हैं। उसका शत प्रतिशत वितरण करना सभी पदाधिकारी एवं कर्मी सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने डाक विभाग के सभी पदाधिकारी से अनुरोध किया कि जितने भी वोटर आईडी कार्ड पोस्ट आफिस में आ रहे हैं, उसको अविलंब मतदाता के घर तक पहुंचाया जाय। सभी वोटर आईडी कार्ड को प्रतिदिन प्रेषण करायें। कोई भी वोटर आईडी कार्ड अप्राप्त नहीं होने चाहिए, नहीं तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।मौके पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मोहनलाल मरांडी, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह समेत अन्य डाक विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जीत को लेकर मांगा अपने पक्ष में वोट

पाकुड़ः लिट्टीपाड़ा विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी बाबुधन मुर्मू ने सोमवार को लिट्टीपाड़ा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया। बाबुधन मुर्मू ने अपने जीत को लेकर अपने समर्थन में मतदाताओं वोट करने की अपील की। इस दौरान भाजपा के केंद्रीय सरकार की ओर से चलाए जा रहे योजनाओं की लोगों को जानकारी दी। बाबुधन मुर्मू ने कहा कि लिट्टीपाड़ा क्षेत्र आज भी पिछड़ा प्रखंड अंतर्गत आता है। यहां के लोग आज भी पानी, बिजली के लिए उधर-उधर भटकने को विवश है। एक बार भाजपा को मौका दें। विकास की गारंटी हम लेते हैं। यहां पर विकास करना ही मेरा लक्ष्य है। मौके पर बाबुधन के साथ काफी समर्थक उनके साथ मौजूद थे। गांव में ग्रामीणों ने बाबुधन का आदिवासी रीति रिवाज से भव्य स्वागत किया।

ऑब्जर्वर को सोमवार को दिया प्रशिक्षण

पाकुड़ः विधानसभा आम चुनाव 2024 को सकुशल पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने के लिए प्रतिनियुक्त किए गए 134 माइक्रो ऑब्जर्वर को सोमवार को राज +2 स्कूल पाकुड़ में प्रशिक्षण दिया गया। माइक्रो ऑब्जर्वर के प्रशिक्षण का जायजा लेने सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक राज +2 स्कूल पहुंचे। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक लिट्टीपाड़ा जितेन्द्र कुमार शुक्ला, सामान्य प्रेक्षक पाकुड़ श्री युगल किशोर पंत, सामान्य प्रेक्षक महेशपुर ए० शंभुगा सुंदरम एवं पुलिस प्रेक्षक के० सत्यानारायण एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार* ने प्रशिक्षण के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतदान के एक दिन पूर्व माइक्रो ऑब्जर्वर को समय पर डिस्पैच सेंटर पहुंचने, पोलिंग पार्टी के साथ समन्वय बनाकर चलने, बूथ में आवश्यक तैयारियों की स्थिति देखने, मतदान की समाप्ति उपरांत रिसीविंग सेंटर तक के कार्य, मॉक पोल का निरीक्षण, मतदान अभिकर्ता की उपस्थिति, अमिट स्याही, मतदाता रजिस्टर आदि का निरीक्षण करना सुनिश्चित करने की जानकारी दी गई। विधानसभा आम चुनाव कार्य सुचारू रूप से संचालन करने के लिए सभी अपने दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य निर्वाचन की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना है। आप सभी की ड्यूटी माइक्रो आब्जर्वर के रूप में लगाई गई है। इसलिए आप सभी कुशलता पूर्वक सौंपे गए जिम्मेदारियों का आपसी समन्वय से निर्वहन कर निर्वाचन कार्य में अपनी सहभागिता प्रदान करें।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

टीबी की वापसी क्यों?

टीबी के मामले तेजी से बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। परिस्थितियां अनुकूल हैं, लेकिन नतीजा उलटा हो रहा है। यह कहानी कभी घातक बीमारी रह चुके ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की- ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024- के मुताबिक 2023 में 82 लाख लोग टीबी से संक्रमित हुए, जो 1995 में निगरानी शुरू होने के बाद की सबसे बड़ी संख्या है। यह आंकड़ा 2022 में सामने आए 75 लाख नए मामलों से काफी अधिक है। इनके अलावा बड़ी संख्या की ऐसे लोगों के मौजूद होने का अनुमान है, जिनमें इस रोग का निदान नहीं हो पाया। अब डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रियासुस की इस टिप्पणी पर गौर कीजिए- चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट जिक्र किया है कि दवा-प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर/आरआर-टीबी) के मामलों में भी सुधार हुआ है। टीबी के सामान्य मामलों में इलाज की सफलता दर 88 फीसदी है, जबकि एमडीआर/आरआर-टीबी के मामलों में यह 68 फीसदी तक पहुंच गई है। फिर भी टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। टीबी की वापसी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में भारत प्रमुख है। भारत सहित मध्यम आय वाले ज्यादातर देशों में यह स्थिति स्वास्थ्य के निरोधक (प्रीवेंटिव) पहलू पर जोर घटने के कारण पैदा हुई है। हर सेवा के निजीकरण के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं रह गया है।डब्लूएचओ के मुताबिक लगभग 50 फीसदी मरीजों को इलाज के दौरान विनाशकारी खर्च का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि उनका इलाज खर्च उनकी आय का 20 फीसदी से ज्यादा होता है। स्वाभाविक है कि रिपोर्ट में टीबी संबंधी सेवाओं के लिए फंडिंग की कमी का खास उल्लेख किया गया है। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में कहा गया था कि 2027 तक टीबी सेवाओं के लिए हर साल 22 बिलियन डॉलर जुटाए जाने चाहिए। 2023 में केवल 5.7 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध थी- यानी कुल जरूरत का सिर्फ 26 फीसदी। ऐसे में टीबी की वापसी कोई हैरत की बात नहीं है।

परिसीमन का क्या पैमाना होगा?

केंद्र सरकार ने जनगणना की अधिसूचना जारी नहीं की है, लेकिन एक, जनवरी 2025 से प्रशासनिक सीमाएं सील हो जाएंगी और उससे पहले भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि अगले साल जनगणना होगी। उसके अगले साल यानी 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होगा और फिर इसी आधार पर 2029 में साथ होने वाले चुनाव में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में, जहां 16 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाना था, वहां कहा कि 'जब हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां संसद में सीटों की संख्या कम होने वाली है तो हमें छोटा परिवार क्यों रखना चाहिए? इसके आगे उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से ज्यादा बच्चे पैदा करने और उन्हें सुंदर तमिल नाम देने का आग्रह किया। हालांकि उन्होंने संसद में सीटों की संख्या कम होने के बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन उनका इशारा परिसीमन के बाद की स्थितियों की ओर था। उनसे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। हालांकि उनका घोषित सरोकार यह था कि दक्षिण के राज्यों में आबादी बूढ़ी हो रही है और कामकाजी युवाओं की संख्या कम हो रही है। परंतु कहीं न कहीं वे भी इस बात से चिंतित हैं कि अगर आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ तो दक्षिण के राज्यों की राजनीतिक हैसियत घटेगी। तभी यह बड़ा सवाल है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन का आधार क्या होगा? क्या सीधे तौर पर जनसंख्या के हिसाब से सीटों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी जाएगी? अगर ऐसा हुआ तो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों को फायदा होगा और दक्षिण भारत के राज्य घाटे में रहेंगे। तभी चंद्रबाबू नायडू और एमके स्टालिन की चिंता सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखती है। यह चिंता क्षेत्रीय वर्चस्व और फिर अस्मिता की राजनीति में भी बदल सकती है, जिससे एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए सरकार को परिसीमन के फॉर्मूले के बारे में तर्कसंगत तरीके से विचार करना होगा और उस पर सभी दलों व राज्यों की सहमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। ध्यान रहे लोकसभा सीटों का परिसीमन जम्मू कश्मीर की तरह नहीं होगा, जहां मनमाने तरीके से भौगोलिक सीमाओं का ध्यान रखे बगैर इस तरह से विधानसभा सीटों का सीमांकन हुआ कि जम्मू क्षेत्र में छह सीट बढ़ गई और कश्मीर घाटी में सिर्फ एक सीट बढ़ी। आजादी के बाद से मोटे तौर पर आबादी के आधार पर ही लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तय होती रही है। तभी उत्तर प्रदेश में 80 सीटें हैं और तमिलनाडु में 39 हैं। लेकिन आजादी के बाद राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को अलग अलग तरीके से लागू किया। आर्थिक रूप से विकसित राज्यों ने बेहतर ढंग से जनसंख्या नियंत्रण का किया तो उनके यहां जनसंख्या वृद्धि की दर राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे आ गई। दक्षिण के राज्यों में तो जनसंख्या बढने की दर रिप्लसमेंट रेट से भी कम है। रिप्लेसमेंट रेट 2.1 है। इसका मतलब होता है कि अगर दो लोग मिल कर 2.1 बच्चे पैदा करते हैं तो जनसंख्या नहीं बढ़ेगी वह स्थिर हो जाएगी। दक्षिण के राज्यों में जनसंख्या बढने की दर 1.6 फीसदी है, जो रिप्लेसमेंट रेट से काफी कम है, जबकि उत्तर के राज्यों खास कर बिहार और उत्तर प्रदेश में वृद्धि दर रिप्लेसमेंट रेट से ज्यादा है। ऐतिहासिक रूप से यह स्थिति रही है तभी दक्षिण के राज्यों में आबादी नियंत्रित हो गई और उत्तर भारत के राज्यों में बढ़ती चली गई। हालांकि अब वहां भी रफ्तार धीमी हो रही है लेकिन उन राज्यों की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। अगर इस आधार पर उनकी लोकसभा सीटें बढ़ती हैं तो यह उन राज्यों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने अपने यहां आबादी का बढत्ना रोका। उन्होंने अच्छा काम किया इसके लिए उनको सजा नहीं दी जानी चाहिए।

झारखंड चुनाव: आदिवासी वोट, 'रोटी, माटी, बेटी' का नारा और बीजेपी की रणनीति

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'

झारखंड में 2024 के विधानसभा चुनाव का माहौल गरमा रहा है। जैसे-जैसे 13 और 20 नवंबर की तारीख करीब आ रही है, चुनावी गतिविधियों का जोर बढ़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आदिवासी मुद्दों के साथ-साथ 'रोटी, माटी, बेटी' का नारा उठाकर जनता का समर्थन पाने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के राज्य दौरे से यह स्पष्ट है कि भाजपा इस बार आदिवासी वोट बैंक को साधने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है।

अमित शाह ने घोषणा की है कि झारखंड में भाजपा सरकार आने पर समान नागरिक संहिता (UCC) लागू होगी, लेकिन आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा। यह घोषणा रणनीतिक है, जिसमें भाजपा का इरादा दोहरे लाभ का है—अपने परंपरागत समर्थकों को उत्साहित करना और आदिवासी समुदाय का समर्थन प्राप्त करना। झारखंड में 81 विधानसभा सीटों में से 28 सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित हैं। इससे स्पष्ट होता है कि किसी भी पार्टी के लिए एसटी वोट बैंक कितना महत्वपूर्ण है, खासकर भाजपा के लिए।

2019 के नतीजे और एसटी वोट बैंक की अहमियत- 2019 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की हार का एक बड़ा कारण एसटी वोटरों का समर्थन न मिलना था। उस समय, झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) और कांग्रेस के गठबंधन ने भाजपा को मात दी थी। अनुसूचित जनजाति की अधिकांश सीटों पर जेएमएम ने जीत दर्ज की, जबकि भाजपा केवल दो एसटी सीटें ही जीत पाई। यह असफलता भाजपा के लिए एक सबक बन गई कि आदिवासी मतदाताओं का समर्थन पाना सत्ता की चाबी हो सकता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों में भाजपा का प्रदर्शन 2014 में बेहतर था। लेकिन उस समय मुख्यमंत्री के रूप में गैर-आदिवासी नेता रघुवर दास की नियुक्ति और कुछ विवादित फैसलों ने आदिवासी समुदाय के बीच भाजपा के प्रति नाराजगी पैदा की। आदिवासी हितों के खिलाफ मानी गई नीतियों, जैसे नई डोमिसाइल नीति और आदिवासी जमीनों से जुड़े कानूनों ने भाजपा को नुकसान पहुंचाया। इसका परिणाम 2019 में देखने को मिला, जब एसटी वोटरों ने भाजपा का समर्थन कम कर दिया।

इस बार भाजपा का फोकस: 'रोटी, माटी, बेटी' और यूसीसी- 2024 के चुनाव में भाजपा ने 'रोटी, माटी, बेटी' के नारे के माध्यम से अपनी रणनीति को स्पष्ट किया है। यह नारा न केवल राज्य के सांस्कृतिक और सामाजिक मुद्दों को ध्यान में रखता है, बल्कि आदिवासियों की भावनाओं को भी छूता है। रोटी से रोजगार और आर्थिक सुरक्षा का संकेत मिलता है, माटी झारखंड के आदिवासी समुदाय की जड़ों से जुड़े मुद्दों का प्रतिनिधित्व करती है, और बेटी से झारखंड की महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा और सम्मान का संकेत है।

समान नागरिक संहिता का मुद्दा भी इस बार चुनाव में जोर पकड़ रहा है। अमित शाह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा की सरकार बनने पर यूसीसी लागू की जाएगी, लेकिन आदिवासी समुदाय को इससे बाहर रखा जाएगा। इस ऐलान के जरिए भाजपा ने एक तरफ अपने मुख्य समर्थकों का उत्साह बढ़ाया है, वहीं दूसरी तरफ आदिवासियों के बीच भी यह संदेश देने की कोशिश की है कि उनके सांस्कृतिक और धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान किया जाएगा। यह रणनीति भाजपा के लिए एक बड़ा दांव साबित हो सकती है, क्योंकि झारखंड में आदिवासी वोट बैंक के बिना सत्ता हासिल करना मुश्किल है।

भाजपा के लिए दोहरी चुनौती-भाजपा के सामने इस चुनाव में दो मुख्य चुनौतियाँ हैं। पहली चुनौती है जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन के समर्थन को कमजोर करना। दूसरा, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पक्ष में आदिवासी समुदाय में उभर रही सहानुभूति की लहर को रोकना। सोरेन की गिरफ्तारी और उस पर भाजपा द्वारा साजिश का आरोप लगाने से आदिवासी समुदाय में उनके प्रति सहानुभूति बढ़ी है। भाजपा इस नैरेटिव को तोड़ने की कोशिश में है ताकि आदिवासी मतदाताओं का समर्थन प्राप्त किया जा सके।

हेमंत सोरेन के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के मामले को लेकर जेएमएम आदिवासी नेताओं और जनता के बीच भाजपा के प्रति अविश्वास पैदा कर रही है। अगर आदिवासी समुदाय ने जेएमएम के इस प्रचार को अपनाया तो भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

चंपाई सोरेन का भाजपा में शामिल होना: क्या बनेगी बात- हाल ही में जेएमएम के वरिष्ठ नेता चंपाई सोरेन भाजपा में शामिल हुए हैं। चंपाई सोरेन का पार्टी में आना भाजपा की रणनीति का हिस्सा है कि वह जेएमएम के आदिवासी वोट बैंक में सेंध लगा सके। हालांकि, चंपाई सोरेन की लोकप्रियता अपने क्षेत्र तक ही सीमित मानी जाती है, इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि उनका भाजपा में आना कितना प्रभावी साबित होता है।

चुनावी नतीजों पर संभावित असर-भाजपा के लिए आदिवासी वोट इस बार निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। 2019 के अनुभव से सीख लेकर भाजपा ने इस बार आदिवासी समुदाय को प्राथमिकता दी है। राज्य में जनसंख्या का 66.2% हिस्सा आदिवासियों का है, जिसमें से ज्यादातर जिले में आदिवासी आबादी का प्रतिशत काफी ऊंचा है।

यूसीसी, 'रोटी, माटी, बेटी' का नारा और राज्य के आदिवासियों की संख्या को संरक्षित करने का मुद्दा—यह सभी चुनावी हथकंडे हैं जो भाजपा की जीत की राह आसान कर सकते हैं। साथ ही, घुसपैठ, जमीनों पर कब्जा, आदिवासी पलायन आदि मुद्दों को उठाकर भाजपा ने आदिवासी समुदाय के हितों को अपने एजेंडे में प्रमुखता दी है।

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में भाजपा की चुनौती है आदिवासी वोट बैंक में सेंध लगाना और जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन के सामने अपनी उपस्थिति मजबूत करना। 'रोटी, माटी, बेटी' का नारा और समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा करते हुए आदिवासियों को इससे बाहर रखने की बात ने भाजपा की चुनावी रणनीति को मजबूत बनाया है। यदि भाजपा अपने इस दांव को सही तरीके से साधने में कामयाब होती है, तो राज्य की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है।

अब देखना यह है कि भाजपा की यह रणनीति वोटरों को कितना आकर्षित करती है और क्या आदिवासी मतदाता इस बार भाजपा के समर्थन में आएंगे, या फिर 2019 के चुनावों की तरह जेएमएम और कांग्रेस को समर्थन देंगे। चुनावी नतीजे आने के बाद ही यह तय हो पाएगा कि भाजपा की यह कोशिश झारखंड की सत्ता में बदलाव ला पाती है या नहीं।

आंखों के आगे इतिहास!

हरिशंकर व्यास

हां, आंखों देखा इतिहास! ऐतिहासिक मोड़ पर है मौजूदा सिरमौर सभ्यता अमेरिका। वह इस सप्ताह अपने हाथों अपनी सभ्यता का इतिहास बनाएगी। अमेरिकी मतदाता तय करेंगे कि वे अपने सभ्यतागत मूल्यों और सांचे की निरंतरता में कमला हैरिस को जिताते हैं या वैयक्तिक तानाशाही जिद् वाले डोनाल्ड ट्रंप को जिताते हैं। डोनाल्ड ट्रंप का अर्थ अमेरिका में विभाजन, संस्थाओं के पतन की गारंटी है। और जब कोई सभ्यता घर में विभाजित होती है तो उसकी ताकत, एकता, बुद्धि सब धरी रह जाती है। दो खेमों में विभाजित देश फिर धर्म, नस्ल, धन और अहंकार की आपसी लड़ाई का अखाड़ा होता है। ज्योंहि ऐसा हुआ त्योंहि सभ्यता को खत्म करने की ताक में बैठी बर्बर नस्ल और धर्म के लिए मौका खुलता है। आज इस मौके की ताक में चीन है तो पुतिन और इस्लाम भी है। इन तीनों के इरादे आंखों के आगे लाइव उपस्थित हैं। सोचें, जिस अमेरिका ने इस सदी के आरंभ में, 9/11 के बाद आतंकवाद (इस्लाम) के खिलाफ वैश्विक जंग का हुंकारा मारा था, वह भटका हुआ है और उसकी जगह वह इजराइल इस्लाम को ठोक रहा है, जिसके नेता नेतन्याहू बिना इस समझ के क्रूरता दर्शा रहे हैं कि वे बंधकों को छुड़वा रहे हैं, बदला ले रहे हैं, देश को सुरक्षित बना रहे हैं या क्रूसेड है? मेरा मानना है इजराइल का ठोकना इस्लाम को और जिद्दी बनाना है? इसके नतीजे उलटे और उग्र होंगे। उस नाते यहूदियों और ईसाईयों दोनों की नासमझी है जो वे अपने जिद्दी भाई (अब्राहम की संतान, इस्लाम) को अपने मूल धर्म में लौटाने, उनकी घर वापसी की नहीं सोचते, बल्कि ठोक-ठोक कर तीसरे महायुद्ध, सभ्यतागत संघर्ष का पानीपत मैदान बना दे रहे हैं। इस्लाम की लाइव ठुकाई के फोटो इस्लाम को सुलगाने वाले हैं। निश्चित ही अतीत में इस्लाम की क्रूर तलवार और क्रूसेड़ के दृश्य आज के मुकाबले बेइंतहा खौफनाक थे। मगर पहले और दूसरे महायुद्ध के क्रम में यदि तीसरे महायुद्ध का सिनेरियो बन रहा है तो वह इस कारण पूरी पृथ्वी के लिए घातक होना है क्योंकि अब परमाणु हथियारों के जखीरे की वास्तविकता भी है। इसलिए यहूदी बनाम मुसलमान, ईसाई बनाम इस्लाम, इजराइल बनाम ईरान, अमेरिका बनाम चीन, यूक्रेन बनाम रूस, उत्तर कोरिया बनाम दक्षिण कोरिया आदि की हकीकत का कुल सार आमने सामने की सीधी लड़ाई के पाले बनना है। हर पक्ष की जिद् खूंखार होती हुई है। एक तरफ अमेरिका, पश्चिमी सभ्यता तथा ईसाई और यहूदी हैं तो दूसरी और चीन है। फिर इस्लाम (जो इजराइल की ठुकाई से चीन-रूस से जुड़ता हुआ है) है। चीनी नेता बोलते नहीं हैं। न राष्ट्रपति माओ, देंग शियाओ पिंग भड़भडिया नेता थे और न शी जिनफिंग हैं। ये चीनी नेता अतीत के अपने गौरव हान सभ्यता की वैश्विक पताका में चीन की श्रीवृद्धि के राष्ट्रवादी हैं। इनके लिए याकि मौजूदा चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की ठोस पूंजी (रूसियों की तरह) क्रूर, कठोर, परिश्रमी चाइनीज जनता है। जिसका कभी भी लोकतंत्र, मानवीय मूल्यों, स्वतंत्रता से सरोकार नहीं रहा है। तभी माओ की क्रांति हो या देंग और शी जिनफिंग के वैश्विक कारखाने, अमीरतम बनने का मिशन, सभी में नेतृत्व, पार्टी और जनता ने एकनिष्ठता से काम किया है। उसके लिए असुरी महाशक्ति बनना मुश्किल नहीं था। इसका लक्ष्य अब अमेरिका व पश्चिम सभ्यता की जगह अपने झंडे, अपनी व्यवस्थाओं में दुनिया को चलाना है। राष्ट्रपति शी जिनफिंग और उनके रणनीतिकारों ने चुपचाप बिसात बिछा दी है। चीन का लक्ष्य अमेरिका की जगह लेना है। एशिया का अधिपति होना है। चीन के लिए भारत, जापान, दक्षिण एशिया, ताइवान, आसियान देशों का जीरो अर्थ है। इसलिए क्योंकि ज्योंहि अमेरिका का पतन हुआ, दुनिया की उसकी चौधराहट छूटी या उसने छोड़ी तो पलक झपकते ये तमाम छोड़े बड़े देश चीन की कॉलोनी होंगे। यों भी दक्षिण या तीसरी दुनिया के ये देश आर्थिक तौर पर चीन से बंधे, उस पर आश्रित हैं। उधर परोक्ष तौर पर चीन ने रूस या पाकिस्तान के मार्फत मध्य एशिया के सभी इस्लामी देशों के अलावा अफगानिस्तान के तालिबान, ईरान और उन सब मुस्लिम देशों का विश्वास जीत लिया है जो इजराइल के हाथों घायल हैं। अपनी इस ग्रैंड योजना, वैश्विक बिसात में चीन किस शातिरता से फैसले करते हुए है इसका प्रमाण ब्रिक्स की हालिया शिखर बैठक थी। राष्ट्रपति शी जिनफिंग और पुतिन ने बैठक में तुर्की के उन राष्ट्रपति एर्दोआन को बुलाया जो उइगर मुसलमानों के उत्पीडन के हवाले चीन के खिलाफ बोलते थे। एर्दोआन को शी और पुतिन ने पटा लिया है। वे इनसे वैसे ही संतुष्ट हैं, जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में यह हल्ला बनवाते हुए हैं कि कितनी बड़ी कूटनीतिक जीत हुई जो चीन ने लद्दाख में अपनी सेना पीछे की। भारत भी चीन के साथ बहुपक्षीय विश्व बनाने की और बढ़ता हुआ है। अर्थात भारत और चीन भाई भाई तथा अमेरिका, पश्चिमी सभ्यता की दादागिरी के खिलाफ विश्व राजनीति में हिंदू राष्ट्र की भी एक अलग स्वतंत्र ढपली व विश्व व्यवस्था। और हम दक्षिण ब्लॉक, गुटनिरपेक्ष जमाने के देशों और परंपरागत मित्र रूस तथा चीन के हमराही हैं! बहरहाल, लाइव इतिहास फिलहाल अमेरिका बनाम चीन तथा यहूदी बनाम इस्लाम की जोर आजमाइश व परिवर्तनों का है। इसका एक अनहोना फोटो चीन और रूस द्वारा ठेठ यूरोप की सीमा पर बर्बर उत्तर कोरियाई सैनिकों को पहुंचा देना है। कल्पना करें डोनाल्ड ट्रंप जीते और उन्होंने यूक्रेन की मदद रोक कर रूस से समझौते का दबाव बनाया तो पुतिन के हौसले कितने बुलंद होंगे? रूसी-उत्तरी कोरियाई सेना के तब जश्न के फोटो यूरोपीय संघ पर कैसा प्रभाव बनाएंगे? ईरान के हौसले बुलंद होंगे या कम होंगे? हालांकि डोनाल्ड ट्रंप को ईरान विरोधी तथा नेतन्याहू परस्त माना जाता है लेकिन व्यक्तिवादी नेता ने यदि खुमैनी के घर जा कर पकौड़े खाने तथा अपने को अमनपरस्त बनाने की ठानी तो उसके गिरगिटी व्यवहार में रंग तो बदलते ही रहेंगे। असल बात डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से विभाजित अमेरिका, विभाजित पश्चिमी बिरादरी की है। इसके सिनेरियो में चीन के लिए स्वर्णिम मौका बनेगा। वह अमेरिका को रिप्लेस कर अपने को नई विश्व व्यवस्था, नई मौद्रिक वित्तीय व्यवस्था का संचालक बनने की और बढ़ेगा। पृथ्वी की धुरी होने के हान सभ्यता के इलहाम को वास्तविकता के पंख लगेंगे। आर्थिक-सैनिक-राजनीतिक ताकत में सिरमौर होने का मौका खुलेगा। सो, आंखों के आगे तीसरे महायुद्ध व सभ्यताओं के संघर्ष की अग्रिम झांकी है वही पृथ्वी के इतिहास का मोड़ भी है। इस सप्ताह स्पेन के वेलेंसिया में आठ घंठे की बारिश का वीडियो दहला देने वाला था। जलवायु परिवर्तन और विनाश की और बढ़ती पृथ्वी की सेहत की वह झांकी थी।

मेष : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

शुभांक.3.5.7

वृष : जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है।

शुभांक.5.7.9

मिथुन : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

शुभांक.6.7.9

कर्क : किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरुपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

शुभांक.4.6.8

सिंह : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग।

शुभांक.6.8.9

कन्या : शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन.देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन.देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

शुभांक.5.7.9

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा।

शुभांक.5.7.9

वृश्चिक : कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक.3.6.8

धनु : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। **शुभांक.2.3.5**

मकर : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

शुभांक.2.5.7

कुंभ: विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी।

शुभांक.3.5.8

मीन : कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

शुभांक.3.5.7

शब्द पहेली - 8302

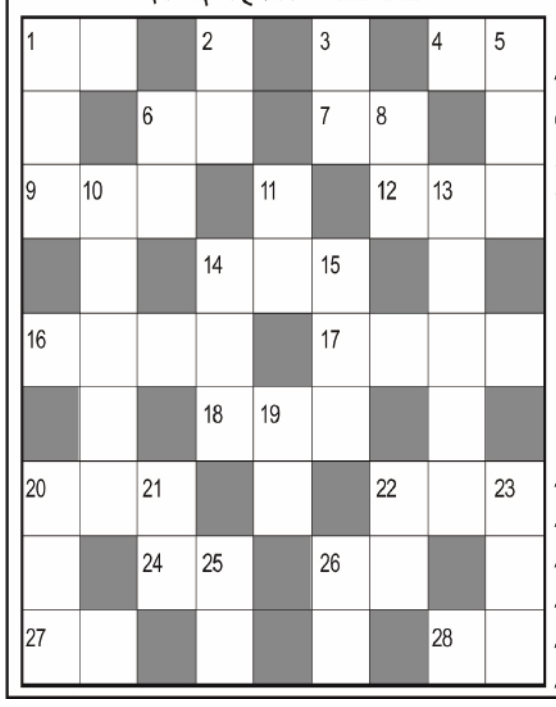

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज, पताका-2
4. वहम, संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली, रिक्त-2
9. रसूल, अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय, बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना, महीन करना-3
20. उष्ण, गर्म-3
22. उत्तम, विष्णु अवतार-3
24. परत, तह-2
26. खेती-2
27. अधर, होठ-2
28. ताऊ की पत्नी, बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर, अप्सरा-2
5. सूक्ति, वाणी, शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार, सितारा-2
10. रोचक, सुंदर, मनोहारी-5
11. शीतलता, मुठभेड़-2
13. सतरंगा, शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक, एकमात्र-3
15. हवस, कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर, विष-3
21. आनंदित, मनमौजी-2
22. मुनि, साधू-2
23. अच्छाई, सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा, कीट-2

शब्द पहेली -8301 का हल

■	जी	स	स	■	ग	ब	रु	■
न	भ	■	ज	■	र	■	त	ह
जा	■	■	ग	र	ज	ना	■	ल
रा	ह	त	■	स्म	■	म	ह	क
■	■	र	ज	■	रां	ची	■	■
ज	न	क	■	खा	■	न	स	ल
मी	■	श	ब	न	म	■	■	ह
न	म	■	हा	■	ज	■	जो	र
■	त	ल	ना	■	मा	लि	श	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**®; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
®समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

एसटीएफ और पटना-भोजपुर पुलिस की कार्रवाई

पटना, एजेंसी। सोन में अवैध बालू खनन करने वाले पांडेय गिरोह के सरगना सत्येंद्र पांडेय को एसटीएफ, पटना और भोजपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सत्येंद्र के साथ उसके बेटे नीरज पांडेय को भी गिरफ्तार कर लिया। सत्येंद्र भोजपुर के कोईलवर थाने के पचरुखिया गांव का रहने वाला है। पुलिस से बचने के लिए बाप-बेटे कई माह से सोन के दियारा में छिपकर रह रहे थे। छह माह पहले सत्येंद्र ने अवैध बालू खनन पर कब्जा करने को लेकर छपरा के डोरीगंज में विकास महतो और सुदर्शन राय की गोली मार कर हत्या कर दी थी।सोन में अवैध बालू खनन को लेकर सिपाही राय और पांडेय गिरोह के बीच कई बार गोलीबारी हो चुकी है। दो दर्जन से अधिक लोग मारे गए हैं। डोरीगंज में दो लोगों की हत्या होने के बाद सत्येंद्र और उसके गिरोह से जुड़े एक दर्जन से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए एसटीएफ को जिम्मेवारी दी गई थी।

डोभी में पियक्कड़ व वारंटी गिरफ्तार, जेल

गया, एजेंसी। डोभी थाना के जोलहबिगहा गांव से पुलिस ने दो पियक्कड़ व एक वारंटी को गिरफ्तार किया। इस संबंध में डोभी थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि जोलहबिगहा सड़क मार्ग में शराब पीकर सड़क पर हंगामा करने के मामले में बाराचट्टी थाना के बेला गांव के अखिलेश पासवान और उतम पासवान को पकड़ा गया, जबकि जोलहबिगहा गांव से वारंटी विनोद मांझी को गिरफ्तार किया गया। बाद में आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया।

स्टेशन और उसके आसपास चलाया गया सर्च ऑपरेशन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। महापर्व छठ को देखते हुए एसएसपी के निर्देशानुसार एसडीपीओ नगर-01 सह पुलिस उपाधीक्षक (साइबर) सीमा देवी के नेतृत्व में रविवार को मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन परिसर एवं उसके आसपास सघन जांच अभियान चलाया गया। जंक्शन से यात्रियों को भाड़े की गाड़ियों से ले जाने वाले चालकों के लाइसेंस जांच किए गए। ऑटो चालकों की भी जांच-पड़ताल की गई। वहीं प्लेटफॉर्म पर यात्रियों के बीच साइबर सुरक्षा से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया गया। बता दें कि स्टेशन के आसपास नशाखुरानी और लुटेरों का गिरोह सक्रिय हो जाता है, जो यात्रियों को अक्सर निशाना बनाता है।

सारण खेल महोत्सव का आयोजन 15 दिसंबर से

छपरा, एजेंसी। सारण खेल महोत्सव के तत्वावधान में खेल आयोजन से संबंधित तैयारी बैठक का आयोजन विभूति नारायण शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि शैलेंद्र सेंगर ने बताया कि इस आयोजन में जिले एवं जिले के बाहर के लगभग 400 खिलाड़ी विभिन्न खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। यह आयोजन 15 दिसंबर से 28 दिसंबर तक होगा। इस आयोजन में क्रिकेट, फुटबॉल ,वॉलीबॉल, शतरंज, भारोत्तोलन ,कुश्ती ,कबड्डी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा । सभी खेल छपरा शहर के विभिन्न स्थान पर आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन 15 दिसंबर को स्थानीय राजेंद्र स्टेडियम में होगा। बैठक में मुख्य रूप से शैलेंद्र सेंगर ,संजय सिंह ,रमेश सिंह ,सुनील कुमार सिंह, रूपेश कुमार सिंह ,अरविंद सिंह ,रमेश सिंह , राजन प्रसाद यादव, प्रदीप कुमार, शिवजी कुमार यादव, उमेश कुमार सिंह सुजीत कुमार आदि उपस्थित थे।

मुजफ्फरपुर में करीब 50 घाट खतरनाक

पटना में 100 घाट पर अर्घ्य, 45 जगह पार्किंग गया में 26 पर छठ व्रतियों के लिए खास इंतजाम

पटना, एजेंसी। बिहार में छठ महापर्व की तैयारी अंतिम चरण में हैं। पटना जिले में 550 घाटों के साथ 65 तालाबों को दुरुस्त किया गया है। शहर के दानापुर से दीदारगंज तक 100 घाटों को छठ पूजा के लिए तैयार किया गया है। 45 जगहों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। गया में 26 घाटों पर तैयारी की गई है। पटना में छठ महापर्व पर ट्रैफिक में बदलाव किया गया है। 7 नवंबर को दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक और 8 नवंबर को सुबह 2 बजे से दिन में ट्रैफिक सामान्य होने तक ट्रैफिक बदली रहेगी। फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, शव वाहन, छठ व्रतियों की गाड़ी और इमरजेंसी वाहनों को छोड़कर सभी के लिए यह व्यवस्था बनी रहेगी। दूसरी ओर मुजफ्फरपुर के 250 में 50 घाट को खतरनाक घोषित किया गया है। छठ घाटों पर चेंजिंग रूम, कंट्रोल रूम और वॉच टावर की व्यवस्था की गई है। इस रिपोर्ट में पढ़िए पटना, मुजफ्फरपुर, गया और भागलपुर में कितने घाट बनाए गए हैं। कौन से खतरनाक घाट हैं। चेंजिंग रूम कहां-कहां हैं। बाहर से आने वालों के लिए क्या इंतजाम हैं।

पटना के शहरी क्षेत्र में दानापुर से दीदारगंज तक 100 घाटों को छठ पूजा के लिए तैयार किया गया है। छठ मनाने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 45 पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालु अपनी गाड़ी पार्किंग में लगा कर पूजा कर सकें। इस साल बांस घाट से कलेक्ट्रेट घाट जुड़ गया है। गंगा किनारे से 100 मीटर पैदल चलकर व्रती कलेक्ट्रेट घाट पहुंच सकेंगे। कई सालों के बाद कलेक्ट्रेट, महेंद्रू घाट से बांस घाट एक साथ जुड़ गया है। वहीं, हर घाट पर चेंजिंग रूम, शौचालय, पानी का नल, मेडिकल कैंप, शेड आदि की व्यवस्था बनाई गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर 1000 मजिस्ट्रेट के साथ 5000 से अधिक जवानों की तैनाती की जा रही है। एनडीआरएफ की 8 टीम (200 सदस्य), एसडीआरएफ की 14 टीम (56 सदस्य), 333 गोताखोर, 306 नाव-नाविक के साथ सिविल डिफेंस के 168 वॉलंटियर्स को तैनात किया जा रहा है। रिवर पेट्रोलिंग भी की जाएगी। नावों के अवैध परिचालन के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

6 घाटों पर 2 बेड के लिए अस्थाई अस्पताल बनेंगे : छठ घाटों पर मेडिकल टीम की तैनाती होगी। छह घाटों पर दो बेड के अस्थायी अस्पताल बनेंगे। इनमें पाटीपुल घाट, 93 नंबर घाट, कलेक्ट्रेट घाट, लॉ कालेज घाट, गायघाट और पाटीपुल के पास निर्मित कंट्रोल रूम शामिल है। इसके अलावा हर तीन-चार घाट के लिए मेडिकल टीम के साथ एंबुलेंस की व्यवस्था रखी गई है। मेडिकल टीम में डॉक्टर, पारा मेडिकल स्टाफ, नर्स रहेंगे। अस्थायी अस्पताल में भी एंबुलेंस की व्यवस्था रखी गई है। ताकि जरूरत पड़ने पर किसी को अस्पताल भेजा जा सके। साथ ही अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है। अस्पतालों में बेड भी सुरक्षित रखे गए हैं।

अग्निशमन की 52 गाड़ियां रहेगी तैनात : छठ पूजा के दौरान आग लगने की घटना से निपटने के लिए अग्निशमन ने भी विशेष तैयारी की है। इसके तहत अग्निशमन ने पूरे जिले में गाड़ियों के साथ स्टाफ की तैनाती की गई है। 52 गाड़ियां अलग-अलग घाटों पर तैनात रहेगी। एक गाड़ी पर एक ड्राइवर के साथ 3 फायर फाइटर मौजूद रहेंगे। हर गाड़ी पूजा के दौरान अलर्ट मोड में रहेगा। साथ ही वरीय पदाधिकारी कंट्रोल रूम में बैठ कर इसी मॉनिटरिंग करेंगे।

पूजा के दौरान ट्रैफिक की व्यवस्था : पटना में छठ को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी किया गया है। यह ट्रैफिक प्लान 7 नवंबर की दोपहर 12 से शाम 7 बजे तक और 8 नवंबर की सुबह 2 से 8 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान कारगिल चौक से पूरब दीदारगंज तक किसी भी वाहन का परिचालन नहीं होगा। अशोक राजपथ के सभी एंट्री पॉइंट बंद रहेंगे। सिर्फ व्रतियों की गाड़ियां खजांची रोड से पटना कॉलेज और साइंस कॉलेज मैदान में पार्किंग के लिए जा सकेंगी। कारगिल चौक से पश्चिम शाहपुर तक छठ व्रतियों के ही वाहनों का परिचालन होगा। गायघाट की ओर जाने वाली गाड़ियां पुराना या न्यू बाइपास से धनकी मोड़, शीतला माता मंदिर या बिस्कोमान गोलंबर होकर जाएंगी। इस दौरान जेपी गंगा पथ का उपयोग वर्जित रहेगा। जेपी गंगा पथ पर वाहनों का परिचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इमरजेंसी गाड़ियों पर यह व्यवस्था लागू नहीं होगी। छठ पूजा के दिन व्रतियों की गाड़ियां खजांची रोड से अशोक राजपथ तक जाएगी। कॉलेज मैदान में पार्किंग बनाई गई है। इसके अलावा साइंस कॉलेज, आयुक्त कार्यालय के सामने, गांधी मैदान गेट नंबर-10 के अंदर पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।

अशोक राजपथ पर वाहनों की नो एंट्री : अशोक राजपथ पर छठ व्रतियों की गाड़ियों को छोड़कर सभी एंट्री पॉइंट बंद रहेगा। 7 नवंबर की दोपहर 12 बजे से 8 नवंबर की सुबह 10 बजे तक तक गायघाट पुल के नीचे ऑटो और दूसरे कॉमर्शियल गाड़ियों पर रोक रहेगी। ये गाड़ियां अगमकुआं आरओबी के नीचे से बिस्कोमान गोलंबर, धनकी गोड़ से पुराना बाइपास होते गांधी मैदान सहित अन्य जगहों पर जाएंगे। गांधी मैदान की ओर से जाने वाली गाड़ियां एग्जीबिशन रोड, राजेंद्रनगर पुल, बहादुरपुर गुमटी, बाइपास, अगमकुआं से बाइपास थाना तक जाएंगी। इस दौरान सुदर्शन पथ में भी कॉमर्शियल गाड़ियों के परिचालन पर रोक रहेगी।

भीड़ वाले घाटों पर रहेगी पुलिस की तैनाती : छठ पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है। एसएसपी आशीष भारती ने फल्गु नदी के देवघाट, ब्राह्मणी घाट, बिन्देश्वरी घाट, पिता महेश्वर घाट, पुलिस लाइन के विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर छठ व्रतियों की सुविधा के लिए कई निर्देश दिए हैं। गहरे घाटों की बैरिकेडिंग करने को कहा है। वहीं, घाटों और आने-जाने वाले रास्तों में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने, अधिक भीड़ वाले घाटों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती,अधिक जोखिम वाले घाटों पर एनडीआरएफ/एसडीआरएफ की तैनाती करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा संकीर्ण गलियों में आगमन और प्रस्थान के लिए अलग अलग रास्ता निर्धारित करने, मुख्य सड़क पर बेहतर यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। गया के एसडीएम किसलय श्रीवास्तव ने बताया कि %सभी घाटों पर हर संभव सुविधा बहाल की जा रही है। ट्रैफिक रूट तैयार किया जा रहा है। अभी इसकी घोषणा हुई है। नगर निगम की ओर से 26 घाट पर व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा जिस भी तालाब से जुड़े घाट पर अधिक भीड़ होने की आशंका है। वहां फोर्स और एसडीआरएफ तैनात होंगे। मुजफ्फरपुर जिले में भी छठ को लेकर जिला प्रशासन की तैयारी अंतिम चरण में है। जिले में घाट की संख्या 250 से अधिक है। इसमें 50 से अधिक खतरनाक घाट है। सभी घाटों पर दो से तीन गोताखोर की तैनाती की गई है। इसके अलावा एसडीआरएफ की टीम लगातार पेट्रोलिंग करेगी।

अटल पथ पर व्यवस्था

7 नवंबर को दिन के 11 बजे से रात 8 बजे तक और 8 नवंबर को सुबह 2 से 9 बजे तक अटल पथ से जेपी सेतु और सोनपुर की ओर सामान्य वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। इस समय में सोनपुर, छपरा, हाजीपुर जाना हो तो अशोक राजपथ और रूपसपुर नहर रोड से रामजीचक आरओबी के नीचे से जेपी सेतु होते जा सकते हैं। अटल पथ पर दीघा से आर ब्लॉक की तरफ वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। छठ व्रतियों के वाहन शाम 3 :30 बजे तक जेपी सेतु पूर्वी घाट तक जा सकेंगे। उसके बाद घाट पर आने वाले वाहनों की पार्किंग अटल पथ की पश्चिमी लेन में होगी और वहां से छठव्रती घाट पर पैदल जाएंगे। महापर्व छठ को लेकर गया नगर निगम ने तैयारियों में तेजी ला दी है। इस बार नगर निगम 26 चिह्नित घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं कर रहा है। फल्गु नदी के किनारे वाले घाट पर बेसिक सुविधाएं बहाल की जा रही है। शहर के अंदर तीन घाट खतरनाक है, जो तालाब के किनारे है। इन जगहों पर गहरे पानी का साइनेज लगाने और बैरिकेडिंग करने का आदेश दिया गया है। फिलहाल फल्गु नदी के किनारे वाले घाट पर नगर निगम की ओर से हर दिन साफ सफाई कराई जा रही है।

अभी ट्रैफिक रूट फाइनल नहीं हुआ है। इसकी तैयारी की जा रही है। सभी 26 घाट पर लाइट, चेंजिंग रूम, साफ सफाई और कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। इसका काम चल रहा है।

पिताहमहेश्वर घाट, सीढ़िया घाट और राय बिंदेश्वरी घाट, देव घाट, केंदुई और सूर्यकुंड पर प्रशासन की विशेष नजर है। खास बात यह कि फल्गु नदी में पर्याप्त पानी होने से इस बार व्रतियों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। मेयर गणेश पासवान ने कहा, छठ पूजा लोक आस्था का पर्व है। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि व्रतियों को कोई परेशानी न हो। पूरे शहर में साफ-सफाई के इंतजाम युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। दीपावली के बाद गंदगी को लेकर विशेष सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है।

192 कैमरों से रखी जाएगी गतिविधियों पर नजर, टीम तैनाती

पटना, एजेंसी। शहर के छठ घाटों पर जोर-शोर से तैयारी चल रही है। स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से घाटों की विशेष निगरानी होगी। 192 कैमरों से 24 घाटों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। अधिकतम भीड़-भाड़ वाले इन घाटों पर आधुनिक कैमरों को लगाया गया है। पीटीजेड कैमरे लगे हैं, जिन्हें अपने अनुसार पैन टिल्ट जूम किया जा सकता है। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत घाट पर तैनात अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों को दी जाएगी। कमांड सेंटर से घाटों की निगरानी के लिए विशेष टीम लगाई गई है। इनमें पुलिस-प्रशासन के साथ ही कमांड सेंटर के तकनीकी जानकार भी शामिल हैं। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि कोई भी व्यक्ति सुरक्षा घेरा पार न कर सके। खतरनाक घाटों पर जाने वालों पर भी नजर रखी जाएगी।

इन घाटों की होगी लाइव निगरानी

कलेक्ट्रेट घाट, महेंद्रू घाट, काली घाट, बंसी घाट, बांसघाट, पटना कॉलेज घाट, कृष्णा घाट, गांधी घाट, बड़हरवा घाट, गोलकपुर घाट, लॉ कॉलेज घाट, गुलबी घाट, कच्चा घाट, अटल पथ गोलंबर, 83 और 93 नंबर घाट, सभ्यता द्वार, समादार पार्क, कंगन घाट, कच्ची तालाब, मीनार घाट, नौजर कटरा, पाटीपुल घाट, जेपी सेतु घाट समेत अन्य कई घाट। एनआईटी पर अस्थायी कंट्रोल रूम : छठ महापर्व के अवसर पर गंगा घाटों पर जनसैलाब उमड़ता है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो इसके लिए एनआईटी घाट पर अस्थायी कंट्रोल रूम का निर्माण किया जा रहा है। इस कंट्रोल रूम में जिला प्रशासन और बिहार पुलिस के अधिकारी तैनात रहेंगे।

पटना जिले में इस बार मतदाता सूची में सवा लाख युवा नये मतदाता जुड़ेंगे

पटना , एजेंसी। पटना जिले में इस बार मतदाता सूची में सवा लाख युवा नये मतदाता जुड़ेंगे। 18 साल वर्ष पूरा करने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए जिला प्रशासन सोमवार से जागरूकता अभियान शुरू करेगा। सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक के साथ शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं को मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह अभियान पूरे नवंबर चलेगा। अधिकारियों का कहना है कि पटना जिले में लगभग 49 लाख मतदाता हैं। इस बार सवा लाख युवा मतदाता जुड़ेंगे, जिनकी आयु पहली जनवरी 2025 को 18 साल पूरी हो रही है। यदि अगले विधानसभा चुनाव के पहले सवा लाख नये मतदाता जुड़ जाते हैं तो जिले में मतदाताओं की संख्या 50 लाख से अधिक हो जाएगी।

विशेष अभियान दिवस

मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने या परिवर्तन के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने चार तिथि निर्धारित की है। इनमें 2, 3 , 23, और 24 नवंबर की तिथि तय की गई है। 24 दिसंबर को दावा आपत्ति का निराकरण होगा। छह जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

कुल मतदाताओं की संख्या - 49 लाख 62 हजार 654

पुरुष मतदाताओं की संख्या - 26 लाख , 10 हजार 833

महिला मतदाताओं की संख्या - 23 लाख 51 हजार 653

ट्रांस जेंडर की संख्या - 168

सूची में नाम दर्ज कराने के लिए ऐसे करें आवेदन

मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। यदि ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सकते हैं तो अपने निकटतम मतदान केंद्र पर बीएलओ के संपर्क पर प्रपत्र 6 भर कर दे दें। आपका नाम मतदाता सूची में जुड़ जाएगा। ऑनलाइन आवेदन के लिए विभागीय वेबसाइट तथा वोटर हेल्पलाइन एप का प्रयोग किया जा सकता है। ऑफलाइन आवेदन के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय, अनुमण्डल-प्रखंड निर्वाचन कार्यालय तथा बीएलओ से सम्पर्क किया जा सकता है। साथ ही मतदाता हेल्पलाइन 1950 का प्रयोग कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

विदेशी सैलानी बोले, विश्व धरोहर में शामिल हो विक्रमशिला महाविहार

भागलपुर, एजेंसी। विक्रमशिला महाविहार परिसर रविवार को विदेशी सैलानियों से गुलजार हुआ। आरवी क्लव पांडव क्रूज से कोलकाता से पटना की जल यात्रा के क्रम में 23 विदेशी सैलानियों का जत्था बटेश्वर स्थान पहुंचा। इटली, ऑस्ट्रेलिया, स्विटजरलैंड, अमेरिका और यूके के सैलानियों ने बटेश्वर पहाड़ी पर पत्थर पर उत्कीर्ण मूर्तियों को निहारा। उसके बाद सड़क मार्ग से विक्रमशिला महाविहार पहुंच महाविहार का अवलोकन किया।

चौकीदार पर हमला मामले में फरार आरोपी सहित दो गिरफ्तार

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में चौकीदार पर हमला मामले में मुफस्सिल थाना की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटा के अंदर घटना में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को पूछताछ के बाद पुलिस ने जेल भेज दिया। आरोपितों में शैलेन्द्र राय भी शामिल है। शैलेन्द्र राय मारपीट के मामले में कई दिनों से फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास में पुलिस लगी हुई थी। शनिवार को चौकीदार दिनेश राय को सूचना मिली कि शैलेन्द्र अपने गांव बासमनपुर में आया हुआ है तोतत्काल चौकीदार ने जाकर उसको अपनी अभिरक्षा में ले लिया। इसबीच कुछ लोगो ने शैलेन्द्र को चौकीदार की अभिरक्षा से छुड़ाकर उसको भगा दिया। जहां एसपी के निर्देश के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए शैलेन्द्र के साथ हीं उसको चौकीदार की अभिरक्षा से भगाने में सहभागी रामेश्वर चौरसिया को छापेमारी कर गिरफ्तार किया।

नौ लोगों पर नामजद : थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा है कि कानून को अपने हाथ में लेने वालों के उपर हर हाल में कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के कार्य में हस्तक्षेप करने वाले जेल जाएंगे। कहा कि चौकीदार के अभिरक्षा से आरोपित को भागाने के मामले में आरोपित सहित कुल नौ लोगों पर नामजद और दस अज्ञात के विरुद्ध थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में नामजद और दूसरे अज्ञात आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

सार्थक जुड़ाव के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में दें योगदान: वीसी

गया, एजेंसी। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) में संचालित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) की ओर से गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान स्कूल (एसएमएससीएस) के सहयोग से आयोजित 15 दिवसीय अंतःविषय रिफ्रेशर कोर्स सम्पन्न हो गया। गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान विषयों में हालिया प्रगति पर ऑनलाइन मोड में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में देश के 20 राज्यों से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सीयूएसबी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने शिक्षा और टीम वर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विकसित भारत के विजन, 21वीं सदी की आवश्यक जरूरतों और एनईपी 2020 के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। समग्र विकास पर जोर देते हुए उन्होंने अच्छे व्यक्तित्व, अच्छे नागरिक बनाने और सार्थक जुड़ाव तथा संपर्क के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने शिक्षा, नवाचार और सामाजिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जिससे विश्वविद्यालय के भविष्य के प्रयासों के लिए एक मजबूत स्वर स्थापित हुआ।

समापन समारोह में कार्यक्रम की शुरुआत डीन प्रो रौशन कुमार ने की। सीयूएसबी के सांख्यिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ इंद्रजीत कुमार ने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के 48 सत्रों के इंटरैक्टिव सत्रों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। समापन सत्र के अंतिम दिन एनआईटी जालंधर के निदेशक प्रो. विनोद कुमार कनौजिया ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और भारत 2047 के लिए इसके विजन पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया, जिसका लक्ष्य वर्ष 2047 तक एक परिवर्तित, समावेशी और विश्व स्तर पर सरेखित शिक्षा प्रणाली बनाना है। उन्होंने समग्र विकास के महत्व पर जोर दिया, शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक आयामों में विकास को बढ़ावा दिया।

इस दौरान डॉ. तरुण कुमार त्यागी, निदेशक, एमएमटीटीसी, सीयूएसबी मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

पचास से कम छात्र संख्या वाले स्कूल बंदी की बात पर गरमाई प्रदेश की सियासत, मायावती-प्रियंका हुईं हमलावर

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की कम होती संख्या को लेकर ऐसे विद्यालयों का पास के विद्यालयों में संविलियन (मर्ज) कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत 50 से कम नामांकन वाले विद्यालयों को चिह्नित कर उनके पास के विद्यालय में भेजने को लेकर सभी जिलों में रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है। वहीं जर्जर विद्यालयों को भी एक महीने में ध्वस्त कराने की प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है। इस तरह के निर्देशों के बाद प्रदेश में सियासत गरमा गई है। बसपा सुप्रीमों मायावती और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है।

प्रियंका ने कहा कि यह दलित और पिछड़ों के खिलाफ फैसला

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने 27,764 प्राइमरी और जूनियर स्कूलों को बंद करने का फैसला लिया है। यह कदम शिक्षा क्षेत्र के साथ-साथ दलित, पिछड़े, गरीब और

वंचित तबकों के बच्चों के खिलाफ है। यूपीए सरकार शिक्षा का अधिकार कानून लाई थी जिसके तहत व्यवस्था की गई थी कि हर एक किलोमीटर की परिधि में एक प्राइमरी विद्यालय हो ताकि हर तबके के बच्चों के लिए स्कूल सुलभ हो।कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं का मकसद मुनाफा कमाना नहीं बल्कि जनता का कल्याण करना है। भाजपा नहीं चाहती कि कमजोर तबके के बच्चों के लिए शिक्षा सुलभ हो।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 50 से कम छात्रों वाले बदहाल 27,764 परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने का फैसला उचित नहीं है। ऐसे में गरीब बच्चे आखिर कहां और कैसे पढ़ेंगे। राज्य सरकार को दूसरे स्कूलों में उनका विलय करने के बजाय उनमें जरूरी सुधार करके बेहतर बनाने के उपाय करने चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि यूपी व देश के अधिकतर राज्यों में खासकर प्राइमरी व सेकंडरी शिक्षा का बुरा हाल है। इसकी वजह से गरीब परिवारों के करोड़ों बच्चे अच्छी शिक्षा से दूर होने के साथ सही शिक्षा से भी वंचित हैं। ओडिसा सरकार द्वारा कम छात्रों वाले स्कूलों को बंद करने का फैसला भी अनुचित है। सरकारों की इसी गरीब व जनविरोधी नीतियों का परिणाम है कि लोग प्राइवेट स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाने को मजबूर हो रहे हैं। जैसा कि सर्वे से स्पष्ट है, लेकिन सरकार द्वारा शिक्षा पर समुचित धन व ध्यान देकर इनमें जरूरी सुधार करने के बजाय इनका बंद करना ठीक नहीं है।

बैठक में दी गई है यह जानकारी

हाल ही में प्रदेश के सभी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक व बेसिक शिक्षा अधिकारियों की बैठक में यह जानकारी दी गई कि इस सत्र में बच्चों की संख्या 1.49 करोड़ है। वहीं केंद्र सरकार द्वारा विद्यालयों को पूर्ण रूप से क्रियाशील व औचित्यपूर्ण बनाने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्र ने अपेक्षा की है कि कम नामांकन वाले विद्यालयों का पास के अन्य विद्यालयों में संविलियन (मर्ज) करने की सम्भावना देख ली जाए। 50 से कम नामांकन वाले प्राथमिक विद्यालयों से जुड़ी प्रक्रिया प्राथमिकता पर पूरी की जाए। इसे ध्यान में रखकर कार्ययोजना तैयार की जाए कि उस ग्राम पंचायत में मानक विद्यालय है या नहीं। किस विद्यालय को पास के अन्य विद्यालय में मर्ज किया जा सकता है। बच्चों को कितनी दूरी तय करनी होगी, भवन व शिक्षकों, परिवहन की उपलब्धता, नहर, नाला, सड़क या हाईवे आदि को देखते हुए हर विद्यालय के लिए रिपोर्ट तैयार की जाए।

संक्षिप्त समाचार

जमीन दिखाकर कैप्टन से हड़पे 36 लाख रुपये, पुलिस ने किया गिरफ्तार-भेजा जेल

गोरखपुर , एजेंसी। जीडीए की तरफ से मानबेला, फत्तेपुर में अधिग्रहित की गई जमीन को बेच कर मर्चेंट नेवी के कैप्टन से 36 लाख रुपये हड़पने के दो आरोपियों को चिलुआताल पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। फ्राड करने वाले दोनों आरोपी पिता-पुत्र हैं। कोर्ट में पेश करने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया। रासीनगर फेज 1 के आनंद विहार कॉलोनी निवासी अखिलेश सिंह मर्चेंट नेवी में कैप्टन हैं। उन्होंने मई में चिलुआताल पुलिस को तहरीर देकर बताया कि फत्तेपुर निवासी शाबान पुत्र असगर अली और मो. आलमगीर पुत्र शाबान अली ने मानबेला फत्तेपुर में जीडीए द्वारा अधिग्रहित जमीन को दिखा कर वर्ष 2019 में कई बार में 36 लाख रुपये वसूल लिए। पैसे देने के बाद वह ड्यूटी चले गए। एक साल बाद जब आए तो पता चला कि पिता पुत्र द्वारा दिखाई गई जमीन को जीडीए द्वारा वर्ष 2005 में ही अधिग्रहण कर लिया गया है। तब उन्होंने दोनो से अपने रुपये मांगे। वह टालमटोल करने लगे। इस तरह से चार साल हो गया। अब रुपये मांगने पर दोनो जानमाल की धमकी दे रहे है। पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, गबन समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर उनकी तलाश कर रही थी। रविवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

संदिग्ध हालत में कंपाउंडर की गई जान, मौत से पहले का वीडियो हुआ वायरल

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना सदर क्षेत्र के रहने वाले कंपाउंडर की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिवार के लोगों ने कुछ युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। वहीं मौत से पहले का एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

रविवार शाम को लापता हुआ था कंपाउंडरः सदर थाना क्षेत्र के सोहल्ला से रविवार शाम को लापता कंपाउंडर करण सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि शाहगंज के बारह बीघा इलाके में कुछ युवकों ने मारपीट करके करण को नाले में फेंक दिया था। कुछ युवकों ने करण को नाले से बाहर निकाल लिया था। जिसके बाद करण ने पास में लगे नल से कपड़ों पर लगी गंदगी साफ की, इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में रविवार शाम को सराय ख्वाजा चौकी पर मारपीट की शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन करण का कुछ भी पता नहीं चला। परिजनों ने बताया कि सोमवार सुबह 7:45 बजे एक ई-रिक्शा चालक करण का शव घर लेकर पहुंचा तो परिवार वालों के होश उड़ गए। सूचना मिलती ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आगरा विश्वविद्यालय को टॉप ग्रेड मिलने की उम्मीद, इसी सप्ताह आ जाएगी रिपोर्ट

आगरा , एजेंसी। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से टॉप ग्रेड मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट इसी सप्ताह आने की बात कही जा रही है। बीते सप्ताह नैक की टीम शैक्षणिक मानक और संसाधनों का सर्वे कर रिपोर्ट ले गई है। मानकों के आकलन के बाद नैक ग्रेड प्रदान करती है। इसमें सात ग्रेड होती हैं, जिसमें ए++ टॉप ग्रेड है।

बी++ ग्रेड है अभीः अभी विश्वविद्यालय के पास बी++ ग्रेड है। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन को ए++ ग्रेड के लिए मानक विकसित करने का लक्ष्य दिया था। दीक्षांत समारोह में भी इसके लिए आगाह किया। नैक की 7 सदस्यीय टीम ने 24-26 अक्तूबर को विश्वविद्यालय का सर्वे किया। इसमें शोध कार्य, पुस्तकालय, संग्रहालय, खेलकूद संसाधन, नवाचार, संचालित पाठ्यक्रम समेत अन्य का निरीक्षण कर रिपोर्ट बनाई। इसकी रिपोर्ट 10 नवंबर तक आने की उम्मीद है।

टॉप ग्रेड मिलने की आसः विश्वविद्यालय प्रशासन को सर्वे के दौरान शैक्षणिक मानकों पर टीम की सराहना को देखते हुए टॉप ग्रेड मिलने की आस है। ऐसा होने से विश्वविद्यालय की छवि में सुधार होगा और अन्य राज्यों के छात्र-छात्राएं भी पढ़ाई के लिए प्रेरित होंगे।

यूपी में वकीलों की हड़ताल; गाजियाबाद में वकील धरने पर बैठे, झांसी में कामकाज ठप; सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद कोर्ट में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के बाद प्रदेश के सभी जिलों के वकील अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। गाजियाबाद में जिला बार एसोसिएशन का मुख्य गेट धरना स्थल बनाया गया है। जहां पर सभी धरना दे रहे हैं। कोर्ट की तरफ आने वाले सभी गेट बंद कर दिए गए हैं।

गाजियाबाद की जिला जज कोर्ट से दूसरे कोर्ट में केस ट्रांसफर के आमला को लेकर हुऐ विवाद के वाद वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में दोषी अफसरों पर करवाई की मांग को लेकर आज जिला अधिवक्ता संघ ने काम बंद कर हड़ताल पर हैं। इतना ही नहीं जोरदार प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट में प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। गाजियाबाद की जिला कोर्ट में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज कार्रवाई के विरोध में अधिवक्ताओं की हड़ताल शुरू हो गई है। बार सभागार में अधिवक्ता धरने पर बैठ गए हैं।

यूपी में मौसम ने अचानक ली करवट, घने कोहरे से विजिबिलिटी कम हुई, लाइट जलाकर गुजरे वाहन

लखनऊ , एजेंसी। दीपावली के बाद मौसम ने अचानक करवट ले ली है। हल्की ठंड शुरू हुई तो सोमवार से मौसम पूरी तरह से बदल गया। सुबह से प्रदेश के कई जिलों में घना कोहरा छा गया जिस कारण गाड़ियों की रफ्तार धीमी हो गई। सबसे ज्यादा कोहरा ग्रामीण इलाकों में रहा जबकि शहरों में थोड़ी राहत है और लोग हेड लाइट को जलाकर अपने गंतव्य की ओर गए।

इस बार गर्मी ने अपने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। दशहरे से शुरू होने वाली ठंडी दिवाली तक भी नही आ सकी।दिवाली के बाद से अचानक मौसम बदलने लगा और ठंड का एहसास होने लगा। सोमवार सुबह मौसम अचानक पूरी तरह से बदल गया और घना कोहरा छा गया है।

मौसम में आए बदलाव का असर परिवहन पर पड़ा है। कोहरा छाए रहने के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई है। गोंडा -बलरामपुर, उतरौला सादुल्लाहनगर, पचपेड़वा गैसड़ी के साथ ही तुलसीपुर मार्ग पर भी कोहरे के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कोहरे के बीच से होकर लोग आ जा रहे हैं। साथ ही पछुआ हवाओं के कारण मौसम भी ठंडा

हो गया है।

सुल्तानपुरः कोहरे की दस्तक, जनजीवन प्रभावित : ठंड में इस बार सोमवार की सुबह ठीकठाक कोहरा पड़ा। सुबह आठ बजे तक दृश्यता कम रही, जिसकी वजह से वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। दैनिक कामकाज भी प्रभावित हुआ। खासकर ग्रामीण अंचल में कोहरे का ज्यादा असर देखने को मिला। वहां सुबह साढे नौ बजे तक कोहरा छाया रहा। अभी कोहरे से फसलों पर खास प्रभाव नहीं पड़ा है, लेकिन लगातार कोहरा पड़ा तो धान के साथ-साथ साग सब्जी की फसलें प्रभावित हो सकती हैं।

पूर्व कर्मचारी की मुखबिरी पर हुई थी 45.40 लाख की चोरी,5 गिरफ्तार- पुराना नौकर बना था विभीषण

गोरखपुर, एजेंसी। कोतवाली थाना इलाके में दुर्गाबाड़ी स्थित खाटू श्याम इंटरप्राइजेज के गोदाम से चोरी का पर्दाफाश पुलिस ने कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, पूर्व कर्मचारी मुखबिरी पर चोरी की गई थी। 45.40 लाख रुपये, सोने व चांदी के सिक्के चुराने वाले गिरोह के सरगना हिस्ट्रीशीटर सुल्तान उर्फ राजू व एक बाल अपचारी समेत पांच आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया।

मऊ, जौनपुर व गोरखपुर के रहने वाले आरोपियों के कब्जे से 36.61 लाख रुपये, एक सोने व दो चांदी के सिक्के, घटना में प्रयुक्त स्कूटी, बाइक व पांच मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि पूर्व कर्मचारी (बाल अपचारी) की मुखबिरी पर चोरी हुई थी। गोदाम में रुपये होने की सूचना देने व बदमाशों की मदद करने वालों की पुलिस तलाश कर रही है।

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने रविवार की दोपहर पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता कर घटना का पर्दाफाश किया। उन्होंने बताया कि दाउदपुर के अंबेश्वरी पैलेस में रहने वाले अविरल मोदी ने 22

अक्तूबर को कोतवाली थाना पुलिस को बताया था कि दुर्गाबाड़ी स्थित खाटू श्याम इंटरप्राइजेज में वह पार्टनर हैं।

गोदाम के कैश बॉक्स में तीन दिन में हुई बिक्री के 45.40 लाख रुपये, आठ सोने व 31 चांदी के सिक्के थे। 21 अक्तूबर की भोर में तीन बजे चार की संख्या में पहुंचे चोर शटर का ताला तोड़कर अंदर घुसे। कैश बॉक्स में रखे रुपये व सोने-चांदी के सिक्के लेकर फरार हो गए। केस दर्ज कर तलाश में जुटी कोतवाली पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम ने सर्विलांस और सीसी कैमरे की मदद से छानबीन शुरू की।

जांच में पता चला कि दुकान में काम करने वाले पूर्व कर्मचारी की मुखबिरी पर रामगढ़ताल के कांशीराम आवास योजना में रहने वाले सुल्तान उर्फ राजू ने अपने साथियों संग वारदात को अंजाम दिया है।

सुल्तान को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने साथियों का नाम बताए, जिसके बाद घटना में शामिल मऊ जिले के मधुबन, हृदयपट्टी के मूल निवासी व शाहपुर के रासीनगर के गंगा टोला में रहने वाले राजकुमार सिंह उर्फ टिंकू, जौनपुर के बक्सा, गोविंदपुर में रहने वाले आदर्श मिश्रा, चिलुआताल के नकहा नंबर दो गिदहवा में रहने वाले रामरक्ष उर्फ तेजू के साथ ही मुखबिरी करने वाले कर्मचारी को पकड़ा गया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी के 36.61 लाख रुपये बरामद हुए।

गले में टॉफी फंसने से कानपुर में बच्चे की मौत के बाद बेहाल मां की भी हालत खराब

- फ्रूटोला नाम की किंडरजॉय की तरह बाजार में बिकने वाली टॉफी खाने से हुई बच्चे की मौत
- बच्चों के गम में मां कई बार हुई बेहोश ,बाबा और दादी की भी हालत खराब

सुनील बाजपेई

कानपुर। गले में टॉफी फंसने से हुई 4 साल के बच्चे की मौत के गम में बेहाल उसकी मां की हालत भीखराब हो चली है वह कल से लेकर आज सोमवार को भी कई बार बेहोश हुई। लगभग यही हाल उसके बुजुर्ग बाबा और दादी का भी है।

यह हृदय विदारक घटना यहां बर्रा जरौली फेस-1 में रहने वाले राहुल कश्यप के 4 साल की बेटे के साथ हुई।

उन्होंने अपने 4 साल के बेटे अन्वित के लिए रविवार शाम को मोहल्ले की एक दुकान से फ्रूटोला नाम की किंडरज्वॉय की तरह बाजार में बिकने वाली टॉफी खरीदी थी, जिसे खाते ही टॉफी बच्चे के गले में फंस गई और उसको सांस लेने में दिक्कत होने लगी।इसके बाद मां सोनालिका ने पानी पिलाया तो टॉफी गले के और अंदर जाकर फंस गई। इससे सांस लेने में ज्यादा तकलीफ होने पर माता-पिता बच्चे को पास के एक निजी अस्पताल और वहां से दूसरे अस्पताल ले गए। करीब 3 घंटे तक बच्चा तड़पता रहा,लेकिन बच्चे को सही इलाज नहीं मिल सका और उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद उसकी मां की हालत सबसे ज्यादा खराब है और लगभग यही हाल उसके बुजुर्ग बाबा और दादी का भी है। बेटे के वियोग में बेहाल मां सोनालिका तो घटना के बाद से लेकर आज सोमवार को भी कई बार रोते-रोते बेहोश भी हो गई। कोई दूसरी ओर बदरा पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम कराए जाने से इनकार करने पर बच्चों के शव को परिजनों के हवाले करने के साथ ही मामले की जांच भी की जा रही है।

बालिका हत्याकांड में पुलिस ने 17 वर्षीय किशोर को हिरासत में लिया

आगरा , एजेंसी। आगरा के मलपुरा में 8 साल की बालिका के हत्याकांड से रविवार को भी पर्दा नहीं उठ सका। पुलिस ने 17 वर्षीय किशोर को हिरासत में लिया था। मगर, उससे पूछताछ में हत्या का कारण अब तक पता नहीं चला है। बालिका के कपड़े और चप्पल के लिए रविवार को नहर किनारे छानबीन की गई। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर दोबारा जाकर जांच की। आरोपी से पूछताछ के लिए मनोवैज्ञानिक की भी मदद ली जा रही है।

झाड़ियों में मिली थी लाश

बालिका बृहस्पतिवार शाम को लापता हुई थी। शुक्रवार को शव न्यू दक्षिणी बाईपास के समीप झाड़ियों में बोरे में मिला। मुंह में कागज और नमकीन का पाउच ठूंसा गया था। परिजन ने दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जाहिर की थी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों के आधार पर एक किशोर को पकड़ा। दो दिन से पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

हत्या की बात स्वीकार की

पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसने हत्या करना कबूल कर लिया है। मगर, वजह अब तक नहीं बताई है। पुलिस को आशंका है कि हत्या के बाद बालिका के कपड़ों और चप्पलों को नहर में फेंका गया होगा। रविवार को पुलिस टीम ने नहर के आसपास छानबीन की। कपड़ों और चप्पलों की तलाश की गई, लेकिन नहीं मिले। पुलिस गांव में लगे अन्य सीसीटीवी फुटेज से भी सुराग तलाशने के प्रयास में लगी है। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। सभी बिंदुओं पर पड़ताल में टीम लगी है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

रामतरंग: संगीत के जरिए पहुंचेगी अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत

जन्मोत्सव से प्रभु श्रीराम की गाथा का पूरा सफर

संत कबीर नगर , एजेंसी। भव्य राम मंदिर निर्माण के बाद कई कलाप्रेमियों और संगठनों ने राम चरित्र को सुमधुर भक्ति गीतों को सुरों में पिरोया है। अब ऐसा ही एक प्रयास एलबम रामतरंग बनाकर पर्यटन विभाग की अयोध्या संरक्षण एवं विकास समिति ने भी किया है। खास बात यह है कि भगवान राम पर बने इस एलबम में संतकबीरनगर के जिलाधिकारी ने भी अपना योगदान दिया है।

अयोध्या के मंडलायुक्त गौरव दयाल के निर्देशन में बने रामतरंग में प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र को देश के जानेमाने संगीतकारों ने सुरों में संजोया है। रविवार को रामतरंग का आधिकारिक विमोचन अयोध्या के कमिश्नर ने किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि एलबम से युवाओं को राम चरित्र से परिचित कराया जा सकेगा। साथ ही लोग अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को जानेंगे और खुद को जोड़ेंगे।

कमिश्नर गौरव दयाल की अवधारणा पर तैयार इस एलबम में संतकबीरनगर के डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने भी मुख्य भूमिका निभाई है। महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि इस एलबम में राम चरित्र से प्रेरित 14 खूबसूरत गीत हैं। एलबम के भक्ति गीत सोशल मीडिया और यू ट्यूब पर काफी लोकप्रिय हो रहे हैं।

रामतरंग एल्बम में कुल 14 गाने हैं। जय जय हनुमंताय नमः गीत कैलाश खेर ने लिखा और इसे गाया भी है। राम जन्म गीत गायक अरिजीत सिंह ने गाया है, जबकि महेंद्र सिंह तंवर(एमएसटी) ने इस गाने को लिखा है। ऐसे ही, माता शबरी व प्रभु श्रीराम के मिलन के वर्णन का गीत कविता कृष्णमूर्ति ने गाया है और इस गाने को भी एमएसटी ने लिखा है। सिया

और राम की प्रेम कहानी गाने को असीस कौर-गोल्डी ने गाया है, इसे लिखा एमएसटी ने है। कण- कण में व्याप्त प्रभु श्रीराम का वर्णन गीत शेखर रवजियानी ने गाया है और इसे एमएसटी ने लिखा है। ऐसे ही, रामसेतू निर्माण की गाथा तनिष्क बागची और इसे भी एमएसटी ने लिखा है। जबकि इस श्रंखला में अंतिम गीत जो एमएसटी ने लिखा है वो प्रभु श्रीराम की महिमा का वर्णन गीत है। इसे असित ने गाया है। इसके अलावा जावेद अली, कर्तिक कुश, सीजर, बी प्राक, सोनू निगम, बादशाह, पायल देव ने भी एल्बम में अपनी आवाज दी है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

यूपी, पंजाब, केरल में उपचुनाव की तारीख बदली

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल में होने वाले विधानसभा उपचुनाव की तारीख बदल गई है। चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि तीनों राज्यों की 14 विधानसभा सीटों पर अब 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को वोटिंग होगी। रिजल्ट 23 नवंबर को ही आएंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक उत्तर प्रदेश की 9, पंजाब की 4 और केरल की 1 विधानसभा सीटों पर अब 20 नवंबर को वोटिंग होगी। तारीखों में बदलाव भाजपा, कांग्रेस, RLD और बसपा की मांग पर की गई है। इन पार्टियों का कहना था कि 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा और गुरुनानक देवजी का प्रकाश पर्व है। वहीं, केरल में 13 से 15 नवंबर तक कलपाथि रास्थोलसेवम मनाया जाएगा। इससे वोटिंग पर असर पड़ता। 20 नवंबर को ही महाराष्ट्र विधानसभा की 288 और झारखंड की 38 सीटों पर चुनाव होंगे। इसके अलावा महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर इसी दिन उपचुनाव है। 11 राज्यों की 33 सीटों पर तारीख में बदलाव नहीं चुनाव आयोग के आज की घोषणा में 11 राज्यों की 33 सीटों पर तारीख में बदलाव नहीं किया गया है। यानी यहां 13 नवंबर को ही वोटिंग होगी। इसी दिन झारखंड विधानसभा की 43 सीटों पर मतदान होंगे। इसके साथ ही केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर भी उपचुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र-झारखंड के साथ 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों की घोषणा की थी। क्यों खाली हुई सीटें: 42 सांसद बने, 3 का निधन 48 विधानसभा सीटों में से 42 के विधायक सांसद बने हैं। इनमें सबसे ज्यादा कांग्रेस के 11, भाजपा के 9, सपा- टीएमसी के 5-5 और अन्य दलों के 12 विधायक शामिल हैं। बाकी 6 में से तीन सीटें निधन से खाली हुईं। सपा विधायक के जेल जाने से, सिक्किम में 2 के इस्तीफे और मध्य प्रदेश में एक विधायक के पार्टी बदलने से सीट खाली हुई। केरल की वायनाड सीट राहुल गांधी के इस्तीफे और महाराष्ट्र की नांदेड़ सीट कांग्रेस सांसद के निधन से खाली हुई है।

ईरान में निर्वस्त्र होकर घूमने वाली छात्रा गिरफ्तार

तेहरान। ईरान के आजाद विश्वविद्यालय में हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन करने पर युवती के गिरफ्तारी के मामले में संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र की विशेष रिपोर्टर माओ सतो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर घटना का वीडियो शेयर करते हुए कहा कि वे इस मामले पर करीब से नजर रखेंगी। ईरान में

महिला अधिकारों के लिए आन्दोलन करने पर जेल में बंद मानवाधिकार कार्यकर्ता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी ने जेल से बयान जारी कर कहा कि महिलाएं अपने विरोध की कीमत चुकाती हैं। कपड़े उतारकर विरोध करने वाली युवती को उन्होंने विद्रोह, गुस्से और विरोध का प्रतीक बताया और उसकी रिहाई की मांग की। एमनेस्टी ईरान ने भी छात्रा की तुरंत रिहाई की मांग की है और अधिकारियों से निवेदन किया है कि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। एमनेस्टी ने कहा, "युवती को प्रताड़ना और दुर्व्यवहार से सुरक्षा मिलनी चाहिए और उसे अपने परिवार और वकील से मिलने दिया जाए।" ईरान की राजधानी तेहरान में एक छात्रा के निर्वस्त्र होकर घूमने का मामला सामने आया था। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक यह घटना शनिवार को तेहरान की आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड रिसर्च में हुई। यहां यूनिवर्सिटी की एक छात्रा ने यौन उत्पीड़न के खिलाफ प्रोटेस्ट में अपने कपड़े उतार दिए थे। निर्वस्त्र घूमने के कुछ देर बाद ही ईरानी पुलिस ने छात्रा को हिरासत में ले लिया था। हिरासत में लेने के दौरान छात्रा के साथ मारपीट भी हुई थी।

अमेरिकी चुनाव में गिलहरी की मौत का मुद्दा

नई दिल्ली। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से 2 दिन पहले एक गिलहरी चुनावी कैंपेन में चर्चा का विषय बन गई है। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हुई 'पीनट' नाम की गिलहरी को न्यूयॉर्क में अधिकारियों ने शनिवार (2 नवंबर) को मार दिया। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, गिलहरी को उसके मालिक के घर पर रेड के

दौरान पकड़ा गया था। अधिकारियों को कई बार शिकायतें मिली थीं कि मार्क लॉन्गो नाम के एक शख्स ने एक गिलहरी और रैकून को पाला हुआ है। इन जानवरों में रेबीज जैसी बीमारी के लक्षण दिखे हैं। बार-बार शिकायत आने के बाद अधिकारियों ने 30 अक्टूबर को मार्क के घर पर छापा मारा। वेंस बोले- पीनट की मौत से ट्रम्प उदास CBS न्यूज ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि रेबीज का टेस्ट करने के लिए दोनों जानवरों को मार दिया गया। इनके संपर्क में दूसरे जानवरों और लोगों के भी टेस्ट किए जा रहे हैं। गिलहरी की मौत के बाद से राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प और उनके उप-राष्ट्रपति पद के दावेदार जेडी वेंस ने इसे चुनावी मुद्दा बना दिया है। वेंस ने कहा कि पीनट की मौत बाइडेन सरकार की प्राथमिकता का सबूत हैं। ट्रम्प को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, उन्हें बेहद बुरा लगा। यह वही सरकार है जो हजारों गैरकानूनी प्रवासियों को हर साल देश में घुसने देती है, और अब वे चाहते हैं कि हम पालतू जानवरों को भी पास न रखें।

अमृतसर-दिल्ली की हवाएं लाहौर में प्रदूषण का कारण, डिप्लोमैटिक लिंक करेगा प्रयोग

अमृतसर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बसे लाहौर में गंभीर वायु प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए लॉकडाउन शुरू कर दिया गया है। यहां स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं, पाक पंजाब सरकार सोमवार को पाकिस्तान सरकार को खत लिखेगी, ताकि डिप्लोमैटिक चैनल का प्रयोग कर भारत पर दबाव बनाया जा सके। पंजाब प्रांत की मंत्री मरियम औरंगजेब ने लाहौर की इस स्थिति का आरोप एक बार फिर भारत पर लगा दिए हैं। मरियम औरंगजेब ने कहा कि आज लाहौर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 1000 से

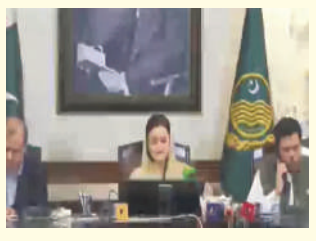

अधिक तक पहुंच चुका है और हवा का रुख इस समय अमृतसर- चंडीगढ़ की ओर से लाहौर की ओर है। उन्होंने बताया कि भारत से आने वाली पूर्वी हवाओं की रफ्तार तेज है, जिससे लाहौर में प्रदूषण स्तर बढ़ रहा है। इसका AQI फिर से 1173 तक पहुंच गया है। अगर हवा का रुख पाकिस्तान से भारत की तरफ हो तो एक्यूआई 500 के करीब भी पहुंच रहा है। मरियम औरंगजेब ने कहा कि दिल्ली से शुरू हुआ यह प्रदूषण लाहौर के वायुमंडल को घेर लेता है और साल के 365 में से 220 दिन लाहौर का वायु गुणवत्ता स्तर नकारात्मक रहता है। अगले एक सप्ताह तक हवा का रुख लाहौर की तरफ ही रहने की संभावना है, जिस कारण प्रदूषण में और बढ़ोतरी हो सकती है।

लश्कर कमांडर के एनकाउंटर के लिए 9 घंटे प्लानिंग

श्रीनगर। 2 नवंबर को ढेर हुए लश्कर के टॉप कमांडर उस्मान के एनकाउंटर को लेकर सेना ने नए खुलासे किए हैं। सेना ने बताया कि कैसे 8 साल से घाटी में एक्टिव मोस्ट वांटेड आतंकी को ढेर करने के लिए कुछ बिस्किट ने अहम भूमिका निभाई PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, सेना को इनपुट मिला था कि उस्मान श्रीनगर के खान्यार इलाके के भीड़भाड़ वाले इलाके में रह रहा है। सूचना मिलते ही सेना ने श्रीनगर पुलिस के साथ मिलकर उस्मान को ढेर करने के लिए 9 घंटे तक प्लानिंग की। सेना-पुलिस जवान 2 नवंबर को सुबह की नमाज के पहले खान्यार के उस इलाके में पहुंचे, जहां उस्मान छिपा हुआ था। सेना ने 30 घरों को खाली कराया और घेराबंदी की। गली के कुत्तों के भौंकने से उस्मान अलर्ट न हो जाए, इसलिए जवानों ने उन कुत्तों को बिस्किट खिलाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बिस्किट खिलाने से कुत्ते पूरे ऑपरेशन के दौरान शांत रहे, जिस कारण उस्मान को भनक नहीं लगी कि जवान उसके घर के करीब पहुंच गए हैं।

कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानियों का हमला

एजेंसी, ओटावा।

कनाडा के ब्रैम्पटन में रविवार को हिंदू सभा मंदिर में आए लोगों पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया। हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने मंदिर में मौजूद लोगों पर लाठी-डंडे बरसाए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। घटना के बाद से इलाके में तनाव है। भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है। पील रीजनल पुलिस चीफ निशान दुरईप्पा ने लोगों से संयम बरतने की अपील की है। कनाडा में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ और मारपीट की घटना पर भारत ने भी चिंता जताई है। ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने इसे लेकर बयान भी जारी किया है। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में भारत विरोधी

लाठी-डंडों से श्रद्धालुओं को पीटा, इंडियन एम्बेसी बोली- हम अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित

तत्वों ने हिंसा की। हम भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए बेहद चिंतित हैं। केंद्रीय मंत्री रणवीर सिंह बिट्टू ने कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हमला की निंदा की है। उन्होंने कहा कि PM ट्रूडो ने लोगों को बांट दिया है। पिछले कुछ दिनों से जो खबरें आ रही हैं, वह किसी एक धर्म की नहीं हैं। चाहे हिंदू हों, सिख हों या कोई और ट्रूडो ने सभी को बांट दिया है। कनाडा में पहले भी हो चुके हैं हिंदू मंदिरों पर हमले कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में उच्चायोग ने हिंदू सभा मंदिर के बाहर कॉन्सुलर कैंप लगाया था। यह कैंप भारतीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगा था। इसमें जीवन प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के 40 साल पूरे होने को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे खालिस्तानी वहां पहुंचे और उन्होंने लोगों पर हमला कर दिया। कनाडा में पिछले कुछ समय से हिंदू मंदिरों और समुदाय के लोगों को निशाना बनाए जाने से भारतीय समुदाय चिंतित है। पिछले कुछ सालों में ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा में बाकी जगहों पर हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया है।

पाकिस्तान ने LoC के पास होवित्जर तोप की टेस्टिंग की

एजेंसी, इस्लामाबाद।

♦ चीन की मदद से यह तैयार हुई, 30km तक दाग सकती है गोले

पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल (LOC) के पास 155 MM ट्रक-माउंटेड होवित्जर तोपों समेत दूसरे हथियारों की टेस्टिंग की है। हालांकि, ये टेस्टिंग कब हुई इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक अधिकारियों ने कहा कि 155 MM तोप को चीनी की रक्षा कंपनी की देखरेख में एक खाड़ी देश की मदद से तैयार किया है। इसे हाल ही में LoC के पास देखा गया था। 155 MM तोप SH-15 होवित्जर का वर्जन है, जो 'शूट एंड स्कूट' (शूट करो और भागो) के लिए जानी जाती हैं। होवित्जर 155 MM तोप को लेकर जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक यह कई तरह के हथियारों से हमला करने में काबिल है। यह 30 किमी दूर तक हमला कर सकती है और एक मिनट में 6 गोले तक दाग सकती है। M109 तोप की भी टेस्टिंग हुई, 40 सेकेंड में 6 गोले दाग सकती है जिन हथियारों की टेस्टिंग हुई है, उनमें एडवांस M109 तोप भी शामिल है। यह 24 किलोमीटर दूर तक हमला कर सकती है और 40 सेकेंड में 6 गाले दाग सकती है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान को M 109 पश्चिमी देशों से मिली थी। वह इसके एडवांस वर्जन की टेस्टिंग कर रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, हथियारों को डेवलप करने में तुर्की ने पाकिस्तान की काफी मदद की है। तुर्की की रक्षा कंपनी FNSS ने पाकिस्तान को एडवांस 105 MM तोप दी है। यह हाई रेंज गोले दागने में सक्षम है। चीन की मदद से LoC पर सैन्य क्षमताएं बढ़ा रहा पाकिस्तान अधिकारियों ने बताया कि चीन LoC पर पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने में मदद कर रहा है। पाकिस्तान चीन की मदद से सीमा पर बंकर निर्माण, ड्रोन, फाइटर जेट्स, हाई रेंज कम्युनिकेशन सिस्टम तैयार कर रहा है।

स्पेन के राजा-रानी पर लोगों ने कीचड़ फेंका, PM सांचेज की गाड़ी पर भी हमला

बाढ़ न रोक पाने से लोग नाराज

एजेंसी, मैड्रिड।

स्पेन में बाढ़ प्रभावित वेलेंसिया इलाके का दौरा करने गए किंग फिलिप और उनकी पत्नी क्वीन लेटिजिया पर लोगों ने कीचड़ फेंका। BBC के मुताबिक वहां मौजूद लोगों ने 'हत्यारे' और 'शर्म करो' के नारे भी लगाए। किंग फिलिप के साथ स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज भी मौजूद थे। लोग उनसे पूछ रहे थे कि बाढ़ को रोकने के लिए नेताओं ने पहले से कुछ क्यों नहीं किया। भीड़ को रोकने के लिए पुलिस को आगे आना पड़ा। हमले में सुरक्षा में तैनात दो गार्ड्स घायल हो गए। उनके माथे से खून बहता देखा गया। इसके बाद स्पेन किंग और PM को अपना दौरा अधूरा छोड़कर वापस राजधानी लौटना पड़ा। इस दौरान लोगों ने PM की गाड़ी पर भी हमला किया। स्पेन हालिया इतिहास में आई सबसे बड़ी बाढ़ से जूझ रहा है। बाढ़ में कम से कम 217 लोगों की मौत हो गई है। 8 घंटे में 1 साल के बराबर बारिश, 50 साल का रिकॉर्ड टूटा स्पेन के पूर्वी शहर वेलेंसिया में 29 अक्टूबर को सिर्फ 8 घंटे में सालभर जितनी बारिश हो गई थी। इससे अचानक बाढ़ आ गई, जिससे कई लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने का मौका नहीं मिला पाया। वेलेंसिया सांसद खुआन बोर्डेरा ने कहा है कि राजा फिलिप का बाढ़ग्रस्त इलाके का दौरा करना एक 'बहुत बुरा फैसला' था। लोग बहुत गुस्से में थे। अधिकारियों ने इसे लेकर उन्हें चेतावनी दी थी कि लेकिन उन्होंने उनकी बात नहीं सुनी। BBC के मुताबिक, स्पेन में इससे पहले साल 1973 में सबसे बड़ी बाढ़ आई थी। तब 150 लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले 1957 में वैलेंसिया शहर में भीषण बाढ़ आई थी, इसमें 81 लोगों की मौत हो गई थी।

BJP के बागी नेता गोपाल शेट्टी ने नामांकन वापस लिया, बोरीवली से निर्दलीय पर्चा भरा था

एजेंसी, मुंबई।

महाराष्ट्र में नामांकन वापसी का आखिरी दिन

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नामांकन वापसी के आखिरी दिन भाजपा के बागी और पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने निर्दलीय चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। सोमवार सुबह बोरीवली सीट उन्होंने नामांकन वापस ले लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा के जनरल सेक्रेटरी विनोद तावड़े से मीटिंग के बाद शेट्टी ने नामांकन वापसी का फैसला लिया है। शेट्टी ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी चर्चा की थी। दरअसल, भाजपा ने बोरीवली सीट से संजय उपाध्याय को टिकट दिया था, जिससे नाराज होकर 29 अक्टूबर को नामांकन के आखिरी दिन उन्होंने नॉमिनेशन किया था। उन्होंने कहा था कि मैंने यह फैसला टिकट की चाहत में नहीं, बल्कि स्थानीय कार्यकर्ताओं की चिंता को लेकर लिया है। कार्यकर्ताओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा था। नाम वापसी के आखिरी दिन महाविकास अघाड़ी और महायुति अपने-अपने बागी उम्मीदवारों को मनाने में जुटी है। शिवसेना और NCP में टूट के चलते इस बार 6 बड़े दल मैदान में हैं। यही कारण है कि बागी भी ज्यादा हैं। प्रदेश की लगभग हर सीट पर बागी हैं। इस बार 7,995 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। 6 पार्टियां चुनाव मैदान में, लगभग हर सीट पर बागी शिवसेना और NCP में बगावत के चलते इस बार छह बड़े दल मैदान में हैं। इसी वजह से बागी भी ज्यादा हैं। प्रदेश की लगभग हर सीट पर बागी हैं। सबकी निगाह अब नाम वापसी की आखिरी तारीख, 4 नवंबर पर है। उसके बाद ही पता चलेगा कि लड़ाई कैसी होगी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के पहले सत्र में हंगामा

PDP विधायक ने 370 हटाने के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया, भाजपा का विरोध

एजेंसी, श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर में सोमवार को विधानसभा सत्र का पहला दिन हंगामे के साथ शुरू हुआ। दरअसल, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) के विधायक वाहिद पारा ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को खत्म करने के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। इसके विरोध में भाजपा विधायकों ने सदन में जमकर हंगामा किया। कुछ विधायक वेल में भी पहुंच गए। इस पर स्पीकर रहीम अब्दुल राथर ने कहा कि उन्होंने अभी तक ऐसे किसी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है। मुख्यमंत्री उमार अब्दुल्ला ने कहा कि, 'सदन 370 पर कैसे चर्चा करेगा। इसका फैसला कोई एक सदस्य नहीं लेगा। आज लाए गए प्रस्ताव का कोई महत्व नहीं है। अगर इसके पीछे कोई उद्देश्य होता, तो PDP के विधायक पहले हमसे इस पर चर्चा करते।' अब्दुल्ला ने कहा- भाजपा से अनुच्छेद 370 को बहाल करने की उम्मीद करना मूर्खता है। हमें पता था कि 370 पर एक प्रस्ताव आने वाला है। वास्तविकता यह है कि जम्मू-कश्मीर के लोग केंद्र सरकार के 5 अगस्त, 2019 को लिए गए निर्णय को स्वीकार नहीं करते हैं। अगर उन्होंने इसे स्वीकार किया होता, तो आज परिणाम अलग होते। हंगामे से पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के सीनियर विधायक अब्दुल रहीम राथर को स्पीकर पद के लिए चुन लिया गया है। प्रोटेम स्पीकर मुबारक गुल ने राथर के नाम का प्रस्ताव पेश किया, जो पास भी हो गया है। राथर सातवीं बार विधायक बने हैं और केंद्र शासित प्रदेश की पहली विधानसभा में सबसे उम्रदराज विधायक हैं। रविवार को CM उमर अब्दुल्ला ने विधायक दल की बैठक बुलाई थी, जिसमें राथर को स्पीकर बनाने का फैसला किया गया था। मीटिंग में कांग्रेस, CPI (M), आम आदमी पार्टी और निर्दलीय विधायक पहुंचे थे। डिप्टी स्पीकर का पद भाजपा को मिल सकता है अब्दुल्ला सरकार डिप्टी स्पीकर का पद भाजपा को दे सकती है। हालांकि, अब तक सरकार की ओर से भाजपा को इससे जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी गई है। आज होने वाली बैठक में इस पर भी फैसला हो सकता है। वहीं रविवार को भाजपा विधायकों की हुई बैठक में सुनील शर्मा को विधायक दल का नेता चुना गया। वे विधानसभा में विपक्ष के नेता होंगे। वहीं सत शर्मा को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनाया गया है। आतंकी हमलों को लेकर सत्र में हंगामे के आसार उमर अब्दुल्ला के CM पद की शपथ लेने के बाद राज्य में 6 आतंकी हमले हुए हैं। इनमें लश्कर के कमांडर समेत 6 आतंकी ढेर हुए हैं। 3 जवान भी शहीद हुए। साथ ही 8 गैर कश्मीरी मंजदूरों की भी मौत हुई है। राज्य में नई सरकार के बनने के बाद आतंकियों ने गैर कश्मीरियों को निशाना बनाकर कई हमले किए हैं। उमर अब्दुल्ला के पिता फारूक अब्दुल्ला के आतंकियों पर दिए बयान को लेकर भी सत्र में हंगामे के आसार हैं।

उदयनिधि स्टालिन बोले- तमिल फिल्म इंडस्ट्री में अरबों का रेवेन्यू

उत्तर भारत में किसी भाषा की फिल्म इंडस्ट्री हमारे जितनी नहीं

एजेंसी, कोझिकोड।

तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने साउथ और नॉर्थ इंडिया की फिल्म इंडस्ट्री की तुलना की है। उन्होंने कोझिकोड में आयोजित साहित्य महोत्सव में कहा- बॉलीवुड के अलावा किसी भी उत्तरी भारत के राज्य में दक्षिण भारत की तरह फिल्म इंडस्ट्री नहीं है। ये कार्यक्रम 2 नवंबर को हुआ था। उदयनिधि ने कहा- तमिल फिल्म इंडस्ट्री अब अरबों डॉलर का रेवेन्यू जनरेट कर रही है। केरल, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा भी फल-फूल रहा है। लेकिन क्या उत्तर भारत में किसी भाषा की फिल्म इंडस्ट्री हमारे जितनी है? इसका उत्तर है 'नहीं'। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड ने उत्तरी राज्यों के छोटे फिल्म उद्योगों को काफी हद तक पीछे छोड़ दिया है। मुंबई में अब बड़े पैमाने पर हिंदी फिल्में बनती हैं, जबकि मराठी, भोजपुरी, बिहारी, हरियाणवी और गुजराती सिनेमा को बहुत कम तवज्जो मिलती है। कई उत्तरी राज्यों में तो अपना खुद की फिल्म इंडस्ट्री भी नहीं है। बीजेपी ने कहा- उदयनिधि को जानकारी नहीं तमिलनाडु भाजपा के उपाध्यक्ष एन तिरुपति ने कहा कि उदयनिधि असफल अभिनेता और असफल फिल्म पर्सनेलिटी हैं। उन्हें नहीं पता कि उनकी अपरिपक्वता और ज्ञान की कमी के कारण वे इस तरह की बातें करते हैं। भाषा के नाम पर ये लोग देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

दिल्ली में AQI-400 पार, सांस संबंधी मरीज 35% बढ़े

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ते जा रहा है। सोमवार को लगातार दूसरे दिन दिल्ली की हवा गंभीर कैटेगिरी में दर्ज की गई है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) के अनुसार सोमवार सुबह 7 बजे दिल्ली के कई मॉनिटरिंग स्टेशनों में AQI 400 के पार रिकॉर्ड किया गया। CPCB ने कहा सोमवार सुबह दिल्ली के 5 मॉनिटरिंग स्टेशन में AQI 400 पार था। वहीं, रविवार को 8 इलाकों में AQI 'गंभीर' स्तर (400 से अधिक) के आंकड़े को पार कर गया था। प्रदूषण में बढ़ोतरी होते ही दिल्ली के अस्पतालों में खांसी, जुकाम, बुखार, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और क्रॉनिक ऑब्सट्रेक्टिव पल्मोनरी डिजीज (CPOD) जैसी सास संबंधी बीमारियों के मरीज 35% बढ़ गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा- पाकिस्तान की ओर से हवाएं भारत की ओर आ रही हैं। ऐसे में संभावना है कि दिल्ली-NCR में 6 दिन और AQI इसी कैटेगिरी के आसपास बना रहेगा। उधर, CM आतिशी ने कहा कि प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार एक हफ्ते में 10 हजार सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स की नियुक्ति का प्रस्ताव जारी करेगी। ये वॉलंटियर्स प्रदूषण पर काबू करने की प्लानिंग पर काम करेंगे।

TDP उपाध्यक्ष बोले- CM नायडू धर्मनिरपेक्ष

एजेंसी, नई दिल्ली।

मुसलमानों को नुकसान हो ऐसा विधेयक लागू नहीं होने देंगे, वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध जारी

तेलुगु देशम पार्टी (TDP) के उपाध्यक्ष नवाब जान ने कहा कि आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू धर्मनिरपेक्ष मानसिकता वाले व्यक्ति हैं। वे हमारे सीएम भी हैं। वे मुसलमानों को नुकसान पहुंचाने वाले विधेयक को लागू नहीं होने देंगे। नवाब ने यह बात वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को लेकर कही। उन्होंने कहा- चंद्रबाबू हमेशा कहते रहे हैं कि उनकी दो आंखें हैं- एक हिंदू और एक मुस्लिम। एक आंख को नुकसान पहुंचाने से पूरे शरीर पर असर पड़ता है और हमें विकास के पथ पर आगे बढ़ते समय इसे ध्यान में रखना चाहिए। रविवार को जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में संविधान बचाओ सम्मेलन किया था। इसमें नवाब ने लोगों से वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को संसद में पारित होने से रोकने के लिए एकजुट होने की अपील की। नायडू के शासन में मुसलमानों को बहुत लाभ मिले नवाब जान ने कहा कि देश की आजादी के बाद से नायडू के शासन में मुसलमानों को जो लाभ मिले वे अभूतपूर्व हैं। उन्होंने दावा किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को संसद की संयुक्त समिति (JPC) के पास भेजना नायडू की वजह से ही संभव हो सका। उन्होंने कहा कि नायडू ने कुछ दिन पहले कहा था कि चाहे वह मुस्लिम संस्थान हो या हिंदू संस्थान या ईसाई संस्थान, उसमें एक ही धर्म के लोग होने चाहिए। जान ने कहा कि हम सब कुछ बर्दाश्त करेंगे, लेकिन देश की एकता को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे। जमीयत ने कहा- वक्फ बिल पास हुआ तो JDU-TDP भी जिम्मेदार जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा- अगर वक्फ बिल पास होता है तो टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जदयू प्रमुख नीतीश कुमार जिम्मेदारी से नहीं बच पाएंगे, क्योंकि केंद्र सरकार इनकी बैसाखी पर ही चल रही है। मदनी ने कहा कि सांप्रदायिक नीतियों के कारण ही भाजपा को लोकसभा चुनाव में बहुमत नहीं मिला। मुस्लिम बाहर से नहीं आए हैं, बल्कि इस देश के मूल निवासी हैं। अगर हिंदू गुर्जर, जाट हैं तो मुस्लिम भी गुर्जर और जाट हैं तथा कश्मीर में तो मुस्लिम भी ब्राह्मण हैं। जमीयत ने कहा कि NDA में शामिल जो दल धर्मनिरपेक्ष होने का दावा करते हैं, उन्हें इस खतरनाक कानून का समर्थन करने से खुद को दूर रखना चाहिए।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

आईसीसी ने की महिला एफटीपी 2025-29 की घोषणा

भारत करेगा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे की मेजबानी

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को महिला 2025-2029 फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) की घोषणा की, जिसके तहत भारत इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे की मेज़बानी करेगा। भारत इसी अवधि में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ़्रीका, वेस्टइंडीज और आयरलैंड में अपने मैच खेलेगा। दूसरा महिला एफटीपी मई 2025 से अप्रैल 2029 तक चलेगा। इस एफटीपी में प्रत्येक वर्ष एक आईसीसी महिला इवेंट खेला जाएगा, जिसमें 2027 में छह टीमों की पहली चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित की जाएगी। इस अवधि के दौरान होने वाले अन्य आयोजनों में 2025 में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप (भारत), 2026 में महिला टी20 विश्व कप (यूनाइटेड किंगडम) और 2028 में महिला टी20 विश्व कप का एक और संस्करण (मेजबान की घोषणा अभी बाकी है) शामिल है। इस बार आईसीसी महिला चैंपियनशिप में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 11 होगी, जिम्बाब्वे को पहली बार चैंपियनशिप में जोड़ा गया है। कुल मिलाकर, तीन-तीन मैचों की 44 श्रृंखलाओं में 132 वनडे खेले जाएंगे, जो 2029 में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के लिए योग्यता मार्ग के रूप में संदर्भ प्रदान करते हैं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 से पहले, इंग्लैंड त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत और न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा, जबकि आयरलैंड पाकिस्तान और वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा। श्रीलंका और वेस्टइंडीज अन्य सदस्यों में से हैं, जिन्हें क्रमशः 2027 और 2028 में टी-20आई त्रिकोणीय श्रृंखला की मेजबानी करनी है। आईसीसी क्रिकेट के महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा, "हमें खुशी है कि आईडब्ल्यूसी के नए संस्करण का विस्तार किया गया है और इसमें ग्यारहवीं टीम के रूप में जिम्बाब्वे को शामिल किया जाएगा। यह उत्साहजनक है कि सदस्य बोर्ड सभी प्रारूपों में खेलने के लिए उत्सुक हैं, और साथ ही उन्होंने आईसीसी आयोजनों की तैयारी के लिए त्रिकोणीय श्रृंखला की योजना बनाई है। सदस्यों द्वारा संतुलित और प्रासंगिक कैलेंडर प्रदान करने के लिए किए गए प्रयास महिलाओं के खेल को और आगे बढ़ाएंगे। हम सदस्य बोर्डों को एफटीपी को अंतिम रूप देने में उनकी प्रतिबद्धता और सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं।"

गंभीर पर उठ रहे सवाल, ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार से टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठने लगे हैं। गंभीर को अभी तीन माह पहले ही कोच बनाया गया था। उसके बाद से ही भारतीय टीम का प्रदर्शन कुछ विशेष नहीं रहा है। गंभीर को टीम चयन मामलों में भी पूरे अधिकार दिये गये थे उसके बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। अब गंभीर की ऑस्ट्रेलिया दौरे में कड़ी परीक्षा होगी। वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता तो गंभीर की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका से एकदिवसीय सीरीज हारी। इसके बाद अब उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का शिकार होना पड़ा है। इससे पहले भारतीय टीम कभी भी तीन या उससे अधिक मैचों की सीरीज में नहीं हारी है। हालांकि उनके बचाव में कहा जा रहा है कि टीम के साथ कोच केवल योजना ही बना सकता है पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जानने के बाद भी मुंबई में पूरी तरह से स्पिनरों की सहायक पिच बनाने पर भी सवाल उठे हैं।

मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन तेज़ गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नाइटवाचमैन के रूप में भेजने और पहली पारी में सरफराज खान को आठवें नंबर पर भेजने पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'गंभीर को ऐसा अधिकार दिया गया है जो इससे पहले कोच रहे रवि शास्त्री और राहुल द्रविड़ को नहीं मिला था। बीसीसीआई के नियम कोच को चयन समिति की बैठकों का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं देते हैं पर ऑस्ट्रेलिया दौरे की चयन बैठक के लिए गंभीर को अपने सुझाव देने का अवसर दिया गया। '

बोर्ड के इस अधिकारी ने कहा, 'दौरे के महत्व को देखते हुए मुख्य कोच को इसमें भाग लेने की अनुमति दी गई थी।' दिल्ली और केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र और एसआरएच के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को मुख्य कोच की मांग पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए शामिल किया गया है।

अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट 21 नवंबर से, 10 टीमें लेंगी हिस्सा, 12 दिन में खेले जाएंगे 40 मैच

अबू धाबी, 4 नवंबर (हि.स.)। अबू धाबी टी10 का आठवां सीज़न 21 नवंबर से शुरू हो रहा है, टूर्नामेंट का पहला मैच टीम अबू धाबी और अजमान बोल्ट्स के बीच खेला जाएगा। इस साल के टूर्नामेंट में एक विस्तारित प्रारूप है जिसमें 10 टीमें एक रोमांचक सीज़न में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जहां शीर्ष पांच टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए कड़ी लड़ाई में शामिल होंगी। प्रतिष्ठित जायद क्रिकेट स्टेडियम, अबू धाबी क्रिकेट और स्पोर्ट्स हब में केवल 12 दिनों में 40 से अधिक मैचों का आयोजन करेगा। प्लेऑफ़ सप्ताहांत के दौरान होंगे, जिसकी शुरुआत 1 दिसंबर को क्वालीफायर 1 से होगी, जिसमें शीर्ष दो टीमें शामिल होंगी। चौथे और पांचवें स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर 1 में भिड़ेंगी, उसके बाद एलिमिनेटर 2 होगा, जहां टीम 3 एलिमिनेटर 1 के विजेता से भिड़ेगी। क्वालीफायर 1 की उपविजेता फिर क्वालीफायर 2 में एलिमिनेटर 2 के विजेता से भिड़ेंगी। ग्रैंड फिनाले 2 दिसंबर को होगा, जहां क्वालीफायर 1 और क्वालीफायर 2 के विजेता खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। 2024 संस्करण में 18 विभिन्न देशों के खिलाड़ी शामिल हैं। जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो, मार्कस स्टोइनिस, लॉकी फर्ग्यूसन और राशिद खान जैसे क्रिकेट सुपरस्टार सभी टीमों के स्टार-स्टडेड रोस्टर में शामिल होंगे, जो क्रिकेट के एक अविस्मरणीय सीज़न का वादा करेंगे।

ला लीगा : बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 3-1 से हराया, तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिती मजबूत की

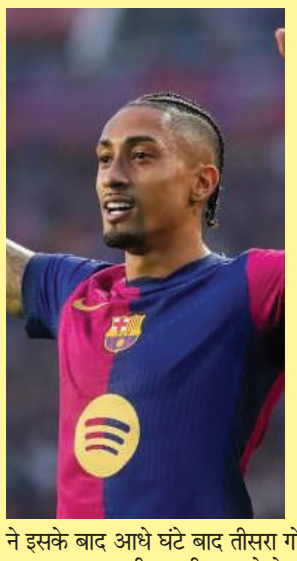

एजेंसी, मैड्रिड । एफसी बार्सिलोना ने रविवार को घरेलू मैदान पर एस्पेनयोल को 3-1 से हराकर ला लीगा तालिका में शीर्ष पर नौ अंक की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना के लिए डेनी ओल्मो ने दो गोल और राफिन्हा ने 1 गोल किया और सिर्फ आधे घंटे के बाद ही मैच पर पकड़ बना ली। ओल्मो ने मैच के 12वें मिनट में ही गोल कर बार्का को आगे कर दिया। राफिन्हा ने 10 मिनट बाद ही गोल कर बार्का की बढ़त को दोगुना कर दिया। ओल्मो ने इसके बाद आधे घंटे बाद तीसरा गोल किया और बार्सिलोना की बढ़त 3-0 कर दी। जावी पुआडो ने 63वें मिनट में एस्पेनयोल के लिए सांत्वना गोल किया। अन्य मैचों में एटलेटिको मैड्रिड ने लास पालमास को घरेलू मैदान पर 2-0 से हराया, एथलेटिक क्लब और बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ हुआ और रियल सोसिएदाद ने सेविला को 2-0 से हराया।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा : विराट

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने माना है कि वह आजकल बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। विराट ने ये भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में टीम को जीत दिलाने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को इसी माह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाना है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली 4 सीरीज लगातार जीती हैं, जिसमें 2018-19 और 2020-21 सीज़न में ऑस्ट्रेलिया में 2 जीत शामिल हैं। भारत अब तक 10 बार ये सीरीज जीती है जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 5 बार इसे जीता है। उनकी आखिरी सीरीज जीत 2014-15 सीजन के दौरान आई थी।

भारत में उनकी आखिरी सीरीज जीत 2004-05 में आई थी। विराट ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराने के लिए मुझे अपने खेल के स्तर को ऊपर उठाना होगा। मुझे लगता है कि मैं उस मानसिकता को ठीक से समझ सकता हूं कि कंगारु इतने प्रतिस्पर्धी हैं कि सभी 11 खिलाड़ी जुनूनी हैं। वे जानते हैं कि क्या करना है और कब करना है। यह देखकर, मेरी प्रेरणा बढ़ जाती है क्योंकि वे इतने जागरूक हैं और बेहद कुशलता से खेलते हैं।

पाक के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज आसान नहीं होगी : मैक्सवेल

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज आसान नहीं होगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को यहां एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलनी है। मैक्सवेल ने कहा कि पाकिस्तान की टीम अपनी अप्रत्याशित खेल शैली के कारण किसी को भी हैरान कर सकती है। मैक्सवेल ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को पाक के खिलाफ घरेलू सीरीज में अपनी पूरी ताकत लगानी होगी क्योंकि पाक टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। मैक्सवेल ने उन चुनौतियों को भी बताया जिनका सामना ऑस्ट्रेलिया की टीम को पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज में करना पड़ सकता है। पाकिस्तान टीम नए कप्तान मोहम्मद रिजवान की अगुवाई में पहली सीरीज खेलेगी। मैक्सवेल ने कहा कि, मुझे लगता है कि हमें सीरीज में कठिन मुकाबले के लिए तैयार रहना चाहिए। इसका कारण है कि आप निश्चित नहीं हैं कि क्या हो सकता है और वे खेल के सभी क्षेत्रों में बहुत खतरनाक हैं। उनके पास अच्छे स्पिनर हैं, उनके पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं और उनके पास ऐसे बल्लेबाज हैं जो उनके लिए मैच जीत सकते हैं। मैक्सवेल ने साथ ही कहा कि, मुझे लगता है कि जब आप इस सफेद गेंद वाली सीरीज में उनके खिलाफ खेलेंगे तो आप उन उतार चढ़ावों को देखेंगे और ये बहुत मनोरंजक होने वाला है। वे शानदार क्रिकेट खेलते हैं जहां सचमुच कुछ भी हो सकता है। हमारे लिए अपनी चीजों पर ध्यान केंद्रित करना कठिन होगा, क्योंकि वे आपकी किसी भी योजना के लिए बहुत नुकसानदेह हो सकते हैं। पाकिस्तान में इस बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेली जानी चाहिये। पाक राष्ट्रीय क्रिकेट टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 4 नवंबर से 10 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया के अलग अलग मैदानों पर खेलेगी। पहला मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा, इसके बाद 8 नवंबर को एडिलेड में दूसरा एकदिवसीय खेला जाएगा. तीन मैचों की वनडे सीरीज का अंतिम मैच पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी।

रणजी ट्रॉफी सत्र के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेंगे रिद्धिमान साहा

एजेंसी, नई दिल्ली

रिद्धिमान साहा रणजी ट्रॉफी के मौजूदा संस्करण के बाद खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज साहा ने 2010 और 2021 के बीच 40 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और नौ टी20आई में भी हिस्सा लिया।

इसके अलावा उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स सहित विभिन्न पक्षों के लिए 170 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों में भी हिस्सा लिया। साहा ने रविवार रात एक्स पर पोस्ट किया, "क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह सीजन मेरा आखिरी सीजन होगा। रिटायर होने से पहले मैं बंगाल का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक आखिरी बार सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं सिर्फ रणजी ट्रॉफी में खेलूंगा। इस अविश्वसनीय सफर का हिस्सा बनने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, आपका समर्थन दुनिया के लिए मायने रखता है। आइए इस सीजन को यादगार बनाएं..." 2007 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने वाले साहा ने बंगाल के लिए 15 साल तक खेला, उसके बाद बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के कुछ अधिकारियों के साथ मतभेद के बाद त्रिपुरा चले गए। तत्कालीन सीएबी प्रमुख अविषेक डालमिया ने साहा को मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वह अब बंगाल के लिए नहीं खेल सकते हैं। वह सीएबी के एक वरिष्ठ अधिकारी की टिप्पणियों से नाराज थे, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से रणजी ट्रॉफी के ग्रुप चरण को छोड़ने का फैसला करने के बाद साहा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए थे। यहां तक कि उन्होंने बंगाल टीम के व्हाट्सएप ग्रुप को भी छोड़ दिया, जबकि कोच अरुण लाल ने भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से बात की थी।

खिलाड़ी-संरक्षक की भूमिका निभाने वाले साहा के नेतृत्व में त्रिपुरा ने पिछले सीजन में घरेलू टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान और तत्कालीन बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली के साथ बैठक के बाद, साहा इस सीजन में बंगाल लौट आए - यह स्पष्ट संकेत है कि यह उनका आखिरी सीजन हो सकता है।

जापान ने जीता आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब

एजेंसी, बीजिंग

जापान ने रविवार को बीजिंग के शौगांग आइस हॉकी एरेना में चीन को 5-0 से हराकर आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। जापान ने शुरू से ही नियंत्रण बनाए रखा, पहले दौर में 23 शॉट लगाए और एक गोल के साथ शुरुआती बढ़त हासिल की। चीन ने दूसरे दौर में अपना बचाव कड़ा किया, जिससे जापान के स्कोरिंग के मौके सीमित हो गए, लेकिन अंतर को पाटने में असफल रहा। अंतिम दौर में, जब चीन ने बराबरी करने के लिए कड़ी मेहनत की, तो घरेलू टीम की गलतियाँ बढ़ने लगीं, जिससे जापान को चार और गोल करने और 5-0 की जीत के साथ चैंपियनशिप पर कब्जा करने का मौका मिला। इससे पहले रविवार को कजाकिस्तान ने पेनल्टी शूटआउट में दक्षिण कोरिया को 5-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। टूर्नामेंट में चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और कजाकिस्तान की टीमें शामिल थीं। यह टूर्नामेंट तीन दिनों तक राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला गया। अगला संस्करण 2025 में कजाकिस्तान की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा।

रूस की श्नाइडर ने जीता डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब

एजेंसी, हांगकांग

डायना श्नाइडर ने रविवार को ब्रिटिश खिलाड़ी केटी बौल्टर को 6-1, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब जीत लिया। विश्व में 14वें स्थान पर काबिज शीर्ष वरीयता प्राप्त श्नाइडर ने जर्मनी में बैड होम्बर्ग ओपन, थाईलैंड में हुआ हिन चैंपियनशिप और हंगरी में बुडापेस्ट ग्रैंड प्रिक्स में खिताबी जीत के साथ इस सत्र का अपना चौथा खिताब जीता। खिताबी जीत के बाद 20 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने कहा, "मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उच्च स्तर पर थी। निश्चित रूप से,मैं जिस तरह से प्रतिस्पर्धा कर रही हूं, उससे खुश और गौरवान्वित हूं।" दूसरी वरीयता प्राप्त और सत्र का अपना तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में जुटी बौल्टर ने इस कठिन मैच के बारे में कहा, "मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती थी। लेकिन यह पर्याप्त नहीं था।"

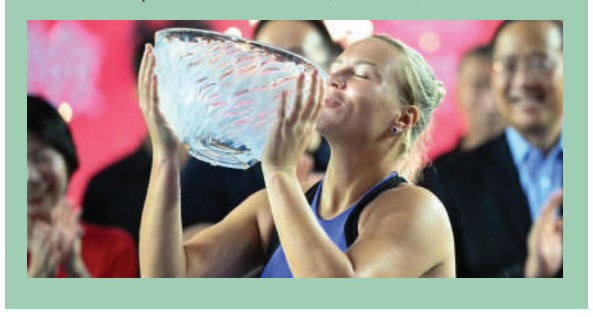

आईएसएलः अपनी पिछली हार से उबरने के लिए भिड़ेंगे जमशेदपुर और चेन्नइयन

एजेंसी, जमशेदपुर

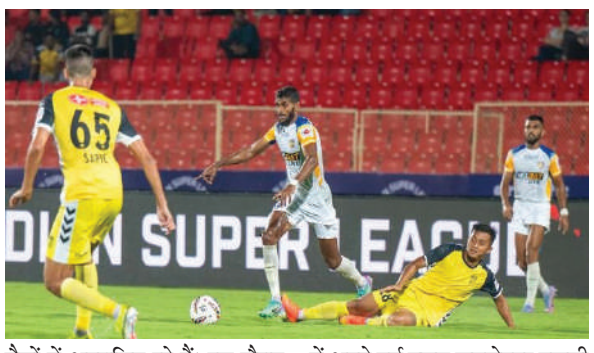

चेन्नइयन एफसी और जमशेदपुर एफसी अपनी पिछली हार से उबरने के लिए आज शाम जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी। जमशेदपुर को अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से 5-0 की करारी हार मिली जबकि चेन्नइयन एफसी को नई दिल्ली में पंजाब एफसी ने 3-2 से हराया। आगामी मैच में, स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल और फारुख चौधरी व डेनियल चीमा चुक्वू पूर्व टीम के खिलाफ अपने पुराने मैदान पर उतरेंगे। कॉयल ने 2021-22 में जमशेदपुर को चैंपियनशिप की सफलता दिलाई थी। जमशेदपुर जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चेन्नइयन के खिलाफ पिछले चार मैचों में अपराजित रहे हैं। इस दौरान उन्होंने एक मैच जीता है और तीन ड्रा खेले हैं। इस मैदान में चेन्नइयन एफसी (1-0) को एकमात्र जीत लगभग सात साल पहले 28 दिसंबर, 2017 को मिली थी। लगातार तीन घरेलू जीत के साथ जमशेदपुर एफसी इस सीजन में अपने घर में निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने प्रत्येक मैच में कम से कम दो गोल किए हैं। कॉयल ने आईएसएल में अपने पूर्व क्लब जमशेदपुर एफसी का चार बार सामना किया है जिनमें दो जीत और दो ड्रा हैं। कॉयल की टीमों ने जमशेदपुर के खिलाफ 11 गोल किए हैं। चेन्नइयन ने प्रति मैच 26.5 क्रॉस डाले हैं - जो लीग में सबसे ज्यादा है। जमशेदपुर एफसी के हेड कोच खालिद जमील को लगता है कि उनकी टीम हाईलैंडर्स के हाथों करारी हार को पीछे छोड़कर बेहतर प्रदर्शन करेगी।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

इन बैड मनी हैबिट्स से आज ही कर लें किनारा

अधिकतर लोग यह मानते हैं कि एक अच्छा जीवनयापन करने के लिए उनकी अच्छी-खासी इनकम होनी चाहिए। लेकिन आपकी सैलरी या इनकम अमाउंट से भी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है, उस पैसे को मैनेज करने की कला आना। ऐसे कई लोग होते हैं, जो बेहद ही सिस्टमेटिक तरीके से अपने पैसे को खर्च करते हैं और कुछ हिस्से को निवेश करते हैं। जिससे उन्हें वर्तमान ही नहीं, बल्कि भविष्य में भी किसी तरह की कोई समस्या नहीं होती है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनकी इनकम अच्छी खासी होती है। लेकिन फिर भी उन्हें वे पैसे कम ही पड़ जाते हैं। यहां तक कि कई बार तो कर्ज लेने की जरूरत भी पड़ जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि उनमें कुछ बैड मनी हैबिट्स होती है।

कमाई से अधिक खर्च

बहुत से लोगों को काफी अधिक खर्च करने की आदत होती है। यहां तक कि वे जितना कमाते हैं, उससे भी अधिक खर्च करना शुरू कर देते हैं। अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए वे क्रेडिट कार्ड आदि का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा करने से आपको कभी भी फाइनेंशियल प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, हर महीने अपनी आय का लगभग 20 प्रतिशत बचाने का लक्ष्य रखें।

जरूरत से ज्यादा लोन

आज के समय में आपको कार से लेकर घर तक के लिए लोन मिल जाता है। कुछ लोग एक बेहतर जीवन जीने के लिए इन सभी चीजों पर लोन ले लेते हैं। हालांकि, एक साथ कई सारे लोन लेना समझदारी भरा निर्णय नहीं माना जाता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि आप जरूरत से ज्यादा कर्ज व ब्याज के बोझ तले दब जाते हैं। इस तरह अगर कभी आपको जॉब में समस्या होती है तो घर का खर्चा उठाना भी भारी पड़ जाएगा।

पैसे को इनवेस्ट ना करना

यह एक बेहद जरूरी कदम है, लेकिन अधिकतर लोग बुढ़ापे में इनवेस्टमेंट करने पर विचार करते हैं। जबकि यह आपकी बहुत बड़ी गलती हो सकती है। अगर आप शुरुआत से ही पैसे को थोड़ा इनवेस्ट करने के लिए प्लॉन करती हैं तो ऐसे में आपको आगे चलकर काफी अच्छी रकम एक साथ मिल जाती है। आजकल इनवेस्टमेंट के कई बेहतरीन प्लॉन अवेलेबल हैं, जिनमें आप मंथली से लेकर सालाना रिटर्न ले सकती हैं या फिर कुछ सालों के बाद आपको एक बड़ी रकम भी मिल सकती हैं। आप अपनी सैलरी इनकम के छोटे से हिस्से से इनवेस्टमेंट की शुरुआत करें। इससे धीरे-धीरे आप खुद को फाइनेंशियली अधिक स्ट्रॉन्ग महसूस करेंगी।

परिवार के लिए अपनी क्षमता से अधिक कार्य करती रहती है गृहिणी

एक प्रचलित लतीफ़ा है। पति जब दफ़्तर से लौटता है तो पाता है कि सारा घर अस्त-व्यस्त है, बच्चे झगड़ रहे हैं, रसोई भी बिखरी पड़ी है। वह पत्नी से पूछता है तो जवाब मिलता है- 'तुम हमेशा कहते हो न कि आख़िर तुम करती ही क्या हो! तो देख लो, आज मैंने कुछ नहीं किया।' जहां तक स्त्री के काम की बात है, यह लतीफ़ा वास्तविकता बयां करता है, लेकिन उसकी प्रतिक्रिया विशुद्ध रूप से काल्पनिक है। दरअसल, परिवार के भीतर वह रिश्तों को बनाए रखने को अहमियत देती है, बजाय खुद की अहमियत के, इसलिए आमतौर पर ऐसा कुछ नहीं करती जिससे परिवार पर ज़रा भी असर पड़े। लेकिन यह बात कई बार घर के भीतर स्त्री के सम्मान और उसके आत्मसम्मान के विरुद्ध हो जाती है। उसे 'तुम करती ही क्या हो' जैसी बातें सुननी पड़ती हैं। यहां तक कि बच्चे भी 'मम्मी, आप नहीं समझोगी, आप तो चुप ही रहो' सरीखी रूखी टिप्पणियां कर देते हैं। लंबे समय में यह व्यवहार उसके आत्मविश्वास पर भी नकारात्मक असर डालता है और कई अहम मामलों में वह वाक़ई पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हो जाती है। इस मामले में पहली ज़िम्मेदारी महिला की है कि वह इस स्थिति को बदलने के प्रयास करे। यह उसके और उसके प्रिय परिवार के हित में होगा। इसके लिए कुछ ठोस क़दम उठाने की ज़रूरत है।

स्पष्ट बात करें और ग़लत को ग़लत कहना सीखें

सबसे पहले यह आवश्यक है कि ग़लत को ग़लत कहना सीखें। यदि पति या बच्चों का कोई व्यवहार खलता है तो उन्हें विनम्रता से, लेकिन स्पष्ट शब्दों में बता दें कि ऐसा व्यवहार/टिप्पणी स्वीकार्य नहीं है। हो सकता है कि वे अब तक अनजाने में ऐसा करते रहे हों और आपका अपमान करने की उनकी कोई मंशा न रहती हो, किंतु आपकी आपत्ति के बाद वे आपकी भावनाओं को समझेंगे। आप आपत्ति उठाने में ज़रा भी छूट न दें। निरंतरता दूसरों के रवैए में तब्दीली लाएगी।

महसूस कराएं कि घर के काम भी महत्वपूर्ण हैं

घर के छोटे-छोटे काम कोई छोटी बातें नहीं हैं। साफ़-सफ़ाई, भोजन बनाना और बच्चों-बुज़ुर्गों की देखभाल- ये सभी काम महत्वपूर्ण हैं। आप सारा बोझ अपने कंधे पर ना लें, बच्चों को शुरू से आदत डालें घर के कामों में मदद करने की। यदि बच्चे बड़े हो गए हैं तब भी देर नहीं हुई है। उन्हें घरेलू ज़िम्मेदारियों में शामिल करें। अपने जीवनसाथी से भी बात करें। वे जितने भी व्यस्त रहते हों, कम से कम सुबह की पहली चाय और छुट्टी के दिन आपका हाथ बंटाने का जिम्मा ले ही सकते हैं। इससे 'तुम करती ही क्या हो' का जवाब खुद-ब-खुद मिल जाएगा। वैसे भी, खाना पकाना, सफ़ाई करना अब जीवन-कौशल हैं जो हर व्यक्ति को आने ही चाहिए।

अपना ध्यान रखें, शौक पूरे करें, सुकून तलाशें

अक्सर गृहिणियों की आदत होती है सुबह के कामों के चक्कर में नाश्ता ना करना, दोपहर में सबको खिलाकर ही खाना खाना, भले ही कोई घर के बाहर गया हो। इसके अलावा, वे मां बनते ही जैसे अपनी अभिरुचियां भी भुला बैठती हैं। एक समय के बाद परिजनों को भी लगने लगता है कि गृहिणी के न तो शौक़ हैं, न ही कोई पसंद-नापसंद। वैसे भी, जब वे स्वयं ही अपनी उपेक्षा करती दिखती हैं तो औरों का ध्यान भी उनकी खुशी-नाखुशी की तरफ़ नहीं जाता। जैसा कि एक अंग्रेज़ी कहावत है, ख़ाली प्याले से आप चाय नहीं परोस सकते, उसी तरह आप अगर भीतर से स्वस्थ और सुकून में नहीं हैं तो आप परिवार की देखभाल भी सही तरीक़े से नहीं कर सकेंगी।
अत- अपनी खुराक पर ध्यान दें, अपने शौक़ पूरे करें, किताब पढ़ें, गाने सुनें, बाग़वानी करें। परिवार वालों को स्पष्ट दिखना चाहिए कि आपकी पसंद-नापसंद, अभिरुचियां और खुशियां हैं।

अपना ज्ञान और कौशल बढ़ाएं, निर्भरता कम करें

प्रतिदिन अख़बार ज़रूर पढ़ें, आसपास होने वाले बदलावों के साथ चलें और समझें। इससे आप ख़ासतौर पर बच्चों से उनके रुचि अनुसार विषयों पर बात कर सकेंगी। उन्हें पता चलेगा कि मां भी देश-दुनिया की जानकारी रखती हैं और जागरूक हैं। अपना ज्ञान बढ़ाएं। ज़रूरी नहीं कि आप कॉलेज में ही दाख़िला ले लें। नए विषयों पर जानकारी रखना, नई विधाएं सीखना और अपनी दक्षता को बढ़ाना आपके आत्मविश्वास को मज़बूती प्रदान करेगा। इंटरनेट के ज़माने में यह बहुत आसान है। इससे परिवार में आपकी पूछ-परख भी बढ़ेगी। किसी भी नई तकनीक से भागें नहीं, सीखने से साफ़ इनकार न कर दें, बल्कि आगे बढ़कर सीखने में रुचि दिखाएं- चाहे वह स्मार्टफोन चलाना हो या फिर वाहन।

लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल स्टेबिलिटी के लिए अपनाएं ये स्ट्रैटेजी

अधिकतर लोगों की यह इच्छा होती है कि एक दिन वह बहुत अमीर बन जाएं, जिसके कारण उनके पास फाइनेंशियल स्टेबिलिटी हो। पैसों की कमी के कारण उन्हें अपनी इच्छाओं या सपनों को अधूरा ना छोड़ना पड़े। हालांकि, इसके लिए फाइनेंशियल प्लानिंग करना बेहद जरूरी होता है, जिसके लिए अधिकतर लोग तैयार नहीं होते हैं।

यह सच है कि फाइनेंशियल स्टेबिलिटी आपको पैसे की चुनौतियों के साथ आने वाले तनाव और चिंता को दूर रखती है और आपको अपनी इच्छानुसार जीने की आजादी देती है। इतना ही नहीं, इससे आपके सफल होने के चांसेस भी बढ़ जाते है। यह जरूरी नहीं है कि आपकी कमाई लाखों में ही हो। अगर आप चाहें तो हजारों में कमाकर भी लॉन्ग टर्म में फाइनेंशियल स्टेबिलिटी को हासिल कर सकते हैं। बस इसके लिए सही स्ट्रैटेजी को अपनाना जरूरी होता है।

सेट करें गोल्स

लॉन्ग टर्म में फाइनेंशियल स्टेबिलिटी हासिल करने के लिए आज ही आपको अपने फाइनेंशियल गोल्स सेट कर लेने चाहिए। जब आप अपने टारगेट्स सेट कर लेते हैं तो उन्हें मॉनिटर करना और उन्हें अचीव करने के लिए सही कदम उठाना अधिक आसान हो जाता है। इतना ही नहीं, यह आपको अपनी आमदनी और खर्चों के प्रति अधिक जवाबदेह भी बनाता है। एक बार जब आप गोल्स सेट कर लें तो उसके अनुसार ही अपना बजट, खर्च, निवेश व बचत के बारे में स्ट्रैटेजी बनाएं।

लोन को करें मैनेज

अक्सर लोग लैविश लाइफ़ जीने के चक्कर में कई तरह के लोन लेते हैं या फिर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन उसका समय पर भुगतान नहीं करते हैं। इस तरह के लोन या समय पर भुगतान ना करने से आपको बहत अधिक ब्याज देना पड़ता है, जो कहीं ना कहीं आपके फाइनेंशियल टारगेट्स को नेगेटिव तरीके से इफेक्ट करता है। इतना ही नहीं, लोन का ब्याज भी लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल स्टेबिलिटी में बाधा बन सकता है। इसलिए, सोच समझकर ही लोन लें और अपनी जरूरत के अनुसार ही लोन लें।

बचत को बनाएं अपनी आदत

बचत को अपनी एक आदत बनाएं। आप हर महीने अपने सेविंग अकाउंट से कुछ राशि को ऑटोमेटिक ट्रांसफर पर सेट करें। मसलन, आप एसआईपी में निवेश कर सकते हैं, जिसमें हर महीने एक निश्चित राशि आपके अकाउंट से कट जाएगी। कोशिश करें कि आप अपनी आय का कम से कम 20 प्रतिशत जरूर बचाएं। जब आप बचत को अपनी आदत बना लेते हैं तो लॉन्ग टर्म में आप बहुत अधिक धनराशि जमा कर सकते हैं।

समझदारी से करें इनवेस्ट

लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल स्टेबिलिटी हासिल करने के लिए सिर्फ सेविंग करना ही काफी नहीं होता है। आपको ऐसे रास्ते ढूंढने चाहिए, जिससे आप अपने पैसों की ग्रोथ होते हुए देखें। ऐसे में इनवेस्ट करना अच्छा विचार है। आप कई तरह की स्कीम में इनवेस्ट कर सकते हैं। लेकिन जब भी आप इनवेस्ट करें तो उसके रिस्क, फायदे व लॉकिंग पीरियड जैसे कई पहलुओं पर विचार करें और उसके बाद ही कोई कदम बढ़ाए। आप चाहें तो किसी अच्छे फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह भी ले सकते हैं।

ये संकेत बताते हैं कि आपको सोशल मीडिया ब्रेक की है जरूरत

सोशल मीडिया आज के समय में हर किसी की जिन्दगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। लेकिन कभी-कभी कुछ ऐसे संकेत होते हैं, जो ये बताते हैं कि आपको एक सोशल मीडिया ब्रेक की जरूरत है।

इंटरनेट के इस युग में हम सभी के लिए सोशल मीडिया एक जरूरत बनता जा रहा है। सुबह उठकर हम सभी सबसे पहले अपने फोन को चेक करते हैं और सोशल मीडिया पर जाकर स्क्रॉल करना शुरू कर देते हैं। दूसरों की पोस्ट को लाइक करने से लेकर कमेंट लिखने व पढ़ने का यह सिलसिला हर किसी की जिन्दगी का एक हिस्सा बन चुका है। अधिकतर लोग अपनी लाइफ को सोशल मीडिया पर शेयर करना पसंद करते हैं। हालांकि, इसमें कोई बुराई नहीं है। लेकिन कभी-कभी दूसरों से कनेक्ट करने वाला यह प्लेटफार्म आपकी लत बन जाता है। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर दूसरों के रिएक्शन आपकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर डालते हैं।
ऐसे में जरूरी हो जाता है कि आप कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले लें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही संकेतों के बारे में बता रहे हैं, जो यह बताते हैं कि अब आपको एक सोशल मीडिया ब्रेक ले लेना चाहिए-

बहुत अधिक तनाव होना

अगर सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से आप खुद को बहुत अधिक तनाव में महसूस करते हैं या फिर आपको एक भारीपन का अहसास होता है तो ऐसे में आपको सोशल मीडिया से ब्रेक ले लेना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया पर मौजूद नेगेटिव खबरों व ऑनलाइन विवादों के लगातार संपर्क में रहने से आप भी नेगेटिव फील कर सकते हैं।

असंतुष्ट महसूस करना

जहां सोशल मीडिया दूसरों से कनेक्ट करने का एक अच्छा तरीका है। वहीं, इन प्लेटफॉर्म पर लोग खुद की तुलना दूसरों से जरूर करते हैं। जिसके कारण उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचती है। यह भी संभव है कि आप दूसरों के जीवन या लाइफस्टाइल को देखकर खुद में असंतुष्टि का अहसास करने लगें। अगर आपके मन में ऐसी फीलिंग्स बढ़ने लगी हैं तो बेहतर होगा कि आप एक कदम पीछे लें और कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाएं।

नींद पर असर पड़ना

सेहतमंद रहने के लिए अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी है। लेकिन ऐसे भी बहुत से लोग हैं, जो सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। खासतौर से, बेडटाइम पर स्क्रॉल करने की उनकी आदत होती है। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो इसका अर्थ है कि आप अपने स्लीप पैटर्न के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इससे आपको कई तरह के हेल्थ इश्यूज का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि इस आदत को तोड़ने के लिए आप कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से दूरी बना लें।

प्रोडक्टिविटी में कमी आना

जिन लोगों को सोशल मीडिया की लत लग जाती है, वे अपना अधिकतर समय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ही बिताना पसंद करते हैं। ऐसे में उनकी प्रोडक्टिविटी पर नेगेटिव असर पड़ने लगता है। हो सकता है कि वह अपनी क्षमता के अनुसार काम ना कर रहे हों या फिर उनके काम की क्वालिटी पर नेगेटिव असर पड़ने लगा हो। अगर आपके साथ ऐसा हो रहा है तो आपको सोशल मीडिया को अलविदा कह देना चाहिए।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

प्रियंका मोहन ने बताया कैसे मिली धनुष निर्देशित तीसरी फिल्म में भूमिका

थनुष साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर और लोकप्रिय अभिनेता हैं, जिन्हें अभिनय के अलावा गायन और निर्देशन के लिए भी जाना जाता है। अपने करियर में बतौर अभिनेता कई शानदार फिल्में देने वाले धनुष, बतौर निर्देशक भी काफी सफल रहे हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म रायन सिनेमाघरों में काफी सफल रही है। इस फिल्म को उन्होंने ही निर्देशित किया था। अब वह अपने निर्देशन वाली तीसरी फिल्म की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें प्रियंका मोहन भी नजर आने वाली हैं। धूम मचा रहा है प्रियंका मोहन का नया गाना वह साउथ की प्रतिभाशाली गायिकाओं में से एक हैं। प्रियंका, धनुष के निर्देशन वाली तीसरी फिल्म नीलावुकु एन मेल एन्नाडी कोबाम में नजर आएंगी। इस फिल्म से अभिनेत्री प्रियंका मोहन का पहला सिंगल गोल्डन स्पैरो अब यूट्यूब पर 50 मिलियन से अधिक व्यूज के साथ धूम मचा रहा है। अब अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए बताया है कि कैसे उन्हें ये गाना मिला।

कैप्टन मिलर में धनुष संग नजर आ चुकी हैं प्रियंका मोहन

अभिनेत्री इससे पहले धनुष के साथ कैप्टन मिलर में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान ही धनुष उनसे अगली फिल्म नीलावुकु एन मेल एन्नाडी कोबाम को लेकर बात की थी। अभिनेत्री ने कहा, कैप्टन मिलर की शूटिंग के दौरान धनुष नीलक के बारे में बात कर रहे थे। एक दिन उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि फिल्म में एक खास गाना है। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं इसे करने में दिलचस्पी रखती हूं।

फिल्म की रिलीज के समय जारी होगा खास वीडियो

प्रियंका मोहन ने आगे कहा, मैंने अपनी सहमति देने में थोड़ा समय लिया। मैं पूरे वीडियो में मौजूद हूं। हमने अभी-अभी लिरिकल वीडियो रिलीज किया है, लेकिन इसमें एक हुक स्टेप है। टीम गाने के जरिए युवाओं को पेश करना चाहती थी। अभिनेत्री ने आगे बताया कि गाने से जुड़ा एक और खास वीडियो है, जिसे फिल्म की रिलीज के समय में रिलीज किया जाएगा।

श्रद्धा कपूर का 'पुष्पा 2' में आइटम नंबर से इनकार श्री लीला को मिला मौका

दिवाली का शोर जब थमना शुरू होगा तो साउथ सिनेमा में एक नया शोर शुरू होने का समय आ जाएगा। दिसंबर महीने में रिलीज होने जा रही अभिनेता अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' का आइटम गाना फिल्माने का वक्त जो आ गया है। इस आइटम सॉन्ग के लिए संगीतकार देवी श्री प्रसाद उर्फ डीएसपी ने एक बहुत ही शानदार लेकिन महिलाओं के सम्मान वाला गाना तैयार किया है। फिल्म के निर्देशक सुकुमार ने इसके लिए खास तैयारियां की है और पता चला है कि ये गाना श्रद्धा कपूर की बजाय उस अभिनेत्री पर फिल्माया जाएगा, जिसके चर्चे इन दिनों साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक खूब हो रहे हैं। और, जिसके नाम का खुलासा 'अमर उजाला' ने बीते साल ही अपनी खास खबर में कर दिया था। साउथ सिनेमा से इस साल तमाम सितारों ने हिंदी पट्टी में किस्मत आजमाई। प्रभास ने फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में कर्ण का पुनर्जन्म लेकर बॉक्स ऑफिस पर डंका बजाया तो उससे पहले अनजान से सितारे तेजा सज्जा ने हनुमंतू का किरदार निभाकर फिल्म 'हनुमान' में दर्शकों का दिल जीत लिया। लेकिन, 'देवरा पार्ट वन' में जूनियर एनटीआर का जादू फुस्स रहा और 'वेट्टैयन' में रजनीकांत तो अमिताभ बच्चन, फहद फासिल और राणा दग्गुबाती का साथ पाकर भी शिकार नहीं कर सके। अब बारी 'पुष्पा 2' की है। फिल्म 'पुष्पा 2' की मुख्य शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म के निर्देशक सुकुमार दिन रात इसके पोस्ट प्रोडक्शन में लगे हुए हैं। फिल्म में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्पेशल इफेक्ट्स शामिल किए जा रहे हैं। लेकिन, एक चीज जो अभी इसमें शामिल होनी रह गई है, वह है फिल्म का आइटम नंबर। पहले खबरें थी कि फिल्म 'स्त्री 2' से हिंदी सिनेमा की हीरोइन नंबर वन बनी श्रद्धा कपूर फिल्म 'पुष्पा 2' में एक तड़कता भड़कता डांस नंबर करने जा रही हैं। लेकिन, श्रद्धा कपूर ने इसके लिए मना कर दिया। इसके बाद दिशा पाटनी का नाम भी चर्चा में आया लेकिन उनके नाम पर अल्लू अर्जुन ने रिजेक्ट का ठप्पा लगा दिया है। अब सूत्र बता रहे हैं कि फिल्म 'पुष्पा 2' के तड़कते भड़कते आइटम नंबर के लिए अभिनेत्री श्रीलीला का नाम फाइनल किया गया है। साउथ सिनेमा में श्री लीला का रुतबा एकदम से बहुत तेजी से बढ़ा है। अमेरिका की रहने वाली श्री लीला की एक फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' पवन कल्याण के साथ निर्माणाधीन है। इसके अलावा वह एक फिल्म 'रॉबिनहुड' भी कर रही हैं। वरुण धवन के साथ उनका हिंदी सिनेमा में भी डेब्यू होने वाला था, लेकिन उनकी सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' की जिस तरह की रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं, उसके चलते श्रीलीला ने वरुण धवन की फिल्म में काम करने से मना कर दिया है। श्रीलीला पर जो गाना फिल्माया जाने वाला है, उसे फिल्म के संगीतकार देवी श्री प्रसाद उर्फ डीएसपी गाना तैयार कर चुके हैं। इसे लिखा है चंद्रबोस ने और इसकी थीम महिलाओं के आत्म सम्मान की रखी गई है। फिल्म 'पुष्पा 2' के इस गाने की शूटिंग हैदराबाद में मंगलवार से शुरू होने जा रही है। इस गाने के कोरियोग्राफर के रूप में गणेश आचार्य का नाम फाइनल किया गया है।

पत्रकार के इस सवाल पर भड़के राजपाल यादव

राजपाल यादव वर्तमान में कार्तिक आर्यन और विद्या बालन की लेटेस्ट रिलीज हुई फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आ रहे हैं। अभिनेता अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, हमेशा हंसते-खेलते रहने वाले राजपाल का एक हैरान करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें अभिनेता उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के पलिया कस्बे में एक पत्रकार पर अपना आपा खोते और उनका फोन छीनते नजर आ रहे हैं। वीडियो में एक पत्रकार को राजपाल से उनकी आने वाली फिल्म के बारे में सवाल पूछते देखा जा सकता है। राजपाल ने जवाब देते हुए कहा, डेढ़ महीने में एक फिल्म देखने मिलेगी। इसके अलावा, रिपोर्टर ने राजपाल से दिवाली से पहले पटाखे न जलाने के उनके हालिया बयान के बारे में पूछा, जिसने काफी चर्चा बटोरी। इस सवाल ने भूल भुलैया अभिनेता को इतना नाराज कर दिया कि गुस्से में आकर उन्होंने रिपोर्टर का फोन छीनने और उसे फेंकने की भी कोशिश की। जानकारी हो कि राजपाल यादव ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा कर सभी से दिवाली पर पटाखे फोड़ने से बचने का अनुरोध किया था। हालांकि, राजपाल के इस आग्रह से लोग गुस्सा हो गए और अभिनेता को बहुत अधिक नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। जिसके चलते बाद में उन्होंने माफी मांगते हुए एक वीडियो पोस्ट किया और कहा कि उनका त्योहार की खुशी को कम करने का कोई इरादा नहीं था।

शूटिंग के आखिरी चरण पर पहुंची धनुष-रश्मिका की कुबेर

साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों कुबेर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर धनुष और सुपरस्टार नागार्जुन के बीच पहला सहयोग है। फिल्म में रश्मिका मंदाना मुख्य नायिका की भूमिका में हैं। वहीं अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जो इसकी शूटिंग को लेकर है। 2025 में रिलीज होगी फिल्म हाल ही में आई रिपोर्ट्स से पुष्टि हुई है कि फिल्म का टॉकी हिस्सा पूरा हो चुका है, अब केवल दो गाने ही फिल्माए जाने बाकी हैं। फिल्म की शूटिंग दिसंबर में फिर से शुरू होने वाली है। इसके साथ ही बताया गया है कि निर्माताओं का लक्ष्य 2025 की पहली तिमाही में फिल्म को रिलीज करना है। दूसरी ओर धनुष के प्रशंसक तब निराश हुए, जब दिवाली की शुभकामनाओं वाला कोई पोस्टर जारी नहीं किया गया, जिससे फिल्म के प्रचार की योजनाओं पर सवाल उठने लगे। हालांकि, चर्चा है कि टीम जल्द ही एक सुव्यवस्थित प्रचार अभियान शुरू करेगी। इस पहले खबर आई थी कि दिवाली पर फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया जा सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।
फिल्म में धनुष के किरदार की बात करें तो कुबेर में धनुष एक ऐसे किरदार को निभा रहे हैं, जो एक बेघर व्यक्ति के रूप में शुरू होता है, लेकिन अंततः एक शक्तिशाली माफिया सरगना बन जाता है। रश्मिका और धनुष के साथ फिल्म में अक्किनेनी नागार्जुन, संदीप किशन, जिम सर्भ और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

अभिनेत्री दीया मिर्जा का छलका दर्द, बताया किस वजह से नहीं कर सकीं ज्यादा फिल्में

दीया मिर्जा हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अच्छी फिल्में की हैं, जिसकी वजह से उन्होंने काफी लोकप्रिता भी हासिल की है। हालांकि, फिल्मी दुनिया में उनका करियर बहुत लंबा और चर्चित नहीं हो सका। अभिनेत्री के मुताबिक इसके पीछे कि जो वजह है, वो काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। अभिनेत्री ने कहा कि उनके ऊपर बहुत ज्यादा ग्लैमरस होने का ठप्पा लग गया, जिसकी वजह से उन्हें चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं नहीं मिलीं।

साल 2001 में किया था डेब्यू

दीया ने साल 2001 में हिंदी फिल्म रहना है तेरे दिल में किया था, जिससे उन्होंने अपने हिंदी फिल्म करियर की शुरुआत की थी। ये फिल्म तमिल हिट मिन्नाले की रीमेक थी। इस फिल्म में उनके साथ आर. माधवन और रीमा सेन भी नजर आए थे। माधवन और दीया के बीच की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों को काफी ज्यादा आकर्षित किया था। इस वजह से फिल्म काफी सफल भी हुई थी। हालांकि इस फिल्म के बाद से उनके ऊपर ग्लैमरस का ठप्पा लग गया। इसके बाद उन्हें अलग तरह की भूमिकाएं मिलनी कम हो गईं।

निर्देशकों ने मुझे लेकर बनाई एक खास राय

हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान अपनी निराशा व्यक्त करते हुए अभिनेत्र ने कहा, चूंकि निर्देशकों ने मुझे एक मुख्यधारा की अभिनेत्री के रूप में देखा, इसलिए मुझे एक अच्छी कहानी वाली फिल्म में अभिनय करने का मौका नहीं मिला, जो मैं चाहती थी। मैं अपने दिखने के तरीके के कारण कुछ फिल्मों से खारिज कर दी जाती थी। अभिनेत्री ने आगे कहा कि अपने समर्पण और कौशल के बावजूद, निर्देशकों की इस धारणा की वजह से वह अपनी इच्छित फिल्मों में काम नहीं कर सकीं और अपनी क्षमता को पूरी तरह से साबित नहीं कर पाईं। बता दें कि दीया का जन्म एक जर्मन पिता और एक बंगाली मां से हुआ था। इस वजह से उनकी पहचान में सांस्कृतिक प्रभावों का मिश्रण भी जुड़ गया। उनके शुरुआती पारिवारिक जीवन में कई तरह की जटिलताएं थीं, क्योंकि जब वह छोटी थीं, तभी उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। इसके बाद उनकी मां ने हैदराबादी मुस्लिम अहमद मिर्जा से शादी कर ली, जिनका अंतिम नाम दीया ने अपना लिया।

2000 में बनी थीं मिस एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल

बताते चलें कि अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाने वालीं दीया ने साल 2000 में मिस एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल का खिताब जीता था। इसके बाद वह फिल्मों की दुनिया में सक्रिय हो गईं। उन्होंने रहना है तेरे दिल में से हिंदी फिल्मों में शुरुआत करने के बाद कई अन्य फिल्मों में काम किया। इनमें दस, तुमसा नहीं देखा, लगे रहो मुन्ना भाई, हनीमून ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड और संजू जैसी फिल्में शामिल हैं।

अमरन की टीम से मिले रजनीकांत, शिवकार्तिकेयन और फिल्म की कलाकारों को दी बधाई

सिनेमा के दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने हाल ही में अपने करीबी मित्र और अभिनेता कमल हासन द्वारा निर्मित नई फिल्म अमरन की टीम से मुलाकात की। इस मीटिंग में फिल्म के मुख्य अभिनेता शिवकार्तिकेयन, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, छायाकार सीएच साई और निर्माता आर महेंद्रन ने भाग लिया, जिसमें रजनीकांत ने फिल्म और इसके निर्माताओं के प्रति अपना समर्थन जताया।

रजनीकांत ने किया फिल्म के टीम का अभिवादन

राज कमल इंटरनेशनल फिल्म्स के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर शेयर की गई एक सोशल मीडिया पोस्ट में चार तस्वीरों में इस यादगार सभा को कैद किया गया, जिसमें दिग्गज अभिनेता फिल्म के कलाकारों और क्रू के साथ गर्मजोशी से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा गया, रजनीकांत ने अपने दोस्त कमल हासन की प्रोडक्शन वेंचर अमरन देखी, जिसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी ने किया है और इसमें शिवकार्तिकेयन ने अभिनय किया है।

कमल हासन को रजनीकांत ने दी बधाई

मीटिंग से एक दिन पहले रजनीकांत ने कमल हासन से फोन पर बात की थी और फिल्म निर्माण के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से बधाई दी थी। शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी की यह फिल्म इस समय बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। मेजर मुकुंद वरदराजन की बायोपिक यह फिल्म शिवकार्तिकेयन की पहली फिल्म की सबसे बड़ी ओपनिंग नंबर है। दूसरे दिन भी तमिल फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन जारी रखा, जबकि दो बड़े बजट की बॉलीवुड फिल्में रिलीज हुई थीं।

फिल्म की कमाई

फिल्म ने दूसरे दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 19.25 करोड़ रुपये कमाए। अपने पहले दिन, फिल्म ने 21.40 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का कुल कलेक्शन अब 40.65 करोड़ रुपये हो गया है। राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित अमरन इस साल की सबसे बड़ी तमिल रिलीज में से एक है।

अब 'जय हनुमान' में ऋषभ शेट्टी दिखाएंगे जलवा

प्रशांत वर्मा की फिल्म 'जय हनुमान' का पहला पोस्टर सामने आ चुका है। इस फिल्म में ऋषभ शेट्टी हनुमान की भूमिका में नजर आ रहे हैं। प्रशांत वर्मा ने अपनी आगामी फिल्म 'जय हनुमान' का पहला पोस्टर साझा किया। इस फिल्म में दक्षिण भारतीय अभिनेता, निर्देशक और निर्माता ऋषभ शेट्टी हनुमान की भूमिका में नजर आ रहे हैं। आइए बहुमुखी प्रतिभा के धनी ऋषभ शेट्टी के बारे में जानते हैं। ऋषभ ने फिल्म जगत में क्लैप बॉय, स्पॉट बॉय, सहायक निर्देशक और अन्य तरह के काम किए। इन संघर्षों के बाद अभिनेता को वर्ष 2012 में आई फिल्म 'तुगलक' से प्रमुख भूमिका मिली। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। वर्ष 2016 में उनके निर्देशन में बनी फिल्म 'रिकी' ने बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'किरक पार्टी' का निर्देशन किया, जो हिट रही। शेट्टी ने 'सरकारी हाय' का निर्देशन किया इस फिल्म ने समीक्षकों की सराहना प्राप्त की और सर्वश्रेष्ठ बच्चों की फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता।